नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

असम विधानसभा चुनाव के दौरान गुवाहाटी में एक पोलिंग बूथ पर वोट डालने के लिए लाइन में लगे लोग

• बोकारो, शुक्रवार 10 अप्रैल 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 321 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

आइए, हम मिलकर भारत की नारी शक्ति को करें सशक्त

✍ नरेन्द्र मोदी

21वीं सदी की विकास यात्रा में हमारा भारत एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण की ओर आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह ऐसा अवसर है, जब समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक नए रूप में सामने आएगी। यह ऐसा समय है, जब हमारे देश की संसद को एक महत्वपूर्ण दायित्व निभाना है। उसे ऐसा कदम आगे बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को अधिक व्यापक एवं और अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का यह निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा और लोकसभा और विधानसभाओं संस्थाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा। यह क्षण इसलिए भी विशेष है क्योंकि यह ऐसे समय में आ रहा है जब देश का वातावरण उत्सव, नवीनता और सकारात्मकता से भरा हुआ है। आने वाले दिनों में भारत के अलग अलग हिस्सों में अनेक पर्व मनाए जाएंगे। असम के लोग रोंगाली बिहू मनाने वाले हैं और ओडिशा में महा बिशुबा पणा संक्रांति का उत्सव मनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाख के साथ बंगाली नववर्ष की शुरुआत होगी। केरलम में विषु पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। तमिलनाडु के लोग उत्सुकता से पुथांडु की प्रतीक्षा कर रहे हैं तो पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में लोगों को बैसाखी के पर्व का इंतजार है। हमारे ये पावन पर्व हर किसी में एक नई आशा का संचार करने वाले हैं। भारत के साथ-साथ दुनियाभर में इन त्योहारों को मनाने वाले सभी लोगों को मैं हृदय से शुभकामनाएं देता हूं। मैं ये कामना करता हूं कि ये दिव्य और पावन अवसर हम सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आएं। इसी दौरान 11 अप्रैल से महात्मा फुले की 200वीं जयंती के समारोह भी शुरू होंगे। 14 अप्रैल को हम भारतवासी डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती मनाएंगे। ये दोनों तिथियां हमें सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा के उन मूल्यों की भी याद दिलाती हैं, जिन्होंने आधुनिक होते भारत की दिशा तय की हैं। इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच, 16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी। महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ एक विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्व को कम करके आंकना होगा। यह भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। हमारी नारी शक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया है। आज देश के हर सेक्टर में नारी शक्ति मिसाल बन रही है। साइंस एंड टेक्नोलॉजी से लेकर एंटरप्रेन्योरशिप तक, खेल के मैदान से लेकर सशस्त्र बलों तक और संगीत से लेकर कला के क्षेत्र में महिलाएं अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं। हमारी माताएं-बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है जब माताओं-बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलते हैं। इसी सोच के साथ बीते 11 वर्षों में महिला सशक्तिकरण के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करने पर जोर दिया गया है, इसके लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। शिक्षा तक बढ़ती पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, वित्तीय समावेशन में बढ़ोतरी और बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच ने आर्थिक और

> ❛ हमारी नारी शक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया है। आज देश के हर सेक्टर में नारी शक्ति मिसाल बन रही है। साइंस एंड टेक्नोलॉजी से लेकर एंटरप्रेन्योरशिप तक, खेल के मैदान से लेकर सशस्त्र बलों तक और संगीत से लेकर कला के क्षेत्र में महिलाएं अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं। हमारी माताएं-बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

सामाजिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी को मजबूती दी है। लेकिन ये भी सच्चाई है कि इन सारे प्रयासों के बावजूद भी राजनीति और विधायी संस्थाओं में महिलाओं प्रतिनिधित्व समाज में उनकी भूमिका के अनुरूप नहीं रहा है। इस कमी को अब दूर किया जाना चाहिए क्योंकि जब महिलाएं प्रशासन चलाने और प्रशासनिक निर्णयों में हिस्सा लेती हैं तो उनका अनुभव और विजन बहुत काम आता है। इससे चर्चा तो समृद्ध होती ही है, क्वालिटी ऑफ गवर्नेंस में सुधार भी होता है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है, ये हमारे लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील, अधिक संतुलित और अधिक उत्तरदायी बनाने का प्रयास है। पिछले कई दशकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के लिए बार-बार प्रयास हुए हैं। समितियां गठित की गईं, विधेयकों के मसौदे प्रस्तुत किए गए लेकिन वे कभी पारित नहीं हो सके। फिर भी, इस बात पर व्यापक सहमति रही है कि विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। यह मेरे जीवन के सबसे विशेष अवसरों में से एक रहा है। अब जरूरत है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं। महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने का यह अवसर हमारे संविधान की मूल भावना के साथ गहराई से जुड़ा है। हमारे संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां समानता न केवल संविधान में निहित हो, बल्कि उसे व्यवहार में भी लाया जाए। विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना, उस परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें राष्ट्र का भविष्य तय करने में प्रत्येक नागरिक की समान भूमिका हो। अब इस निर्णय को और टाला नहीं जा सकता। दशकों से इसकी आवश्यकता को स्वीकार किया गया है। इस पर चर्चा हुई है, इसे बार बार दोहराया गया है। अगर अब भी हम इसे आगे टालते हैं, तो उसका अर्थ यही होगा कि हम उस असंतुलन को और लंबा खींच रहे हैं, जिसे हम पहचानते भी हैं और सुधारने की क्षमता भी रखते हैं। आज भारत पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इसलिए ये जरूरी है कि हमारी संस्थाएं सभी नागरिकों, विशेष रूप से हमारी आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं का सम्मान करें। इससे न सिर्फ दशकों पुराना संकल्प पूरा होगा बल्कि विकास की गति को बनाए रखने में भी बहुत मदद मिलेगी। यह हमारे लोकतंत्र को अधिक उत्तरदायी बनाने और भविष्य के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक अहम कदम होगा। यह समय सामूहिक संकल्प का है। यह किसी एक सरकार, एक दल या एक व्यक्ति का विषय नहीं है। यह पूरे राष्ट्र का विषय है। हमें मिलकर इस कदम के महत्व को समझना है और मिलकर ही इसे साकार करना है। यही हमारी नारी शक्ति के प्रति हमारा दायित्व भी है, इसलिए महिला आरक्षण बिल को पारित कराने के लिए सहमति बहुत जरूरी है। इसे बड़े राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर देखा जाना चाहिए। ऐसे अवसर हमें यह याद दिलाते हैं कि कुछ फैसले अपने समय से बड़े होते हैं। वे आने वाली पीढ़ियों की दिशा तय करते हैं। ये हमें याद दिलाते हैं कि लोकतंत्र की असली ताकत समय के साथ खुद को और अधिक न्यायपूर्ण और अधिक समावेशी बनाने की क्षमता में होती है। संसद का यह ऐतिहासिक सत्र करीब आ चुका है। मैं सभी दलों के सांसदों से हमारी नारी शक्ति के लिए इस महत्वपूर्ण कदम का समर्थन करने का आग्रह करता हूं। हम जिम्मेदारी और दृढ़ संकल्प के साथ इस दायित्व को पूरा करें। आइए, हम अपने लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

दो अभियंता 1.72 लाख रिश्वत लेते गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बरही जलपथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता राहुल कुमार मालतो और सहायक अभियंता चिरंजीवी दांगी को गिरफ्तार किया है। दोनों को 1,72,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए गुरुवार को रंगे हाथ पकड़ा गया। गंगा कंस्ट्रक्शन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि ब्रजेश कुमार राय ने इस संबंध में एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी। उनकी कंपनी को कोडरमा/गिरिडीह जिले की पंचखेरो जलाशय योजना के तहत सड़क, ड्रेन, बाउंड्री पिलर और पैरापेट वॉल के निर्माण का कार्य मिला था। आरोप के

अनुसार, कार्यपालक अभियंता राहुल कुमार मालतो इस कार्य के बदले संशोधित समझौते की राशि का एक प्रतिशत, अब तक हुए भुगतान का एक प्रतिशत और उड़नदस्ता टीम के नाम पर कुल पांच लाख रुपए की रिश्वत मांग रहे थे। ब्रजेश कुमार राय ने रिश्वत देने से इनकार करते हुए पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हजारीबाग से लिखित शिकायत की। ब्यूरो ने मामले का सत्यापन किया और शिकायत को सही पाया। सत्यापन में पुष्टि हुई कि राहुल कुमार मालतो और चिरंजीवी दांगी मिलकर रिश्वत की मांग कर रहे थे। इसके बाद 08 अप्रैल 2026 को एसीबी थाना में कांड संख्या 03/2026 दर्ज किया गया। त्वरित कार्रवाई के लिए एक विशेष ट्रैप टीम का गठन किया गया। गुरुवार को एसीबी टीम ने हजारीबाग में दंडाधिकारी और सरकारी गवाहों की उपस्थिति में जाल बिछाया। जैसे ही ब्रजेश कुमार राय ने रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 1,72,000 रुपए दोनों अभियंताओं को दिए, पहले से मौजूद एसीबी की टीम ने उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद दोनों अधिकारियों को एसीबी कार्यालय लाया गया, जहां उनसे गहन पूछताछ जारी है।

नये वित्तीय वर्ष में झारखंड कैबिनेट की पहली बैठक 15 अप्रैल को

रांची (नबिटा ब्यूरो)। झारखंड सरकार के नये वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली कैबिनेट बैठक आगामी 15 अप्रैल को आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में होने वाली यह उच्चस्तरीय बैठक रांची स्थित प्रोजेक्ट भवन में दोपहर तीन बजे से प्रारंभ होगी। कैबिनेट सचिवालय ने बैठक की आधिकारिक सूचना जारी कर दी है। विभिन्न विभागों को निर्देश दिया गया है कि वे अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार प्रस्ताव तैयार कर समयसीमा के भीतर भेजें ताकि उन्हें कैबिनेट के समक्ष विचार में लाया जा सके। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस कैबिनेट बैठक का मुख्य एजेंडा राज्य बजट के दौरान घोषित की गई महत्वाकांक्षी योजनाओं को विधिवत मंजूरी देना है। सरकार विशेष रूप से ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण, शिक्षा में सुधार और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से संबंधित प्रस्तावों पर गंभीर मंथन कर सकती है।

अलग-अलग हादसों में दो लोगों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले में अलग-अलग हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। एक घटना में लापता बुजुर्ग का शव तालाब से मिला जबकि दूसरी घटना में मॉर्निंग वॉक के दौरान छत से गिरने से एक व्यक्ति की जान चली गई। पहली घटना शहर थाना क्षेत्र के रेड़मा बारालोटा की है। यहां 45 वर्षीय विनोद राम की अपने घर की छत से गिरकर मौत हो गई। परिजनों के अनुसार गुरुवार सुबह विनोद राम छत पर टहल रहे थे तभी अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वे नीचे गिर पड़े। गंभीर रूप से घायल होने के बाद परिजन उन्हें तत्काल मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, दूसरी घटना लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के कुंदरी गांव में हुई। यहां 70 वर्षीय बुजुर्ग सोहराई यादव का शव एक तालाब से बरामद किया गया। सूचना मिलने पर लेस्लीगंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

खरकाइ नदी के चेक डैम में डूबे दो छात्र, मौत

सरायकेला(नबिटा ब्यूरो)। जिले के आरआईटी थाना क्षेत्र के आसंगी में खरकाई नदी पर बने चेक डैम में सेंट्रल पब्लिक स्कूल के नौवीं कक्षा के दो छात्रों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने स्थानीय युवकों के सहयोग से दोनों छात्रों के शव को बरामद कर लिया है। गोडविन और रौनक अपने माता-पिता का इकलौता संतान थे। रौनक के परिजन आदित्यपुर कॉलोनी रोड नंबर 11 में रहते हैं जबकि गोडविन के परिजन रोड नंबर 27 में निवास करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

युवक की पीट-पीटकर हत्या

गोड्डा (नबिटा ब्यूरो)। जिले के पथरगामा थाना क्षेत्र स्थित रामपुर में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह वारदात पुरानी रंजिश का परिणाम है। मृतक की पहचान नीरज कुमार के रूप में की गई है। नीरज हाल ही में बीएड की परीक्षा देकर ग्वालियर से अपने घर रामपुर लौटा था।

ट्रक मालिक को गोली लगी, गंभीर

चतरा (नबिटा ब्यूरो)। जिले के पिपरवार थाना क्षेत्र में गुरुवार को अज्ञात अपराधियों ने दिनदहाड़े अंधाधुंध फायरिंग की। अशोका परियोजना के पास हुई इस घटना में एक ट्रक मालिक बासुदेव गंझू को गोली लगी है जिससे उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स रेफर किया गया है। यह वारदात सुबह करीब 9 बजे अशोका परियोजना के 6 नंबर कांटा घर के पास हुई।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

जमशेदपुर(नबिटा ब्यूरो)। सीतारामडेरा थाना अंतर्गत भुइयांडीह गोलचक्कर के पास गुरुवार को हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। यह घटना अज्ञात बड़े वाहन द्वारा टक्कर मारे जाने के बाद हुई। मृतक की पहचान मानगो निवासी सुदीप रॉय के रूप में हुई है।

हथियार के साथ गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चतरा। जिले में पुलिस ने अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखी है। इसी क्रम में हंटरगंज थाना क्षेत्र में एक युवक को अपनी प्रेमिका से मिलने के दौरान अवैध हथियार और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। चतरा पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल को गुप्त सूचना मिली थी कि हंटरगंज के कोसमाही गांव में एक संदिग्ध व्यक्ति अवैध हथियार के साथ मौजूद है। बताया गया कि वह अपनी प्रेमिका से मिलने आया था। पुलिस टीम ने कोसमाही गांव में छापेमारी कर घेराबंदी की और कुंदा थाना क्षेत्र के लेवाड़ गांव निवासी गुड्डू कुमार उर्फ भविष्य को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से एक अवैध देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। इसके अतिरिक्त मौके से एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन और आरोपी की टाटा इंडिगो कार भी जब्त की गई। कोसमाही निवासी अरुण कुमार के लिखित आवेदन पर हंटरगंज थाना में आर्म्स एक्ट और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

शराब के नशे में बेटे ने पिता को कुल्हाड़ी से काटा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सिमडेगा। जिले के पाकरटांड़ थाना अंतर्गत केउन्दडीह बगीचाटोली गांव में बुधवार की रात रिश्तों के कत्ल की एक ऐसी दास्तां लिखी गई जिसने मानवता को शर्मसार कर दिया है। शराब के नशे में चूर एक बेटे ने मामूली विवाद के बाद अपने ही वृद्ध पिता की धारदार कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। इस जघन्य अपराध के बाद पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है और ग्रामीणों के बीच भारी आक्रोश देखा जा रहा है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए चंद घंटों के भीतर ही आरोपी को दबोच लिया है। मिली जानकारी के अनुसार 45 वर्षीय आरोपी विनोद केरकेट्टा अपने पिता पात्रिक केरकेट्टा (65) के साथ घर के भीतर बैठकर शराब पी रहा था। नशा जैसे-जैसे चढ़ता गया, दोनों के बीच किसी घरेलू बात को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते यह विवाद इतना हिंसक हो गया कि

विनोद अपना आपा खो बैठा और घर में रखी कुल्हाड़ी उठा लाया। उसने बिना सोचे-समझे अपने पिता के सिर और गर्दन पर एक के बाद एक कई प्रहार किए जिससे वृद्ध पात्रिक केरकेट्टा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वारदात की सूचना पाकर पाकरटांड़ थाना पुलिस तुरंत गांव पहुंची और खून से लथपथ शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। मृतक के परिजनों द्वारा दिए गए लिखित आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए पुलिस ने सघन छापेमारी शुरू की। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी विनोद केरकेट्टा को गिरफ्तार कर लिया। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है और उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त खून से सनी कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली गई है। इस घटना के बाद से गांव में गहरा मातम पसरा है। साथ ही यह लोगों में असुरक्षा का भाव भी पैदा कर दिया है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री और बढ़ती नशाखोरी के कारण ऐसी हिंसक घटनाएं आम होती जा रही हैं। उन्होंने पुलिस और प्रशासन से मांग की है कि शराब के अवैध अड्डों पर लगाम लगाई जाए ताकि भविष्य में किसी अन्य परिवार को ऐसे 'कलयुगी' अंत का सामना न करना पड़े। फिलहाल आरोपी जेल की सलाखों के पीछे है और पुलिस कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने में जुटी है।

गैस सिलेंडर की लंबित डिलीवरी को युद्धस्तर पर करें समाप्त : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में एलपीजी गैस की आपूर्ति में आ रही बाधाओं और बढ़ती पेंडेंसी को लेकर राज्य के खाद्य आपूर्ति मंत्री इरफान अंसारी ने बेहद सख्त रुख अख्तियार किया है। गुरुवार को विभागीय समीक्षा के दौरान उन्होंने गैस एजेंसियों की कार्यशैली पर गहरी नाराजगी जताते हुए निर्देश दिया कि लंबित डिलीवरी को युद्धस्तर पर समाप्त किया जाए। मंत्री ने विशेष रूप से रांची, जमशेदपुर और धनबाद जैसे बड़े शहरों में 15 से 20 दिनों की वेटिंग पर चिंता जताई और इसे उपभोक्ताओं के साथ अन्याय करार दिया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि आगामी 7 से 10 दिनों के भीतर पूरे प्रदेश में गैस वितरण की स्थिति को पूरी तरह सामान्य बनाया जाए। वर्तमान में वैवाहिक सीजन और धार्मिक अनुष्ठानों की अधिकता को देखते हुए मंत्री इरफान अंसारी ने विशेष दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे महत्वपूर्ण अवसरों पर परिवारों को गैस के लिए भटकना न पड़े, इसके लिए एजेंसियां प्राथमिकता के आधार पर सिलेंडर उपलब्ध

कराएं। आपूर्ति, मांग और वितरण के बीच के अंतर को कम करने के लिए जिला स्तर पर नियमित समीक्षा करने का भी आदेश दिया गया है। उन्होंने साफ किया कि वितरण प्रणाली में किसी भी प्रकार की शिथिलता पाए जाने पर संबंधित जिला आपूर्ति अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। मंत्री ने राज्य में एलपीजी सिलेंडरों की अवैध बिक्री और कालाबाजारी की खबरों पर कड़ा संज्ञान लिया है। उन्होंने एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि गैस सिलेंडरों की डिलीवरी केवल उपभोक्ताओं के घर के पते पर ही होनी चाहिए। यदि कहीं भी मुख्य सड़क या सार्वजनिक स्थलों पर अवैध तरीके से सिलेंडरों का वितरण होता पाया गया तो संबंधित एजेंसी का लाइसेंस रद्द करने के साथ-साथ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अनावश्यक भंडारण करने वाले बिचौलियों के खिलाफ भी छापेमारी के निर्देश दिए गए हैं। उपभोक्ताओं के मन में पनपे संशय को दूर करते हुए इरफान अंसारी ने स्पष्ट किया कि झारखंड में एलपीजी गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और कंपनी स्तर पर कोई कमी नहीं है। उन्होंने जनता से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और पैनिक बुकिंग से बचें। मंत्री ने अधिकारियों को 'रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम' को मजबूत करने का निर्देश दिया है ताकि हर जिले की दैनिक रिपोर्ट मुख्यालय तक पहुंच सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार हर नागरिक तक समय पर रसोई गैस पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

Reg No. JHENG/25/A4874

Another Launching from
NAVBIHAR TIMES GROUP

THE EASTERN VOICE

'English Daily Newspaper

Regional Newspaper in whole Bihar & Jharkhand

Email Id-theeasternv@gmail.com

Bihar Office:-Satyendra Nagar,Aurangabad (Bihar Jharkhand)
Office:-31-Co-operative Colony,Bokaro Steel City, Bokaro (Jharkhand)

Contact:- 6206165107, 7295863300

गजना महोत्सव के दूसरे दिन पेंटिग व रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग तथा जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में नबीनगर प्रखंड स्थित गजना धाम मंदिर परिसर में जिला स्तरीय पेंटिग एवं रंगोली प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। गजना महोत्सव के उद्घाटन के बाद प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। इस अवसर पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्वेता प्रियदर्शी, जिला नजारत उप समाहर्ता रितेश कुमार यादव एवं जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी कुमार पप्पू राज ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। वहीं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (प्रारंभिक शिक्षा एवं समग्र शिक्षा) अमृतेश आर्यन और सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी सर्वेश कुमार सिह ने कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर मंच प्रदान करते हैं। प्रतियोगिता में स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ स्वतंत्र प्रतिभागियों ने भी भाग लिया। प्रतिभागियों ने पेंटिग और रंगोली के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, नारी सशक्तिकरण, स्वच्छता, लोक संस्कृति और राष्ट्रीय एकता जैसे विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। रंग-बिरंगी कलाकृतियों से पूरा परिसर आकर्षण का केंद्र बना रहा। प्रतियोगिता का मूल्यांकन विशेषज्ञ निर्णायक मंडल द्वारा रचनात्मकता, विषय-वस्तु, तकनीकी दक्षता और सौंदर्यबोध के आधार पर किया गया। प्रतियोगिता को जूनियर (कक्षा 6-8) और सीनियर (कक्षा 9-12) दो वर्गों में आयोजित किया गया था, जिसमें पेंटिग का विषय 'बिहार में विकास के बढ़ते कदम' रखा गया था। परिणाम के अनुसार सीनियर पेंटिग में अनु कुमारी प्रथम, खुशी कुमारी द्वितीय और कुमकुम कुमारी तृतीय, सीनियर रंगोली में अनुग्रह कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रथम, जवाहर नवोदय विद्यालय बारून द्वितीय और प्रोजेक्ट कन्या इंटर विद्यालय बारून तृतीय, जूनियर पेंटिग में आदित्य कुमार प्रथम, अंकिता कुमारी द्वितीय और सौम्या विश्वकर्मा तृतीय, जूनियर रंगोली में बाल भारती पब्लिक स्कूल नवीनगर प्रथम, डीएवी पब्लिक स्कूल दानी बिगहा द्वितीय और उत्क्रमित मध्य विद्यालय भगली तृतीय रहा। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने बताया कि विजेताओं को गजना महोत्सव के मुख्य मंच से सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह का आयोजन युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने के साथ और कला-संस्कृति को बढ़ावा देता है। कार्यक्रम में जिला प्रशासन के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, शिक्षक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

दैनिक मांग के अनुरूप की जा रही है गैस डिलीवरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। विभिन्न गैस एजेंसियों के माध्यम से एलपीजी गैस आपूर्ति एवं वितरण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार जिले में गैस आपूर्ति सामान्य रूप से संचालित हो रही है। विभिन्न गैस एजेंसियों द्वारा औसत दैनिक मांग के अनुरूप गैस की डिलीवरी की जा रही है तथा लंबित बुकिंग का निष्पादन लगातार किया जा रहा है। जिले में कुल 37 गैस एजेंसियों के माध्यम से प्रतिदिन औसतन 6785 सिलेंडर की मांग के विरुद्ध लगभग 6676 सिलेंडर की डिलीवरी की जा रही है। साथ ही जिला में पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है। जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा द्वारा सभी गैस एजेंसियों को उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराने, लंबित बुकिंग का शीघ्र निष्पादन करने तथा वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। साथ ही कृत्रिम कमी उत्पन्न नहीं होने देने का भी निर्देश दिया गया है। संबंधित प्रखंडों के पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में गैस वितरण व्यवस्था की निगरानी करने तथा किसी भी समस्या की सूचना तत्काल जिला प्रशासन को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। 09 अप्रैल 2026 तक जिला में कुल 128 नए पीएनजी कनेक्शन लगाए जा चुके है। जिला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष संख्या 06186-295027 क्रियाशील है, जिस पर आमजन अपनी समस्या या शिकायत दर्ज करा सकते हैं। जिले के कुल 37 गैस एजेंसियों में से 06 संवेदनशील गैस एजेंसियों पर पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है।

औरंगाबाद के जवान राकेश कुमार का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसपुरा (औरंगाबाद)। औरंगाबाद जिले के हसपुरा प्रखंड अंतर्गत धमनी टोले शम्भो गांव निवासी 30 वर्षीय सीआरपीएफ जवान राकेश कुमार झारखंड के सारंडा जंगल में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान शहीद हो गए। बुधवार देर रात उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव पहुंचा, जहां अंतिम दर्शन के लिए हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। गांव सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर वीर सपूत को श्रद्धांजलि अर्पित की। गुरुवार सुबह चनहट पुनपुन नदी घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान 'वीर शहीद अमर रहे' और 'राकेश कुमार अमर रहे' के नारों से वातावरण गूंज उठा। सबसे भावुक क्षण तब आया, जब उनके 4 वर्षीय पुत्र हिमांशु और बेटियां प्रियंका (8) व रिया (6) ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। यह दृश्य देख हर किसी की आंखें नम हो गईं।

मौत को लेकर परिजनों ने उठाए सवाल

शहीद जवान की मौत को लेकर परिजनों ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पत्नी पिंकी देवी ने बताया कि प्रारंभिक सूचना में कहा गया कि आंधी-तूफान के दौरान पेड़ गिरने से राकेश घायल हुए थे और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। लेकिन परिजनों का दावा है कि शरीर पर पेड़ गिरने जैसे कोई स्पष्ट निशान नहीं हैं, जिससे घटना पर संदेह उत्पन्न हो रहा है। भाई विक्रम कुमार ने स्पष्ट कहा कि राकेश की मौत पेड़ गिरने से नहीं, बल्कि गोली लगने से हुई है। उन्होंने सिर पर मिले एक गहरे निशान का जिक्र करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। परिजनों का आरोप है कि घटना की सच्चाई छिपाने की कोशिश की जा रही है।

जनप्रतिनिधियों ने दी श्रद्धांजलि, जांच की उठी मांग

शहीद को श्रद्धांजलि देने गोह विधायक अमरेंद्र कुशवाहा सहित कई जनप्रतिनिधि पहुंचे। उन्होंने कहा कि देश ने एक बहादुर सपूत को खो दिया है और उनकी शहादत पर पूरे क्षेत्र को गर्व है। वहीं, पूर्व विधायक रणविजय सिंह ने भी दावा किया कि राकेश कुमार नक्सलियों की गोली के शिकार हुए हैं और मामले की सच्चाई सामने लाने की आवश्यकता है।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

राकेश कुमार चार भाइयों में सबसे बड़े थे। वर्ष 2012 में उन्होंने सीआरपीएफ ज्वाइन किया था और 2014 में उनकी शादी पिंकी देवी से हुई थी। उनके परिवार में पत्नी, तीन बेटियां और एक पुत्र हैं। उनके शहीद होने से बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया है और पूरे गांव में शोक की लहर है।

इंटर एवं मैट्रिक में बेहतर अंक प्राप्त करने वाले छात्र सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। इंटर विद्यालय ओबरा में मैट्रिक एवं इंटर के छात्र को बेहतर अंक लाने पर सम्मान समारोह आयोजित की गई। समारोह की अध्यक्षता प्रभारी प्रधानाध्यापक बिदेश्वरी कुमार सिह ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभारी प्रधानाध्यापक बिदेश्वरी कुमार सिह ने दीप प्रज्जवलित कर उदघाटन किया। इस मौके पर इंटर परीक्षा में चितरंजन कुमार को 87.6 प्रतिशत एवं मैट्रिक परीक्षा में अमित कुमार को 85.8 प्रतिशत लाने एवं निरंजन कुमार को इंटर परीक्षा में 72.8 प्रतिशत अंक लाने पर प्रभारी प्रधानाध्यापक बिदेश्वरी कुमार सिह, वरीय शिक्षक मनोज कुमार, शिक्षक बीर बहादुर सिह समेत अन्य शिक्षकों ने संयुक्त रूप से अंग वस्त्र मेडल एवं माला देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मेघावी छात्रों को विद्यालय परिवार ने उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रभारी प्रधानाध्यापक ने कहा कि सभी छात्र को इतना बेहतर अंक लाने पर विद्यालय का सम्मान बढ़ा है। उन्होंने छात्रों को उज्जवल भविष्य की कामना की। इसके साथ ही बेहतर शिक्षा को ले मार्गदर्शन दिया। प्रभारी प्रधानाध्यापक ने कहा कि बेहतर शिक्षा से समाज संवरता है जिसके लिए शिक्षा जरूरी है। कहा कि भविष्य से संवरने की सारी प्रक्रियाओं को सूक्ष्म तरीके से सभी छात्राओं के बीच साझा किया। आर्थिक सामाजिक शैक्षणिक स्तर से किसी तरह की असुविधा को बेहतर बनाने को भरोसा दिलाया। जरूरतमंद विद्यार्थियों की हर संभव मदद और उनके जीवन को संवारने के लिए कई महत्व की जानकारी दी।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए नित्या का चयन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। सब जूनियर एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए जिले के पिपरा निवासी वीरेंद्र पांडे की पुत्री नित्या पांडे का चयन हुआ। यह बिहार की पहली बॉक्सिंग खिलाड़ी है जिसका एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए चयन हुआ है। ट्रायल का आयोजन पटियाला के नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान में किया गया। खेलों इंडिया स्माल सेंटर औरंगाबाद के बॉक्सिंग कोच अखिल कुमार ने बताया कि नित्या ने अपने बॉक्सिंग करियर की शुरुआत खेल भवन सह व्यायाम शाला, गांधी मैदान में स्थित खेलो इंडिया स्माल सेंटर में शुरूआत किया। नित्या जिला राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिता में भी अपना बेहतर प्रदर्शन करके मेडल अपने नाम कर चुकी है। नित्या पांडे अंडर 15 बालिका वर्ग के 52 से 55 किलो वर्ग भार के बॉक्सिंग खिलाड़ी है। सब जूनियर एशियन चैंपियनशिप 2026 का आयोजन तांशकंद उज्बेकिस्तान में 1 मई से 16 मई 2026 के बीच चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया है कि नित्या अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से न केवल जिले बल्कि राज्य एवं देश का नाम गौरवान्वित करेंगी।

जनहित को लेकर प्रसाधन केन्द्र का जीर्णोद्धार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मदनपुर। प्रखंड क्षेत्र के संघत रोड स्थित प्रसाधन केन्द्र का जीर्णोद्धार के बाद आम नागरिकों को समर्पित कर दिया गया। पूर्व मुखिया सुरेन्द्र प्रसाद ने अपने निजी कोष से मूत्रालय व सुविधा प्रसाधन केन्द्र का जीर्णोद्धार किया जिसका उन्होंने फीता काट कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सुविधा प्रसाधन केन्द्र की आवश्यकता थी। साफ सफाई और देख रेख के अभाव में लाखों रूपये की लागत से निर्मित शौचालय व मूत्रालय क्षतिग्रस्त हो कर बेकार पड़ा हुआ था जिसे उन्होंने निजी कोष से जीर्णोद्धार का कार्य कराया गया है। प्रखंड मुख्यालय के मुख्य बाजार के साथ ही यहां सरकारी, गैर सरकारी अस्पताल और शैक्षणिक संस्थान है। हजारों लोगों का यहां आवागमन होता है। लेकिन शौचालय सुविधा नहीं रहने के कारण खासकर महिलाओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जनहित को देखते हुए यह कार्य किया गया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता उमा शंकर सिंह, घुरा सिंह, सरपंच रोहन शर्मा, भाजपा वरीय नेता विनय कुमार यादव, संजय शर्मा, राकेश सिंह, सुबोध सिंह, नारायण प्रसाद, कालु प्रसाद, संजू यादव, बसंत जयसवाल सहित अन्य लोग शामिल थे।

धूमधाम से मनाई जाएगी डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। जिले में बी. आर. अंबेडकर की जयंती इस वर्ष भव्य और व्यापक रूप से मनाने का निर्णय लिया गया है। भाजपा जिला जमुई द्वारा आयोजित एक बैठक में यह तय किया गया कि 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक जिले के सभी बूथ स्तरों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह बैठक महावीर वाटिका, जमुई में जिला अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद केसरी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष ने बताया कि कार्यक्रमों की शुरुआत 13 अप्रैल से होगी। इस दिन अंबेडकर चौक, जमुई स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा स्थल पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। कार्यकर्ता मिलकर प्रतिमा स्थल की साफ-सफाई करेंगे और शाम के समय दीपोत्सव का आयोजन कर वातावरण को श्रद्धामय बनाया जाएगा। अंबेडकर जयंती के मुख्य दिन 14 अप्रैल को जिला मुख्यालय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बाबा साहेब के विचारों और उनके योगदान पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी जाएगी। 15 अप्रैल से 17 अप्रैल के बीच जिले के महादलित बस्तियों और छात्रावासों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के वंचित वर्गों के बीच जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए प्रखंड स्तर पर टीमों का गठन किया गया है, जो अपने-अपने क्षेत्रों में आयोजन की जिम्मेदारी संभालेंगी। जिला नेतृत्व ने सभी कार्यकर्ताओं से सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया है। इस अवसर पर जिला महामंत्री नंदकिशोर सिंह, सोनेलाल पासवान, उपाध्यक्ष गोपाल कृष्ण, रंजीत सिंह, अनिल दीक्षित, साधना सिंह, अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष जयंत चौधरी, जिला कोषाध्यक्ष अजय पासवान, बिंदेश्वरी शाह, मंडल अध्यक्ष सुनीता सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रेल की चपेट में आने से वृद्धा गंभीर रूप से घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। गया-पंडित दीनदयाल उपाध्याय रेलखंड पर औरवां गांव के समीप एक दर्दनाक हादसे में लगभग 65 वर्षीया वृद्धा गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी के अनुसार अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने से उनका दाहिना पैर कट गया। घायल वृद्धा की पहचान गया जिले के आंती थाना क्षेत्र अंतर्गत खट्नही गांव निवासी रामजन्म यादव की पत्नी जसिया देवी (65 वर्ष) के रूप में की गई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों की सूचना पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और उन्हें तत्काल इलाज के लिए रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।

वंशावली-खतियान की जटिलता में उलझा नामांकन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसपुरा (औरंगाबाद)। प्रखंड क्षेत्र के डुमरा पंचायत अंतर्गत नरसन गांव की 14 वर्षीया छात्रा इशरत जहां, जिसने हाल ही में आठवीं कक्षा उत्तीर्ण की है और नौवीं में नामांकन की तैयारी कर रही है, इन दिनों सरकारी प्रक्रिया की जटिलताओं के कारण परेशानी झेल रही है। नामांकन के लिए आवश्यक जाति एवं आवासीय प्रमाण पत्र बनवाने के उद्देश्य से जब वह प्रखंड कार्यालय पहुंची, तो उससे वंशावली और खतियान जैसे दस्तावेज प्रस्तुत करने की मांग की गई। परिजनों के अनुसार, वंशावली तैयार कराना न केवल जटिल प्रक्रिया है, बल्कि इसमें समय और आर्थिक संसाधनों की भी भारी खपत होती है। वहीं, खतियान जैसे दस्तावेजों को जुटाना भी ग्रामीण परिवारों के लिए आसान नहीं है। इस वजह से प्रमाण पत्र बनवाने में हो रही देरी का सीधा असर छात्रा के नामांकन पर पड़ रहा है, जिससे उसका शैक्षणिक भविष्य अधर में लटक गया है। इस मामले को गंभीरता से उठाते हुए सरपंच प्रतिनिधि श्याम किशोर यादव ने हसपुरा के प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) एवं औरंगाबाद के जिला पदाधिकारी (डीएम) से प्रक्रिया को सरल एवं सुलभ बनाने की मांग की है। उन्होंने सुझाव दिया कि बच्चों के जाति एवं आवासीय प्रमाण पत्र माता-पिता के आधार कार्ड या अन्य उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर जारी किए जाएं, ताकि उन्हें वंशावली और खतियान के जटिल चक्र में न फंसना पड़े। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो कई बच्चों का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित हो सकता है। ऐसे में प्रशासन से अपेक्षा है कि इस गंभीर समस्या को प्राथमिकता देते हुए त्वरित एवं पारदर्शी व्यवस्था लागू की जाए, जिससे छात्रों का भविष्य सुरक्षित रह सके।

अधिक से अधिक मोटर दुर्घटना वादों के निष्पादन पर सचिव ने दिया जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। 9 मई को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव तान्या पटेल द्वारा सभी इन्शुरेंस कंपनी के पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं के साथ अपने प्रकोष्ठ में एक बैठक की गई जिसमें बीमा कंपनी के पदाधिकारियों के साथ-साथ इन्शुरेंस कंपनी से संबधित नेशनल बीमा कंपनी के प्रबन्धक ज्ञानेन्द्र कुमार एवं न्यू इंडिया इनश्योरेंस अजीत कुमार सहित अधिवक्ता रजनी बल्लभ प्रसाद सिन्हा, सत्य प्रकाश नारायण, अरूण कुमार तिवारी, अरविन्द सिंह एवं अन्य उपस्थित थे। उपस्थित पदाधिकारीयों ने लोक अदालत में बीमा से संबंधित वादों के निष्पादन कराने में पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। सचिव द्वारा उपस्थित सभी पदाधिकारियों को स्वयं से ही लक्ष्य निर्धारित करते हुए इसे क्रियान्वित करने के लिए कहा गया। आगामी 9 मई को आयोजित लोक अदालत मोटर दुर्घटना वाद के निष्पादन में पूर्ण सफल हो इसके लिए पूर्ण सहयोग करने का भरोसा बैठक में दिया गया। उनके द्वारा बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि जो वाद उक्त से संबधित है उन्हें मध्यस्थता राष्ट्र के लिए मुहिम के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए मध्यस्थता करवा कर निस्तारण करवायें। सचिव द्वारा बताया गया कि इस लोक अदालत के लिए समय बहुत कम है। जिसके कारण प्राधिकार हर संभव प्रयास कर रहा है कि अधिक से अधिक मामलों को लोक अदालत में निष्पादित कराया जा सके। इस कारण युद्धस्तर पर तैयारियां की जा रही है। आपके सहयोग से मोटर दुर्घटना वाद का निस्तारण लोक अदालत के माध्यम से होता है तो पीड़ित को आर्थिक सहयोग के साथ-साथ उनके जीवन को पुनः पटरी पर लाने में सहायक होगा। इसी विश्वास के साथ आपको लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्य करना है।

वीरता दिवस पर सैनिकों के शौर्य का सम्मान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। वीरता दिवस के अवसर पर जमुई में आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्र और समाज की सुरक्षा में सैनिकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, त्याग और बलिदान को याद करते हुए उन्हें राष्ट्र की असली ताकत बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गौरी शंकर पासवान ने कहा कि भारतीय सैनिक हिमालय की तरह अडिग प्रहरी हैं, जिनकी दृढ़ता और संकल्प पर पूरे राष्ट्र की सुरक्षा टिकी हुई है। उन्होंने कहा कि सीमा पर तैनात सैनिक और सुरक्षा कर्मी देश की ढाल हैं, जिनकी वीरता दुश्मनों के लिए वज्र के समान होती है। उन्होंने सैनिकों के शौर्य की तुलना सूर्य से करते हुए कहा कि उनका साहस हर दिन देश के गौरव को नई ऊर्जा प्रदान करता है। राष्ट्र रक्षा में उनका योगदान अनमोल है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। वक्ताओं ने 9 अप्रैल 1965 को गुजरात के कच्छ के रण में स्थित सरदार पोस्ट पर हुए ऐतिहासिक घटनाक्रम को याद किया, जब सीआरपीएफ की एक छोटी टुकड़ी ने पाकिस्तानी हमले को बहादुरी से नाकाम कर दिया था। इस दौरान भारतीय जवानों ने 34 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया और कई को बंदी बना लिया था। इसी अद्वितीय साहस के सम्मान में हर वर्ष 9 अप्रैल को वीरता दिवस मनाया जाता है। प्रो. पासवान ने कहा कि जो सैनिक देश के लिए जीता है, वही सच्चा वीर होता है। वीरों का सम्मान ही राष्ट्र का सम्मान है। उन्होंने कहा कि सैनिकों का बलिदान केवल इतिहास का हिस्सा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। जब तक देश में शौर्य और साहस की ज्योति जलती रहेगी, तब तक भारत अजेय बना रहेगा। इस मौके पर प्रगतिशील अनुसूचित जाति-जनजाति कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव सुभाष पासवान ने कहा कि वीरता दिवस सैनिकों की बहादुरी और त्याग का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सैनिकों के लिए सीमा केवल एक भौगोलिक रेखा नहीं, बल्कि राष्ट्र की अस्मिता होती है। उन्होंने यह भी कहा कि वीरता का अर्थ केवल युद्धभूमि में लड़ना नहीं, बल्कि हर परिस्थिति में अन्याय के खिलाफ खड़े होने का साहस रखना है। सुभाष पासवान ने सैनिकों की तुलना एक विशाल बटवृक्ष से करते हुए कहा कि वे हर तूफान और विपरीत परिस्थितियों को सहकर भी देश को सुरक्षित रखते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की रक्षा केवल हथियारों से नहीं, बल्कि सैनिकों की हिम्मत, त्याग, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति से संभव होती है। कार्यक्रम के अंत में वक्ताओं ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे भारतीय सैनिकों और सुरक्षा बलों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करें।

मारपीट व हत्या के प्रयास मामले में दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। मारपीट व हत्या का प्रयास मामले में फरार दो अभियुक्तों को देवकुंड पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए अभियुक्तों की पहचान थाना क्षेत्र के गोविद बिगहा निवासी कामत साह एवं मुझफ़र साह के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि मारपीट व हत्या का प्रयास मामले में दोनों के खिलाफ 25 मार्च को प्राथमिकी दर्ज की गई थी जिसमें ये दोनों फरार थे। बुधवार की रात छापेमारी में दोनों पकड़े गए। आवश्यक कार्रवाई के उपरांत दोनों को जेल भेज दिया गया।

चोरी के आरोप में धराया युवक गया जेल

औरंगाबाद। हसपुरा पुलिस ने चोरी के एक आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान थाना क्षेत्र के जयमाल बिगहा निवासी आदित्य सुमन के रूप में की गई है। दरअसल, पिछले महीने एक फार्म में चोरी की घटना घटित हुई थीं जिसमें चोरी की सामग्रियां बरामद कर एक अभियुक्त को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है जबकि यह मामले में फरार चल रहा था। इसी क्रम में बुधवार की रात घर से पकड़ा गया। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि चोरी के कांड में फरार एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। आवश्यक कार्रवाई के उपरांत अभियुक्त को जेल भेज दिया गया।

आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसपुरा। थानाक्षेत्र के जमालविगहा गांव निवासी आदित्य सुमन को मुर्गी दाना बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया है। जिसे न्यायिक हिरासत में कोर्ट में समर्पित कर जेल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि आदित्य सुमन जमालविगहा में मुर्गा फार्म खोल रखा था। कंपनी की ओर से मुर्गी दाना फार्म को सप्लाई किया जाता है। मुर्गी दाना बेचने का मामला हसपुरा थाना में दर्ज है। थानाध्यक्ष ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज के बाद पुलिस आरोपित को तलाश रही थी। उन्होंने बताया कि कागजी प्रक्रिया पूरी करते हुए जेल भेज दिया गया।

बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार भी दें : सांसद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। शहर के इमादपुर स्थित निजी होटल में स्टार डिजिटल क्लासेस द्वारा मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों सांसद अभय कुशवाहा, पूर्व विधायक अशोक कुमार, राजद विधायक प्रत्याशी डॉ. गुलाम शाहिद सहित अन्य गणमान्य लोगों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित एवं फीता काटकर किया। समारोह में अतिथियों का अंगवस्त्र एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो. डॉ. संजय सिंह यादव, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ. संजय यादव, जिला परिषद सदस्य संकर यदबिन्दु, राजद जिला प्रवक्ता उज्जवल यादव, राजद नेता उमेश यादव, चंदन कुमार, चेयरमैन ओम प्रकाश कुमार भारती उर्फ गुड्डु यादव, पूर्व उप चेयरमैन हरेन्द्र कुमार, डॉ. योगेंद्र यादव, पूर्व जदयू प्रखंड अध्यक्ष सुनील कुमार वर्मा, कौशल चंद्रवंशी, डॉ. विकास कुमार, डॉ. तुलसी यादव, राजीव सिंह, वार्ड पार्षद राजेश गुप्ता, शिक्षक रंजीत यादव, रोबिन यादव, सोनू यादव, सिकंदर यादव एवं महफूज आलम सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मैट्रिक परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इनमें काजल कुमार (451), प्रवीण कुमार (444), सुमंत कुमार (431), रौशन कुमार (417), अनुराग कुमार (408), नीतीश कुमार (407) एवं कुश कुमार (400) शामिल हैं। संस्था के डायरेक्टर गणेश कुमार द्वारा सभी मेधावी छात्रों को 5000 रुपये नकद पुरस्कार प्रदान किया गया, वहीं प्रो. डॉ. संजय सिंह यादव द्वारा छात्रों को रेंजर साइकिल देकर सम्मानित किया गया। सांसद अभय कुशवाहा ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा देना बेहद जरूरी है, क्योंकि वही देश का भविष्य हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार भी दें और संस्था को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। डॉ. गुलाम शाहिद ने कहा कि क्षेत्र के सभी शिक्षण संस्थान मिलकर छात्रों को उच्च प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे आईएएस एवं आईपीएस की तैयारी के लिए प्रेरित करें।

बड़कागांव जेवर दुकान में लूट का खुलासा, सात गिरफ्तार

नवीन सिन्हा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। हजारीबाग पुलिस ने बड़कागांव क्षेत्र में हुई ज्वेलरी दुकान लूटकांड का सफल उद्भेदन करते हुए सात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के पास से हथियार, जिंदा गोलियां, मोबाइल और अपाची मोटरसाइकिल बरामद की है। गुप्त सूचना के आधार पर टीपी-पांच के पास छापेमारी कर तीन संदिग्धों को मौके से पकड़ा गया। पूछताछ में उन्होंने नंदनी ज्वेलर्स लूटकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। जांच में सामने आया कि इस घटना की साजिश पहले से रची गई थी और रेकी कर लूट को अंजाम दिया गया था। लूटे गए जेवरों को पिघलाकर दूसरे राज्यों में बेचने की बात भी सामने आई है। इस मामले में पुलिस ने सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जिनमें लूट की योजना बनाने वाले, घटना को अंजाम देने वाले और मोटरसाइकिल उपलब्ध कराने वाला शामिल है।

गिरफ्तार अपराधियों के नामः विनोद कुमार भुईयाँ, प्रिंस यादव, तेजु कुमार भोक्ता, साकिन्दर कुमार गंझु, रामधनी ठठेरा, संदीप कुमार सोनी और विशाल शांताराम।

छापामारी दल में शामिल पुलिस अधिकारीः
पवन कुमार (अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बड़कागांव), दीपक कुमार (थाना प्रभारी), राकेश खावास, आशिष कुमार भगत, छोटु उरांव तथा बड़कागांव थाना के सशस्त्र बल। पुलिस की इस कार्रवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लोगों में विश्वास बढ़ा है।

ज्वेलर्स दुकान में लाखों की चोरी

मेदिनीनगर (पलामू)। झारखंड के पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र के मुख्य बाजार में स्थित घनश्याम ज्वेलर्स में बुधवार देर रात अज्ञात चोरों ने बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरों ने दुकान के पीछे के गेट से सेंधमारी कर अंदर प्रवेश किया और लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण पर हाथ साफ कर दिया। इस घटना के बाद पूरे बाजार में दहशत का माहौल बन गया है। जानकारी के अनुसार, चोरों ने दुकान में रखे कीमती आभूषणों को निशाना बनाया। सोने और चांदी के गहनों की चोरी से दुकानदार को भारी नुकसान हुआ है। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, चोरी की रकम लाखों में बताई जा रही है। हालांकि, सटीक आंकलन दुकान मालिक द्वारा सूची तैयार करने के बाद ही हो पाएगा। इस घटना की खास बात यह रही कि चोर पूरी तैयारी के साथ आए थे। उन्होंने न केवल गहनों की चोरी की, बल्कि दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी अपने साथ ले गए। इससे साफ जाहिर होता है कि चोर सबूत मिटाने और पहचान छिपाने की मंशा से इस वारदात को अंजाम दे रहे थे। इससे पुलिस के लिए जांच और चुनौतीपूर्ण हो गई है। इस घटना की सूचना मिलते ही पांकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने डॉग स्क्वायड की भी मदद ली है, ताकि चोरों के सुराग तक पहुंचा जा सके। खोजी कुत्तों के जरिए आसपास के इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों की तलाश की जा रही है। पुलिस आसपास लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

विशेष चेकिंग अभियान में 43 लोग पकड़े गए

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर, पलामू। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीराम शर्मा के निर्देश पर बुधवार को रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी प्रज्ञेष निगम के नेतृत्व में डालटनगंज स्टेशन पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान शक्तिपुंज एक्सप्रेस तथा रांची–चोपन एक्सप्रेस के यात्रियों के साथ-साथ प्लेटफॉर्म एवं प्रतीक्षालयों की सघन जांच की गई। चेकिंग के क्रम में विभिन्न अनियमितताओं के आरोप में कुल 43 व्यक्तियों को पकड़ा गया। सभी से विधि अनुसार जुर्माना वसूला गया।

रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा के दौरान नियमों का पालन करें तथा वैध टिकट के साथ ही यात्रा करें। बताया गया कि यह अभियान राष्ट्रीय लोक अदालत के अंतर्गत चलाया जा रहा है, जिसका आयोजन 9 मई को रेलवे न्यायालय में किया जाएगा। इस अवसर पर आमजन अपने रेलवे संबंधी मामलों का

निस्तारण प्ली बार्गेनिंग अथवा प्लीड गिल्टी के माध्यम से रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी की पीठ के समक्ष करा सकते हैं। अभियान में रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी प्रज्ञेष निगम के अलावा रेलवे सुरक्षा बल एवं जीआरपी के जवान भी शामिल रहे।

पुस्तक मेला का शुभारंभः "किताबें मनुष्य की सबसे अच्छी मित्र" : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला उपायुक्त रामनिवास यादव ने विवाह भवन परिसर में आयोजित पुस्तक मेले का विधिवत शुभारंभ किया। दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि किताबें मनुष्य की सबसे अच्छी मित्र होती हैं, जो न केवल ज्ञान देती हैं बल्कि जीवन को सही दिशा भी दिखाती हैं यह पुस्तक मेला 9 अप्रैल से 12 अप्रैल 2026 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावक एवं स्थानीय नागरिक शामिल हो रहे हैं। उपायुक्त ने मेले में लगे विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया और शैक्षणिक, साहित्यिक, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा प्रेरणादायक पुस्तकों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों और युवाओं को अच्छी किताबों तक पहुंच प्रदान करते हैं और पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए मोबाइल और सोशल मीडिया के सीमित उपयोग पर जोर दिया और अधिक समय पढ़ाई व पुस्तकों के अध्ययन में लगाने की सलाह दी। उनके अनुसार,

नियमित पढ़ाई से मानसिक विकास तेज होता है और जीवन में बड़े लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलती है अभिभावकों से अपील उपायुक्त ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को मोबाइल की बजाय किताबों की ओर प्रेरित करें और घर में सकारात्मक अध्ययन वातावरण तैयार करें। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यम आवश्यक हैं, लेकिन उनका अधिक उपयोग बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा दोनों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर उन्होंने बताया कि यह पुस्तक मेला विद्यार्थियों के लिए एक बेहतरीन अवसर है, जहां वे अपनी रुचि के अनुसार किताबें चुनकर ज्ञान अर्जित कर सकते हैं। रोजाना पढ़ने की आदत आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच को मजबूत करती है आयोजन समिति की सराहना उपायुक्त ने आयोजन समिति की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में ज्ञान, संस्कार और जागरूकता को बढ़ाते हैं। उन्होंने शिक्षकों से भी स्कूलों में पुस्तक पढ़ने की आदत विकसित कराने और पुस्तकालयों के अधिक उपयोग पर जोर देने का आग्रह किया जनसामान्य से अपील उपायुक्त ने सभी लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पुस्तक मेले में भाग लेने और अपने बच्चों को भी इसमें शामिल करने की अपील की।

एक नजर

छत से गिरकर 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत

मेदिनीनगर,पलामू। स्थानीय शहर थाना क्षेत्र के रेड़मा बारालोटा निवासी 45 वर्षीय विनोद राम की छत से गिरने के कारण मौत हो गई। घटना गुरुवार सुबह की बताई जा रही है। परिजनों के अनुसार विनोद राम सुबह अपने घर की छत पर टहल रहे थे। इसी दौरान अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वे छत से नीचे गिर पड़े, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद परिजन आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस दुखद घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और इलाके में शोक का माहौल व्याप्त है।

नगर अध्यक्ष ने किया डिजनीलैंड मेला का उद्घाटन

मेदिनीनगर,पलामू। पलामू जिले के हुसैनाबाद शहर के जपला-छतरपुर मुख्य मार्ग के खादी भंडार के समीप व्हाइट हाउस डिज्नीलैंड मेले का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर अध्यक्ष अजय भारती, बसपा के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी शेर अली,भाजपा नेता प्रेमतोष कुमार सिंह,मधुलता रानी आदि ने फीता काटकर मेले का उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात उपस्थित लोंगो को संबोधित करते हुए नगर अध्यक्ष श्री भारती ने कहा की मुझे बेहद प्रसन्नता हो रही है कि हमारे शहर में इस भव्य डिज्नीलैंड मेले का आयोजन किया गया है। भागदौड़ भरी इस जिंदगी में मनोरंजन के ऐसे अवसर बहुत जरूरी हैं, जो परिवार को एक सूत्र में पिरोते हैं।यह मेला केवल झूलों और दुकानों का समूह नहीं है, बल्कि यह हमारी सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मेलजोल का प्रतीक है। मैं आयोजकों को विशेष रूप से बधाई देता हूँ कि उन्होंने छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के लिए मनोरंजन के बेहतरीन साधन उपलब्ध कराए हैं। साथ ही उन्होंने लोगों अपील किया कि मेले का आनंद लेते समय स्वच्छता का ध्यान रखें और सुरक्षा नियमों का पालन करें। हमारा प्रयास है कि हमारा शहर हर क्षेत्र में प्रगति करे और ऐसे आयोजन यहां की रौनक को और बढ़ाते रहें।

एचपीवी वैक्सीन को लेकर जागरूकता अभियान आयोजित

मेदिनीनगर,पलामू। पलामू जिला के हुसैनाबाद क्षेत्र अंतर्गत विद्यालय में अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद के उपाधीक्षक द्वारा एचपीवी वैक्सीन को लेकर एक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान छात्राओं एवं अभिभावकों को वैक्सीन के महत्व के बारे में वि स्तार से जानकारी दी गई। उपाधीक्षक एस के रवि ने बताया कि एचपीवी वैक्सीन 14 वर्ष तक की सभी बच्चियों को सरकारी अस्पताल में निशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है और इसके सेवन से भविष्य में होने वाले गर्भाशय कैंसर से प्रभावी रूप से बचाव संभव है। उन्होंने यह भी बताया कि वैक्सीन लेने के लिए बच्चियों के माता-पिता की सहमति आवश्यक है। साथ ही, पहचान के लिए आधार कार्ड या जन्म प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।कार्यक्रम के दौरान डॉ. राकेश रंजन, आचार्य कुश जी पांडेय, राज कुमार सिंह, दीपक कुमार पांडेय, रणजीत कुमार मिश्रा, अभिषेक कुमार पाठक, बिभूति कुमार गुप्ता बीपीएम, प्रेम मणि सुधांशु प्रखंड लेखा प्रबंधक, सेलिना मिंज, अनुप्रिया मिंज एवं रेखा रानी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पेयजल संकट समाधान को लेकर बनी कार्ययोजना

बरही (हजारीबाग)। प्रखंड क्षेत्र में संभावित जल संकट को देखते हुए गुरुवार को प्रखंड सह अंचल सभागार में 'नीर चौपाल' का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी जोहन टुडू ने व संचालन बीडीओ जयपाल महतो ने किया। कार्यक्रम उपायुक्त के निर्देश पर आयोजित हुआ, जिसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, जलसहियाओं एवं प्रबुद्धजनों ने भाग लिया। बैठक में विभिन्न पंचायतों में पेयजल संकट, खराब चापानलों की मरम्मत, जलमीनारों की स्थिति एवं जलापूर्ति व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा हुई। कुंडवा, दौड़वा, रालो, केवाल, कटीयान और देवचंदा समेत कई गांवों में गंभीर जल समस्या सामने आई। कुछ स्थानों पर जलमीनार के सोलर प्लेट क्षतिग्रस्त होने और चापानलों के खराब होने की बात भी सामने आई। एसडीओ ने "नीर वीर" व्हाट्सएप चैटबॉट की जानकारी देते हुए बताया कि 8757864361 नंबर पर व्हाट्सएप संदेश भेजकर तथा 8076635024 पर कॉल कर लोग अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं, जिस पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित होगी। बीडीओ ने इस व्यवस्था के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया। मुखियाओं व जलसहियों को निर्देश दिया कि 24 घंटे के भीतर अपने क्षेत्रों का भ्रमण कर खराब चापानलों व जलमीनारों की सूची तैयार कर रिपोर्ट दें। साथ ही तालाब, जलाशय एवं पशुओं के लिए जल उपलब्धता की अद्यतन जानकारी देने को कहा गया तथा जलमीनार के दुरुपयोग पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, प्रखंड प्रमुख मनोज रजक, उप प्रमुख देवलाल कुशवाहा, जिप सदस्या प्रीति गुप्ता,विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, मुखिया राजेंद्र प्रसाद, गणेश यादव, पूर्व मुखिया हरेंद्र गोप सहित कई जनप्रतिनिधि व प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। अंत में पेयजल समस्याओं के त्वरित समाधान एवं जनसहभागिता बढ़ाने की अपील के साथ बैठक समाप्त हुई।

खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, कई दुकानों पर छापा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. राजा कुमार द्वारा बड़ा चौक एवं तिरंगा चौक क्षेत्र में औचक निरीक्षण अभियान चलाया गया। इस दौरान मिठाई, मसाला एवं किराना दुकानों की सघन जांच की गई निरीक्षण में सामने आए प्रमुख मामले मनोज जैन मसाला दुकान बिना फूड लाइसेंस के कारोबार करने पर 5000 का जुर्माना लगाया गया। साथ ही 7 दिनों के भीतर लाइसेंस बनवाने एवं साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। अजय जैन मसाला दुकान दुकान में सुधार हेतु नोटिस जारी किया गया। साथ ही मिसब्रांडेड सामान न बेचने और खाद्य प्रतिष्ठान में सुधार करने का आदेश दिया गया रिषभ सर्वांगी संपूर्णा टी बिना वैध फूड लाइसेंस एवं गलत लेबलिंग के साथ चायपत्ती बेचने पर नोटिस दिया गया। गोदाम से 150 किलो चायपत्ती जब्त की गई और सही लाइसेंस एवं लेबलिंग के साथ बिक्री करने का निर्देश दिया गया शंकर लाल लहरी लहरी फ्लावर मिल फूड लाइसेंस नहीं होने पर नोटिस दिया गया। निरीक्षण के

दौरान मिलावटी हल्दी पाई गई, जिसमें रासायनिक जांच में चंपई रंग एवं पिसा चावल मिला। मौके पर ही 15 किलो हल्दी नष्ट कर दी गई और दुकानदार को कड़ी चेतावनी दी गई। गुड्डू साव एवं राहुल अग्रवाल किराना दुकान बिना फूड लाइसेंस के दुकान संचालन पर 7 दिनों के अंदर लाइसेंस बनवाने का नोटिस जारी किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने सभी दुकानदारों को साफ सफाई, सही पैकेजिंग, वैध लाइसेंस और एक्सपायरी डेट के साथ खाद्य सामग्री बेचने के निर्देश दिए। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर आगे और कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

एनएसयूआई राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर आयुष सिन्हा ने राहुल गांधी से की मुलाकात

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गुरुवार को नई दिल्ली में एनएसयूआई के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर आयुष सिन्हा ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी से शिष्टाचार मुलाकात की इस दौरान आयुष सिन्हा ने झारखंड से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों को विस्तारपूर्वक उनके समक्ष रखा।मुलाकात में विशेष रूप से राज्य में शिक्षा, युवाओं के रोजगार तथा संगठनात्मक सशक्तिकरण जैसे विषयों पर चर्चा हुई राहुल गांधी ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि झारखंड के विकास एवं युवाओं के हितों के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंग सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई इस भेंट के दौरान आयुष सिन्हा ने राहुल गांधी

को अपने विवाह समारोह में शामिल होने हेतु औपचारिक निमंत्रण भी दिया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार करते हुए अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित कीं यह मुलाकात न केवल संगठनात्मक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रही, बल्कि झारखंड के युवाओं की आवाज़ को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से रखने की दिशा में एक सकारात्मक पहल भी साबित हुई।

नाबार्ड की सीजीएम दीपमाला घोष का गिरिडीह दौरा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। आजीविका एवं सहकारी सशक्तिकरण कार्यों की समीक्षा राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), झारखंड क्षेत्रीय कार्यालय की मुख्य महाप्रबंधक सीजीएम दीपमाला घोष ने गिरिडीह जिले का दौरा कर गांडेय, बिरनी एवं जमुआ प्रखंडों में संचालित विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों की समीक्षा की गांडेय प्रखंड का दौरा महेशमुंडा गांडेय में आयोजित एलईडीपी लाइवलिहुड एंड इंटरप्राइजेज डेवलपमेंट प्रोग्राम अंतर्गत कालीन बुनाई प्रशिक्षण कार्यक्रम

के समापन सत्र में उन्होंने भाग लिया। इस अवसर पर एचडीएफसी बैंक द्वारा चयनित प्रशिक्षुओं को ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए उन्होंने लाभार्थियों से संवाद करते हुए उत्पादन, मूल्य संवर्धन एवं विपणन के समन्वित मॉडल को अपनाने पर बल दिया बिरनी एवं जमुआ प्रखंड का दौरा घोष ने पेशम एवं केंदुआ ग्राम पंचायतों में नाबार्ड समर्थित ग्रामीण हाट का निरीक्षण किया। उन्होंने हाट की संरचना एवं सामुदायिक भागीदारी की सराहना करते हुए इसके दीर्घकालिक संचालन हेतु रखरखाव निधि मेंटेनेंस फण्ड के सृजन एवं पारदर्शी प्रबंधन की आवश्यकता पर बल दिया चुंगलो एमपीसीएस, जमुआ का दौरा जमुआ स्थित चुंगलो बहुउद्देश्यीय सहकारी समिति एमपीसीएस में उन्होंने निदेशक मंडल एवं सदस्यों के साथ बैठक की। उन्होंने समिति को शीघ्र कंप्यूटरीकरण कर ई-पीएसीएस (एपैक्स) में रूपांतरण हेतु प्रेरित किया, जिससे विभिन्न भारत सरकार एवं नाबार्ड योजनाओं का लाभ लिया जा सके यह पीएसीएस नाबार्ड के सहकारी विकास कोष सीडी एफ मोबाइल वैन पहल तथा भारत सरकार की डब्लूएल जीएसपी योजना के अंतर्गत चयनित है। इस दौरे में नाबार्ड गिरिडीह के डीडीएम आशुतोष प्रकाश एवं सहायक प्रबंधक निखिल गोतेफोडे की सक्रिय भागीदारी रही यह दौरा ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण, सहकारी सुधार एवं सतत विकास के प्रति नाबार्ड की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

रामनवमी हिंसा, नशा और गैस किल्लत पर उठाए गंभीर सवाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। हजारीबाग में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान वरिष्ठ नेता यशवंत सिन्हा ने क्षेत्र से जुड़े कई ज्वलंत और गंभीर मुद्दों पर विस्तार से अपनी बात रखी। रामनवमी के बदलते स्वरूप पर उन्होंने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह पर्व अपनी मूल भावना से भटकता जा रहा है। इस वर्ष जुलूस के दौरान हुई घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि कुल 1032 लोग घायल हुए, जिनमें से चार को गंभीर स्थिति में राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स), रांची अस्पताल भेजा गया, जबकि पांच लोगों की हत्या हुई। जुलूसों में हथियारों के प्रदर्शन को लेकर उन्होंने कहा कि लाठी के अलावा तलवार, भाला, फरसा जैसे हथियारों पर सख्त प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से इस दिशा में तत्काल कार्रवाई की मांग की। डीजे के बढ़ते उपयोग पर उन्होंने कहा कि तेज और अनियंत्रित साउंड विवाद और तनाव का कारण बनता है, इसलिए साउंड लिमिट तय की जानी चाहिए। नशे के बढ़ते प्रचलन पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि युवा वर्ग तेजी से इसकी चपेट में आ रहा है। अवैध अफीम की खेती पर उन्होंने कहा कि केवल बुलडोजर चलाने से समस्या खत्म नहीं होगी, बल्कि इसे पूरी तरह नष्ट करना जरूरी है।

अंचल पदाधिकारी के आश्वासन के बाद अनिश्चितकालीन धरना समाप्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र के पतरा खुर्द के खड़ारपर गांव के ग्रामीणों ने बुधवार को अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर अनुमंडल कार्यालय परिसर में अनिश्चितकालीन धरना कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंदीप राम ने कि व संचालन मोती राम ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉक्टर भीम राव अंबेडकर के तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण कर किया। धरना कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल बसपा के पूर्व विधान सभा प्रत्याशी शेर अली ने कहा की बीते साल 2025 के अप्रैल में खड़ारपर गांव में ग्रामीणों ने भूमि पर स्थापित डॉक्टर भीम राव अंबेडकर की मूर्ति को गांव के कुछ लोगों ने मूर्ति की चोरी कर ली थी, लेकिन प्राथमिकी दर्ज होने के लगभग एक साल बीत जाने के बाद भी प्रशासन द्वारा कोई साकारात्मक पहल नहीं किये जाने की बात धरना कार्यक्रम के दौरान कही गई,न ही इस मामले के आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। बाबा साहेब के साथ ऐसी घिनौनी हरकत को बहुजन समाज के लोग कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। मौके पर नगर पंचायत के अध्यक्ष अजय भारती ने धरना कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा की अगर प्रशासन इस मामले अगर शीघ्र भूमि आवंटित नहीं कराती है तो यह अनिश्चितकालीन धरना कार्यक्रम एक जन आंदोलन के रूप में तब्दील हो जाएगी। कार्यक्रम में लोगों की मुख्य मांगेः संढा हल्का नंबर 9 आम गैरमज़रुआ भूमि खाता नंबर 130 प्लॉट नंबर 703,704,705,706 भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया जाए। अंचलाधिकारी द्वारा पलामू डीडीसी दके पास चेक स्लीप जो निर्गत किया गया है उसी चेक स्लिप के अनुसार जमीन का सीमांकन किया जाए, उसी चेक स्लिप के अनुसार सामुदायिक भवन का निर्माण और बाबा साहेब की प्रतिमा स्थापित किया जाए समेत पांच मांग शामिल है।

जयनारायण कुशवाहा व सर्वेश सिंह बने जिला महामंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू की सहमति से भाजपा हजारीबाग जिला के नए पदाधिकारियों की घोषणा कर दी गई है। जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार जयनारायण प्रसाद कुशवाहा एवं सर्वेश सिंह को जिला महामंत्री बनाया गया है। वहीं, रेणुका साहू और कुणाल किशोर को जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी नेतृत्व ने सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को संगठन को और मजबूत करने तथा कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बनाकर जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया है। नए पदाधिकारियों की नियुक्ति से कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और

उम्मीद जताई जा रही है कि संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी।

सार्वजनिक विज्ञप्ति

दक्षिण पूर्व रेलवे के नीचे उल्लेखित अनुभाग के अंतर्गत सम्पूर्ण हो चुके अनुभाग में स्थित रेलवे लाइनों तथा परिसरों के सभी प्रयोगकर्ताओं को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि अनुभाग के समक्ष वर्णित निर्दिष्ट तारीख को अथवा उसके उपरांत 25000 वोल्ट्स, 50 एचजेड., एसी ओवरहेड ट्रैक्शन तारों में विद्युत प्रवाहित कर दिया जाएगा। संबंधित तारीख को तथा से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को सब समय के लिए विद्युत प्रवाहित माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति कथित ओवरहेड लाइन के निकट न जाएं और न ही उसके करीब कार्य करें।

अनुभाग	किमी/चेनेज		ऊर्जितकरण की तारीख
	से	तक	
नव निर्मित बोकारो स्टील सिटी/एसएसपी	किमी 407/2. (सीएचः 407/009)	किमी 407/4. (सीएचः 407/067.50)	30.04.2026
फीडर लाइन	किमी 407/1. (सीएचः 407/9.00)	किमी 406/25 (सीएचः 406/544.85)	30.04.2026

(PR-27) मंडल विद्युत अभियंता (निर्माण), खड़गपुर

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

पूर्व मध्य रेल

विविध वैद्युतिक कार्य हेतु ई–निविदा सूचना
विद्युत/क०वि० विभाग के लिये
खुली निविदायें

मंडल रेल प्रबंधक /विद्युत/पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:

ई–निविदा संख्या–TRD-OT-01-TR-GCCIC-26-27

क्र० सं. 01. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : Dhanbad division-TTR-205 sets (TWS+CMSC-100 sets, TWS-33 sets, DS-22 sets, CS+CMSC-50 sets), कार्य समापन की अवधि–(12) बारह माह, **02. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि** : रूपया 1,04,83,889.53/– निविदा प्रपत्र का मूल्य– शून्य/–, **03. बीड सिक्युरिटि** : रूपया 2,09,700/–, **04. ई–निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय:** ई–निविदा बंद होने की तिथि: 29.04.2026 को 11:00 बजे, ई–निविदा खुलने की तिथि: 29.04.2026 को 11:30 बजे, **05. वेबसाइट का विवरण:** वेबसाइट: **www.ireps.gov.in**

ई–निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नही किए जायेंगे।

मंडल रेल प्रबंधक /क०वि०
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/0037/डीएचएन/टीआरडी/टी/26–27/36

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई–बीएलसीके–पैनल–यूएफएसबीआई–26, दिनांक: 08.04.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा–711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा सं.: एसडीएसटीई–बीएलसीके–पैनल–यूएफएसबीआई–26 के तहत खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** बीएलसीके पैनल और यूएफएसबीआई के बीच डायरेक्ट केबलों का प्रावधान और ईएक्सटी क्यूडी टर्मिनेशन बॉक्स से ओएफसी रूम तक प्रावधान। **बोली प्रणाली:** एकल पैकेट। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 5,19,04,306.79, **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति:** रु. 10,38,100/–, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु.0.00, **समापन अवधि:** 12 माह। **प्रस्ताव की वैधता :** 60 दिन। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** 16.04.2026, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** 30.04.2026 को 15.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

HWH-17/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

डीएम ने की पाण्डुलिपियों के संरक्षण व डिजिटाइजेशन की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। "ज्ञान भारतम् मिशन" के अंतर्गत पाण्डुलिपियों के संरक्षण एवं डिजिटाइजेशन को लेकर जिलाधिकारी कुंदन कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा हमारी अमूल्य धरोहर है, जो कागज, भोजपत्र, ताड़पत्र एवं वस्त्रों पर हस्तलिखित पाण्डुलिपियों के रूप में संरक्षित है। इन पाण्डुलिपियों का वैज्ञानिक संरक्षण एवं डिजिटाइजेशन कर उन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 में "ज्ञान भारतम् मिशन" की शुरुआत की गई है, जिसके तहत देशभर में उपलब्ध पाण्डुलिपियों का संरक्षण, डिजिटाइजेशन एवं अभिलेखीकरण किया जा रहा है, ताकि यह ज्ञान शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों के लिए सुलभ हो सके।

इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए जिला स्तर पर एक समिति का गठन किया गया है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थानों, मठ-मंदिरों, शैक्षणिक संस्थानों, सार्वजनिक पुस्तकालयों तथा निजी व्यक्तियों के पास उपलब्ध पाण्डुलिपियों की पहचान, सूचीकरण एवं डिजिटाइजेशन कार्य को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से पूरा करें। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत पाण्डुलिपियों को "ज्ञान भारतम् पोर्टल" पर अपलोड किया जाएगा, जिससे यह धरोहर वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रह सकेगी। यह पहल "विकसित भारत @2047" के लक्ष्य के अनुरूप डिजिटल इंडिया की अवधारणा को भी सशक्त बनाएगी। जिलाधिकारी ने यह भी जानकारी दी कि कोई भी व्यक्ति "ज्ञान भारतम्" ऐप या पोर्टल के माध्यम से अपनी पाण्डुलिपि स्वयं अपलोड कर सकता है। अधिक जानकारी एवं समन्वय के लिए daconalanda@gmail.com पर संपर्क किया जा सकता है। बैठक में उप विकास आयुक्त, नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

अवैध रेलवे फाटक बंद, बड़ा हादसा टला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हिलसा (नालंदा)। गुरुवार को फतुहा–इस्लामपुर रेलखंड के लोहंडा हॉल्ट के समीप स्थित एक अवैध रेलवे फाटक को अधिकारियों द्वारा बंद कर दिया गया है। यह कार्रवाई यात्रियों और स्थानीय लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की गई। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, उक्त फाटक बिना किसी गेटमैन के संचालित हो रहा था, जिससे किसी भी समय बड़े हादसे की आशंका बनी रहती थी। ऐसे अनाधिकृत फाटकों पर न तो कोई चेतावनी सिग्नल होता है और न ही सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम, जिससे अचानक ट्रेन आने पर राहगीर या वाहन चालक सतर्क नहीं हो पाते। अधिकारियों ने बताया कि अधिकृत रेलवे फाटकों पर प्रशिक्षित कर्मचारी तैनात रहते हैं, जो ट्रेन के आगमन से पहले फाटक को बंद कर देते हैं। वहीं, अवैध फाटकों पर विभाग का कोई नियंत्रण नहीं होता है और लोग बेधड़क आवागमन करते रहते हैं। रेलवे विभाग का कहना है कि ऐसे अवैध फाटकों के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं, जिससे जान-माल की हानि के साथ-साथ ट्रेन परिचालन भी प्रभावित होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस तरह के फाटकों को बंद करने की कार्रवाई लगातार की जा रही है। कार्रवाई के दौरान मौके पर रेलवे विभाग के पुलिसकर्मी समेत दर्जनों अधिकारी मौजूद रहे।

उप विकास आयुक्त ने किया 'पोषण पखवाड़ा 2026' का शुभारंभ, जनभागीदारी पर जोर

इस वर्ष की मुख्य थीम "बचपन के 6 साल, पोषण पढ़ाई के लिए बेमिसाल"

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। जिले में 'पोषण पखवाड़ा 2026' का शुभारंभ उप विकास आयुक्त शुभम कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार यह पखवाड़ा 9 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026 तक जिले के सभी प्रखंडों, पंचायतों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों पर व्यापक स्तर पर मनाया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत में जिला प्रोग्राम पदाधिकारी ने पखवाड़ा के दौरान आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। इस वर्ष की मुख्य थीम "बचपन के 6 साल, पोषण पढ़ाई के लिए बेमिसाल" निर्धारित की गई है। उप विकास आयुक्त ने कहा कि कुपोषण उन्मूलन एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसके लिए प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस, जनप्रतिनिधियों एवं समुदाय की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं एवं 0 से 2 वर्ष तक के बच्चों के लिए जीवन के पहले 1000 दिनों के महत्व पर जोर देते हुए संतुलित आहार, समय पर टीकाकरण, स्तनपान एवं स्वच्छता अपनाने की अपील की। उन्होंने बताया कि पखवाड़ा के दौरान जिलेभर में पोषण जागरूकता रैली, प्रभात फेरी, पंचायत एवं ग्राम सभाएं, गोद भराई और अन्नप्राशन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा किशोरी बालिकाओं एवं गर्भवती महिलाओं के लिए एनीमिया स्क्रीनिंग व स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जाएंगे। स्थानीय एवं सस्ते पोषक आहार को बढ़ावा देने के लिए पोषण प्रदर्शनी एवं व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन होगा। स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों पर चित्रकला, निबंध, भाषण एवं क्विज प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। साथ ही सेविका-सहायिका एवं स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा घर-घर जाकर पोषण संबंधी जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उप विकास आयुक्त ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने एवं अधिक से अधिक लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि "सही पोषण, स्वस्थ जीवन की आधारशिला है" और इसे जन आंदोलन का रूप देना जरूरी है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, आईसीडीएस कर्मी, स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका, जीविका दीदी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बिहारशरीफ में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। शहर को जाम मुक्त और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से नगर निगम ने गुरुवार को अतिक्रमण के खिलाफ सख्त अभियान चलाया। उप नगर आयुक्त शम्स रज़ा के नेतृत्व में टीम ने भारी पुलिस बल के साथ शहर के प्रमुख मार्गों पर कार्रवाई की। अभियान की शुरुआत बड़ी दरगाह से हुई, जो आगे नदी मोड़ होते हुए बाबा मणिराम अखाड़ा मोड़ तक चलाया गया।

कार्रवाई से अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप मच गया। नगर निगम की टीम ने सड़क किनारे बने अवैध ढांचों को जेसीबी (बुलडोजर) से ध्वस्त कर दिया। साथ ही सड़क किनारे लगी अवैध दुकानों को भी हटाया गया। जब्त मलबा और सामान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से निगम कार्यालय पहुंचाया गया। अचानक हुई कार्रवाई से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल रहा। अभियान के दौरान नियमों की अनदेखी करने वालों से करीब 4 हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला गया। उप नगर आयुक्त ने बताया कि अतिक्रमण हटाने की यह मुहिम लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि कार्रवाई से पहले माइक से अनाउंसमेंट कर लोगों को खुद से अतिक्रमण हटाने का मौका दिया जाता है, लेकिन नहीं मानने पर प्रशासन सख्ती से कार्रवाई करता है। नगर निगम ने साफ किया है कि शहर को जाम मुक्त रखने के लिए ऐसे अभियान अन्य इलाकों में भी चलाए जाएंगे।

नालंदा कॉलेज में धूमधाम से मनाई गई पंडित राहुल सांकृत्यायन की 133वीं जयंती

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नालंदा कॉलेज में गुरुवार को हिंदी, संस्कृत, पाली एवं दर्शनशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में महान साहित्यकार और यायावर चिंतक पंडित राहुल सांकृत्यायन की 133वीं जयंती उत्साह और गरिमा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर "व्यक्तित्व एवं कृतित्व" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. सुनीता सिन्हा ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में दर्शनशास्त्री प्रो. प्रभास कुमार ने सांकृत्यायन की दार्शनिक दृष्टि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका चिंतन वैज्ञानिकता, तर्कशीलता और मानवतावाद पर आधारित था। वे अंधविश्वास और रूढ़ियों के प्रबल विरोधी थे तथा जीवन को समझने के लिए विवेक और अनुभव को सर्वोपरि मानते थे। उनके विचारों में बौद्ध दर्शन की करुणा, समता और बौद्धिक स्वतंत्रता का स्पष्ट प्रभाव परिलक्षित होता है। विशिष्ट वक्ता पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य एवं बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. ध्रुव कुमार ने सांकृत्यायन के व्यक्तित्व के विविध आयामों को रेखांकित करते हुए कहा कि वे अद्भुत साहस, जिज्ञासा और आत्मानुशासन के प्रतीक थे। तिब्बत की दुर्गम यात्राओं से लेकर रूस जैसे देशों में अध्ययन तक, उन्होंने ज्ञानार्जन को ही अपना लक्ष्य बनाए रखा। वे केवल साहित्यकार ही नहीं, बल्कि इतिहासकार, पुरातत्ववेत्ता, भाषाविद् और समाज सुधारक भी थे।

मजदूर की पीट-पीटकर हत्या, इलाज के दौरान तोड़ा दम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हिलसा (नालंदा)। हिलसा थाना क्षेत्र के मोमिनपुर गांव निवासी राजेश मांझी (45 वर्ष) की अरवल में बेरहमी से पिटाई के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना 16 मार्च की बताई जा रही है, जब किसी विवाद को लेकर उनके साथ मारपीट की गई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजेश मांझी अरवल स्थित एक ईंट-भट्ठा पर मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। घटना के दिन वे किसी काम से बाजार गए थे, जहां आरोप है कि भट्ठा से जुड़े कुछ लोगों ने उन्हें घेरकर लाठी-डंडों और घूंसे से जमकर पीटा। मारपीट इतनी गंभीर थी कि वे मौके पर ही बेहोश हो गए। परिजनों ने उन्हें पहले स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन हालत नाजुक होने पर उन्हें पटना रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मृतक अपने पीछे तीन पुत्र और एक पुत्री छोड़ गए हैं। घटना के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक के पुत्र सूरज कुमार ने आरोप लगाया है कि भट्ठा मालिक के मुंशी धर्मेंद्र, मुन्ना और शंकर ने मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। इस संबंध में हिलसा थानाध्यक्ष अभिजीत कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ भेज दिया गया है।

पूर्व मंत्री गायत्री देवी की चौथी पुण्यतिथि पर कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिले के प्रसाद बिगहा स्थित व्हाइट हाउस परिसर में प्रदेश की पूर्व मंत्री एवं गोविंदपुर से 25 वर्षों तक विधायक रहीं गायत्री देवी उर्फ देवी की चौथी पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। यह आयोजन उनके पुत्र कौशल यादव के आवास पर किया गया, जहां बड़ी संख्या में समर्थक, स्थानीय लोग एवं शुभचिंतक उपस्थित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत गायत्री देवी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। उपस्थित लोगों ने उन्हें याद करते हुए उनके सामाजिक और राजनीतिक योगदान को नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि गायत्री देवी ने अपने कार्यकाल के दौरान क्षेत्र के विकास, गरीबों के उत्थान और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए, जिसे हमेशा याद रखा जाएगा। इस अवसर पर मानवता और सेवा की भावना को आगे बढ़ाते हुए गरीब एवं जरूरतमंद महिलाओं के बीच साड़ी का वितरण किया गया। साथ ही सैकड़ों लोगों के लिए भोजन की भी व्यवस्था की गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य न केवल श्रद्धांजलि अर्पित करना था, बल्कि उनके दिखाए गए सेवा मार्ग पर चलने का संकल्प भी लेना था। कार्यक्रम में विनय यादव, पैक्स अध्यक्ष संजय यादव सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि गायत्री देवी का जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित था और उनकी प्रेरणा से ही आगे भी ऐसे सामाजिक कार्य जारी रखे जाएंगे।

2 मई से प्रगणक के माध्यम से जनगणना कार्य में लगे कर्मियों का प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नारदीगंज,नवादा। आगामी दो मई 2026 से प्रगणक के माध्यम से मकान सूचीकरण आनलाइन प्रक्रिया को लेकर जनगणना कार्य में लगे कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण आगामी 13 अप्रैल से शुरु होगी, जो 24 अप्रैल 2026 तक दिया जाएगा। इंटर विद्यालय नारदीगंज में प्रगणक, पर्यवेक्षक, रिजर्व प्रगणक के अलावा रिजर्व पर्यवेक्षक को मकान सूचीकरण आनलाइन प्रक्रिया के बारें में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। मास्टर टेनर अवधेश कुमार ने कहा आगामी 13 अप्रैल से 24 अप्रैल तक प्रशिक्षण चलेगा। यह प्रशिक्षण तीन दिवसीय होगा।

विश्व नवकार दिवस पर नवादा में गूंजा णमोकार मंत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। शहर में विश्व नवकार दिवस के अवसर पर गुरुवार को जैन मंदिरों में आध्यात्मिक आस्था का भव्य दृश्य देखने को मिला। जैन समाज नवादा के तत्वावधान में महावीर जैन मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सुबह ठीक 8 बजे से श्रद्धालुओं ने एक स्वर में णमोकार महामंत्र का सामूहिक जाप प्रारंभ किया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय और शांतिमय हो गया। इस ऐतिहासिक आयोजन की विशेषता यह रही कि विश्व के 108 देशों में लाखों लोगों ने एक ही समय पर एक घंटे तक णमोकार महामंत्र का उच्चारण किया। इस सामूहिक जाप का उद्देश्य नकारात्मकता को दूर करना, भय, रोग और विपत्तियों से मुक्ति दिलाना तथा संपूर्ण विश्व में शांति और सद्भाव स्थापित करना था। नवादा के जैन मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। लोगों ने धर्म, जाति और संप्रदाय से ऊपर उठकर इस पवित्र मंत्र का जाप किया और समस्त जीवों के कल्याण की कामना की। मंत्रोच्चारण के दौरान वातावरण में एक अलग ही आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार महसूस किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने नवकार मंत्र की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह मंत्र आत्मा की शुद्धि का सर्वोत्तम माध्यम है। इसकी सकारात्मक ऊर्जा न केवल व्यक्ति के जीवन को शांत और संतुलित बनाती है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी तनाव को कम करने में सहायक हो सकती है। उन्होंने लोगों से सत्य, अहिंसा और सद्भाव के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बच्चों की भी सक्रिय भागीदारी रही। उन्होंने मंत्र के महत्व को समझा और श्रद्धा के साथ जाप किया। अंत में विश्व शांति, अहिंसा और समृद्धि के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई तथा आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्यामल सिन्हा अंडर 16 में नवादा की बड़ी जीत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा नालंदा के पावापुरी में आयोजित श्यामल सिन्हा अंडर 16 अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता में नवादा का मुकाबला नालंदा की टीम से हुआ। नवादा के कप्तान विक्रम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 49 ओवर में 263 रन बनाकर ऑल आउट हुई। नवादा की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए धरम कुमार ने शानदार 74 अंकित ठाकुर ने 61 जबकि राज पांडे ने 17 रनों का योगदान अपनी टीम के लिए दिया ।

गेंदबाजी करते हुए नालंदा के गेंदबाज शिवम ने चार विकेट जबकि आर्यन एवं शशिकांत ने दो-दो खिलाड़ियों को आउट किया ।इसके जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी नालंदा की टीम 48 ओवर में 168 रन बनाकर ऑल आउट हो गई नालंदा के तरफ से प्रतीक ने 25 राज ने 24 जबकि शिवम एवं प्रियांशु ने 20-20 रनों का योगदान अपनी टीम के लिए दिया। नालंदा का कोई भी बल्लेबाज बड़ा स्कोर करने में नाकाम रहे। गेंदबाजी करते हुए नवादा के गेंदबाज अंकित ठाकुर ने शानदार चार विकेट झटके एवं राज पांडे ने दो खिलाड़ियों को आउट किया। अंकित ठाकुर के उसके शानदार प्रदर्शन (चार विकेट एवं 61 रन) बनाने के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी दी गई। कल नवादा का मुकाबला शेखपुरा की टीम से होगा।

विधायक समेत आम जनता में व्याप्त रोष हुआ दूर, कार्य फिर से शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। रजौली नगर पंचायत में निर्माणाधीन 3.8 किमी लंबे स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम को लेकर नगरवासियों में रोष व्याप्त था। इसी को लेकर नगरवासियों ने रजौली विधायक विमल राजवंशी एवं नगर पंचायत मुख्य पार्षद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह समेत वार्ड पार्षद मुकेश यादव के पास शिकायत की थी। शिकायत पर जनप्रतिनिधियों ने आम लोगों के साथ निर्माण स्थल का निरीक्षण कर कार्य को बंद करवा दिया था एवं संवेदक को इंजीनियर के साथ स्थल पर आकर कार्य का भौतिक सत्यापन करने को निर्देशित किया गया था। इसी आलोक में गुरुवार को परियोजना निदेशक अभिषेक कुमार,उप परियोजना निदेशक कुंदन त्रिपाठी,संवेदक सह प्रोजेक्ट मैनेजर आशुतोष कुमार,साइट इंजीनियर आशुतोष कुमार एवं जेई प्रवीण कुमार रजौली पहुंचे और लेवलिंग का जायजा लिया। इस मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों समेत नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी आतिश कुमार के साथ दर्जनों नगरवासी मौजूद रहे।

स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज के प्रोजेक्ट मैनेजर सह संवेदक आशुतोष कुमार ने कहा कि नगर पंचायत के पांच मुख्य क्षेत्रों में 3.8 किमी लंबा नाला का निर्माण कार्य किया जा रहा है,जिसके लिए लगभग 11 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। निर्माण कार्य के दौरान कुछ नगरवासियों को संदेह था कि भविष्य में निर्मित होने वाले नालियों का पानी ड्रेनेज के माध्यम से नहीं जा पाएगा। इसको लेकर आमलोगों द्वारा जनप्रतिनिधियों के पास इसकी शिकायत की गई थी। शिकायत के आलोक में पूरी टीम के साथ कार्य का जायजा लिया गया,जो सही पाया गया। उन्होंने बताया कि पूरे ड्रेनेज सिस्टम में दो तरह के सेक्शन है,जो 900 मिमी और 1200 मिमी का है एवं अलग-अलग स्थानों पर गहराई में भिन्नता रहेगी,तब ही पानी का बहाव दो आउटपुट के माध्यम से नदी में गिरेगा। उन्होंने कहा कि नाला पर 50 टन का लोड सह सकता है। इस दौरान दुबारा लेवलिंग की जांच की गई। प्रोजेक्ट मैनेजर ने कहा कि ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण एक साल के अंदर किया जाना है,किंतु हमलोगों द्वारा इसे 6 माह में समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

शहर में रॉयल एनफील्ड हंटर 350 के नए वेरिएंट लॉन्च

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। शहर के पटना-रांची रोड स्थित केंदुआ के मंजूराज रॉयल एनफील्ड शोरूम में Hunter 350 के नए वेरिएंट और रंगों की लॉन्चिंग की गई। लॉन्च के साथ ही ग्राहकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है और शोरूम में बुकिंग व पूछताछ में तेजी आई है।

शोरूम में पेश किए गए वेरिएंट में टॉप मॉडल के रूप में मुंबई येलो और मूनशॉट व्हाइट रंग उपलब्ध हैं, जिनकी एक्स-शोरूम कीमत 1,69,804 रखी गई है। वहीं नया वेरिएंट (बेस प्रीमियम) टारमैक ब्लैक भी ग्राहकों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, जिसकी कीमत 1,49,900 है। टारमैक ब्लैक वेरिएंट में कई आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं, जिनमें एलॉय व्हील्स, रियर ड्रम ब्रेक, सिंगल चैनल एबीएस, 100 फ्रंट एवं 120 रियर टायर, हैलोजन हेडलाइट, ट्रिपर नेविगेशन (वैकल्पिक) तथा यूसीबी टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट शामिल हैं। लॉन्चिंग के बाद शोरूम में बड़ी संख्या में ग्राहक बाइक को देखने एवं टेस्ट राइड के लिए पहुंच रहे हैं। युवाओं के बीच खासतौर पर इस बाइक के नए रंग और स्टाइल को लेकर काफी आकर्षण देखा जा रहा है। मंजूराज रॉयल एनफील्ड के सेल्स मैनेजर आनंद प्रताप सिंह ने बताया कि हंटर 350 के नए वेरिएंट को ग्राहकों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है और आने वाले दिनों में बुकिंग और बढ़ने की उम्मीद है।

पीएचसी कौआकोल में 110 गर्भवती महिलाओं की हुई स्वास्थ्य जांच

नबिटा संवाददाता

कौआकोल। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) कौआकोल में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत प्रत्येक माह की 9वीं तारीख को आयोजित होने वाले विशेष मातृत्व जांच शिविर में गुरुवार को 110 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर के दौरान गर्भवती महिलाओं का वजन, ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन जांच, शुगर जांच सहित आवश्यक प्रसव पूर्व जांच की गई। साथ ही चिकित्सकों द्वारा महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व, संतुलित आहार, नियमित जांच तथा संस्थागत प्रसव के प्रति जागरूक किया गया।

हिसुआ पावर हाउस का ग्रामीणों ने किया घेराव

नबिटा संवाददाता

हिसुआ। प्रखंड के हदसा पंचायत स्थित अमढी गांव के ग्रामीणों ने गुरुवार को बिजली संकट से त्रस्त होकर हिसुआ पावर हाउस का घेराव किया। ग्रामीणों का आरोप है कि उनके गांव में पिछले 10 दिनों से बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली नहीं रहने के कारण पीने के पानी की भारी किल्लत हो गई है। लोग दूर-दूर से पानी लाने को मजबूर हैं। वहीं, पशुओं—गाय, बैल आदि—को भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है, जिससे स्थिति और भी गंभीर बन गई है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार विभाग को शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई। समस्या से नाराज ग्रामीणों ने हिसुआ विधायक अनिल सिंह से मिलकर अपनी पीड़ा सुनाई। इसके बाद विधायक स्वयं पावर हाउस पहुंचे और मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने मौके पर अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन संबंधित जेई (जूनियर इंजीनियर) के नहीं पहुंचने पर नाराजगी जताई।

विधायक अनिल सिंह ने कहा कि वे कई घंटों से पावर स्टेशन पर मौजूद हैं, लेकिन जेई का कोई अता-पता नहीं है। उन्होंने विभागीय लापरवाही पर सवाल उठाते हुए कहा कि अधिकारी मनमानी कर रहे हैं और जनता की समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने वरीय अधिकारियों से भी बातचीत कर जल्द समाधान का आश्वासन दिलाने की बात कही। इधर, अमढी गांव के दर्जनों ग्रामीण सुबह से ही पावर हाउस पर डटे रहे और बिजली बहाल होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी। ग्रामीणों ने कहा कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे। घंटों इन्तेजार करने के बाद भी जेइ नहीं आया,बिजली विभाग के एसडीओ के आने के बाद विधायक ने लोगों को दिए गए आवेदन की जांच के दौरान पूनह समस्या के समाधान के लेकर अमढी गांव पहुचें मौके पर जिला परिषद सदस्य उमेश यादव, विधायक प्रतिनिधि बिगन सिंह हदसा मुखिया राहुल सिंह ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की।

प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षित अभियान आयोजित

नबिटा संवाददाता

नारदीगंज,नवादा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारदीगंज में गुरुवार को प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षित अभियान आयोजित हुई। इस कार्यक्रम के तहत प्रखंड के विभिन्न गांवों के 196 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य जांच की गई। जांच में तीन हाई रिस्क के गर्भवती महिलाएं पहुंची। लैब टेक्नीशियन जितेन्द्र कुमार, विकास कुमार ने उपस्थित महिलाओं को खून, रक्तचाप, वजन समेत अन्य जांच की। मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. नवीन कुमार, डा.अनुप्रिया कुमारी समेत अन्य रहे।

खराब सड़क-पुल पर ठेकेदारों की खैर नहीं, 82 अधिकारियों की टीम करेगी जांच

निरीक्षण में दोषी पाए जाने वाले ठेकेदारों पर होगी सख्त कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित और निर्माणाधीन ग्रामीण सड़कों तथा पुलों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं विभागीय कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता लाने के लिए ग्रामीण कार्य विभाग ने सख्त कदम उठाये हैं। विभाग के विभिन्न कार्य प्रमंडलों में चल रही योजनाओं की जमीनी हकीकत की जांच करने के लिए 11 अप्रैल तक पूरे राज्य में निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान को धरातल पर उतारने के लिए अभियंता प्रमुख जयकिशोर ठाकुर के निर्देश पर राज्यभर में कुल 82 वरिष्ठ जांच पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। ये सभी नामित पदाधिकारी अपने आवंटित प्रमंडलों में जाकर मौके पर भौतिक सत्यापन करेंगे और निर्धारित चेकलिस्ट के आधार पर अपनी विस्तृत रिपोर्ट मुख्यालय को सौंपेंगे। इस तीन दिवसीय निरीक्षण अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल निर्माण कार्यों की भौतिक प्रगति देखना नहीं है, बल्कि गुणवत्ता नियंत्रण के तकनीकी पहलू की सूक्ष्मता से जांच करना है। जांच अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्माण स्थल पर गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला की स्थापना, आवश्यक गुणवत्ता रजिस्टरों की साइट पर उपलब्धता और गुणवत्ता परीक्षण रिपोर्टों की कड़ाई से जांच करें। इसके साथ ही निविदा प्रक्रिया से लेकर एकरारनामा, बीमा की स्थिति, परफॉरमेंस सिक्यूरिटी और मौके पर मानव संसाधन तथा उपकरणों की स्थिति को इस विस्तृत चेकलिस्ट के दायरे में रखा गया है। निरीक्षण के दौरान 'हमारा बिहार हमारी सड़क' ऐप के माध्यम से आम जनता द्वारा दर्ज की गई शिकायतों के निवारण की अद्यतन स्थिति की भी विशेष रूप से समीक्षा की जाएगी, ताकि जन-समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित हो सके। विभागीय स्तर पर इस बार उन योजनाओं और ग्रामीण सड़कों पर विशेष नजर रखी जा रही है जहां 15 प्रतिशत से कम दर पर निविदाएं स्वीकृत हुई हैं। ऐसे सभी ग्रामीण सड़कों का जियोटैग की गई तस्वीरों के साथ अनिवार्य रूप से भौतिक सत्यापन किया जाएगा। इस दौरान अधिकारियों द्वारा पर्ट चार्ट, मिट्टी कटाई स्थल, खनन चालान, बिटुमेन चालान और उपकरणों की मौके पर जाकर जांच की जाएगी। इसके अलावा डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड से बाहर हो चुकी ग्रामीण सड़कों की स्थिति की भी समीक्षा की जाएगी। यदि निरीक्षण में किसी ग्रामीण सड़क की स्थिति खराब पाई जाती है तो संबंधित ठेकेदारों को सात दिनों के भीतर आवश्यक सुधार करने का सख्त निर्देश दिया जाएगा। यदि इस अवधि में त्रुटि का निवारण नहीं होता है तो ठेकेदार के जोखिम और लागत पर अनुबंध को तत्काल प्रभाव से रद्द करने जैसी अत्यंत कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीण कार्य विभाग का यह कड़ा रुख इस बात का प्रमाण है कि विभाग ग्रामीण जनता की सुलभता हेतु टिकाऊ बारहमासी सड़कें सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से संकल्पित है।

सरकारी भवनों को आग से सुरक्षित बनाने की तैयारी तेज

आधुनिक अग्नि उपकरणों की जांच, इलेक्ट्रिकल कार्यों पर भी सख्त निगरानी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भवन निर्माण विभाग बढ़ती गर्मी और अग्नि दुर्घटनाओं की आशंकाओं को देखते हुए पूरी तरह सतर्क मोड में है। विभाग ने कार्यपालक अभियंताओं को राज्य के सभी महत्वपूर्ण एवं सरकारी भवनों में अग्नि सुरक्षा मानकों को कड़ाई से लागू करने और उनके नियमित निरीक्षण का सख्त निर्देश दिया है। भवनों में अग्नि सुरक्षा हेतु अधिष्ठापित आधुनिक उपकरणों, सामग्रियों की अग्नि वहन क्षमता सहित कई स्तरों पर जांच की जा रही है। भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने कहा कि अग्नि सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग और मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। सभी कार्यपालक अभियंताओं को सुरक्षा प्रावधानों के संबंध में विभिन्न भवनों का नियमित निरीक्षण करने के लिए निदेश दिया गया है। विभाग की ओर से सरकारी भवनों को अग्नि दुर्घटनाओं से सुरक्षित रखने के लिए व्यापक स्तर पर अग्निशमन यंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। मुख्य सचिवालय, विकास भवन, सूचना भवन सहित अन्य भवनों में अग्निशमन प्रणाली का अधिष्ठापन कार्य किया जा रहा है। मुख्य सचिवालय परिसर में अग्निशमन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे कर लिए गए हैं। यहां यूजी टैंक, पंप हाउस, आउटर रिंग पाइपलाइन और आउटर हाइड्रैंट का काम पूर्ण हो चुका है। इसके अलावा भवन के भूतल और प्रथम तल के कॉरिडोर में स्मोक डिटेक्टर और (पीए) सिस्टम के तहत स्पीकर भी लगाए जा चुके हैं। फायर एक्सिंगिशर की स्थापना का कार्य भी पूरा कर लिया गया है जबकि इंटर्नल हाइड्रैंट, फायर अलार्म, स्पीकर (पीए सिस्टम) और कमरों के भीतर स्मोक डिटेक्टर लगाने का कार्य प्रगति पर है। विकास भवन में भी अग्निशमन अधिष्ठापन को लेकर कार्य किए जा रहे हैं। यहां पंप हाउस का सिविल और मैकेनिकल कार्य पूरा हो चुका है। बाहरी हाइड्रैंट और आउटर रिंग लाइन की टेस्टिंग भी सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई है। भवन के अंदर इंटर्नल हाइड्रेंट, होस रील, होस बॉक्स और प्रेशर गॉज की स्थापना पूरी हो चुकी है। इसके साथ ही फायर अलार्म, स्मोक डिटेक्टर, फायर स्प्रिंकलर और पीए सिस्टम का कार्य तेजी से चल रहा है। फायर एक्सिंगिशर भी यहां स्थापित किए जा चुके हैं। सचिव ने कहा कि इन भवनों में शेष कार्यों को तेजी से पूर्ण किया जा रहा है। विभाग की ओर से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी सरकारी भवन अग्नि सुरक्षा के उच्चतम मानकों से सुसज्जित हो। साथ ही नियमित रूप से भवनों में लगे अग्नि उपकरणों की जांच भी सुनिश्चत हो। भवनों में इलेक्ट्रिकल वर्क की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एक उड़नदस्ता टीम भी गठित की गई है।

गर्मियों में निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए 18 नये पावर सब स्टेशन का हो रहा निर्माण

मई-जून के महीने में भीषण गर्मी पड़ने पर पीक लोड पर रहते हैं ट्रांसफॉर्मर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजधानी में निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए विद्युत विभाग की तरफ से नया मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। जिसके तहत शहर में रोजाना बिजली की खपत 1000 मेगावाट से पार जाने पर भी शहरवासियों को बिजली ट्रिपिंग व ब्रेकडाउन की समस्या का सामना नहीं करना होगा। राजधानी में इस बार गर्मियों में तीन महीने के अंदर 18 नये पावर सब स्टेशन का निर्माण किया जा रहा है। जिससे मई-जून के महीने में भीषण गर्मी पड़ने पर भी लोगों को निर्बाध बिजली आपूर्ति की जायेगी। इस विषय पर अधिक जानकारी देते हुए पेसू जीएम दिलीप सिंह ने कहा कि शहर में हर साल बढ़ते बिजली लोड के देखते हुए आरडीएसएस के तहत रखरखाव का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है।

18 जगहों पर पावर सब स्टेशन का निर्माण अंतिम चरण में

पेसू जीएम दिलीप सिंह ने कहा कि राजधानी में 18 जगहों पर नया पावर सब स्टेशन का निर्माण किया जा रहा है। जिसमें रानीपुर, नंदलाल छपरा, कोथवां, डीपीएस मोड़, विद्युत भवन एमएलए फ्लैट के पास, बहादुरपुर, आनंद बाजार, दानापुर प्रखंड कार्यालय के पास, पहाड़ी, भगवतीपुर, नौसा, बैरिया सहित अन्य जगहों पर निर्माण कार्य प्रगति पर है। उम्मीद है कि बीते दो-तीन महीनों में सभी पीएसएस को चार्ज कर शुरू कर दिया जायेगा। बता दें कि 18 जगहों पर निर्माण हो रहे इन पीएसएस में 10-10 एमवीए का दो पावर ट्रांसफॉर्मर लगाया जायेगा। जिससे राजधानी के पेसू क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की सप्लाई 360 एमवीए तक बढ़ जायेगी। फिलहाल पटना में 84 पावर सब स्टेशन से बिजली आपूर्ति की जा रही है। वहीं इस बार अनुमान है कि राजधानी में बिजली की खपत 1000 मेगावाट के पार जा सकती है। जिसके लिए प्रोजेक्ट के तहत सारी तैयारी पूरी कर ली गयी है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर के बेहतर क्रियान्वयन पर जोर : मंगल पांडेय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा है कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से ग्रामीण स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इस दिशा में राज्य सरकार द्वारा प्रखंड स्तर पर मासिक समन्वयात्मक समीक्षा बैठक आयोजित करने की कार्ययोजना तैयार की गई है। इस पहल का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी, समस्याओं की पहचान और सुधारात्मक कदम सुनिश्चित करना है। श्री पांडेय ने कहा कि राज्य में संचालित 14,600 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के बेहतर संचालन हेतु प्रत्येक माह बैठक आयोजित करने की योजना है जिसमें सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी एवं एएनएम की उपस्थिति अनिवार्य होगी। बैठक में 'समग्र रैंकिंग संकेतकों' के आधार पर आयुष्मान आरोग्य मंदिर के प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी जिसमें आयुष्मान आरोग्य मंदिर पोर्टल एवं स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली के तहत बाह्य रोगी सेवाएं, टेली-परामर्श, वेलनेस गतिविधियां, दवा एवं जांच की उपलब्धता तथा मातृ-शिशु स्वास्थ्य से जुड़े मानकों का आकलन किया जाएगा।

मुजफ्फरपुर में 85.03 करोड़ की लागत से ओसम डेयरी लगाएगी इकाई

दो सौ से अधिक रोजगार होंगे सृजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार का औद्योगिक परिदृश्य तेजी से गति पकड़ रहा है जहां नए निवेश सीधे तौर पर बुनियादी ढांचे के निर्माण, रोजगार सृजन और क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों में परिवर्तित हो रहे हैं। उद्योग विभाग के मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल के निर्देशानुसार परियोजना स्वीकृति समिति के हालिया निर्णय इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बिहार के कृषि-आधारित औद्योगिक क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत ओसम डेयरी (एचआर फूड प्रोसेसिंग प्रा. लि.) मुजफ्फरपुर में 85.03 करोड़ के निवेश से एक आधुनिक डेयरी प्रसंस्करण इकाई स्थापित करेगी। इस परियोजना से करीब 227 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। परियोजना को प्रोजेक्ट क्लीयरेंस कमिटी द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है तथा बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार द्वारा मोतीपुर क्लस्टर के डुमरिया औद्योगिक क्षेत्र में 7.14 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। प्रस्तावित इकाई में दूध, दही, पनीर, लस्सी, मक्खन, घी, फ्लेवर्ड मिल्क तथा दूध से बने मिठाई उत्पादों का निर्माण किया जाएगा। यह पहल डेयरी क्षेत्र में वैल्यू एडिशन को बढ़ावा देने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा राज्य सरकार कृषि-आधारित एवं फूड प्रोसेसिंग उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है जो रोजगार सृजन के साथ-साथ किसानों से जुड़ी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करते हैं। यह परियोजना डेयरी वैल्यू चेन को सुदृढ़ करने और बिहार में औद्योगिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार ने कहा सुदृढ़ बुनियादी ढांचे और समयबद्ध स्वीकृतियों के माध्यम से निवेश को प्रोत्साहित कर रहा है। इस इकाई की स्थापना बिहार के फूड प्रोसेसिंग उद्योग के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में उभरने का प्रमाण है। यह परियोजना स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, रोजगार के अवसर सृजित करने तथा वैज्ञानिक प्रसंस्करण एवं वैल्यू एडिशन के माध्यम से फसलोपरांत क्षति को कम करने में सहायक होगी। यह पहल राज्य सरकार के सतत एवं समावेशी औद्योगिक विकास के दृष्टिकोण के अनुरूप है जो बिहार की मजबूत कृषि आधारशिला का प्रभावी उपयोग करने पर केंद्रित है।

अमर शहीद मंगल पाण्डेय बलिदान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। दारोगा राय स्थित कृष्ण चेतना परिषद में अमर शहीद मंगल पाण्डेय -बलिदान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजक अमर शहीद मंगल पाण्डेय समाज सेवा आश्रम रहा जिसकी अगुवाई संस्था के अध्यक्ष शिवाकांत तिवारी ने की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और वन्दे मातरम से हुई। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा मुख्यातिथि के रूप में विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सच्चे सपूत एवं प्रथम क्रांतिकारी थे। श्रम मंत्री संजय सिंह टाइगर ने कहा कि मंगल पाण्डेय ने बदलाव की आधारशिला रखी। उनके कदमों से देश में क्रांति की राह बनी। अध्यक्षीय उद्बोधन में शिवाकांत तिवारी ने 1857के विद्रोह से जुड़े प्रसंगों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर निशा मदन झा, राजेश कुमार सिंह, रविकांत मिश्रा, प्रो. मिथिलेश कुमार तिवारी, सहकारिता मंत्री डॉ. प्रमोद चन्द्रवंशी, विद्या भूषण अवस्थी, डॉ निखिल आनंद आदि वक्ताओं ने भी मंगल पाण्डेय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। आगत अतिथियों का स्वागत डॉ मिथिलेश कुमार तिवारी, मंच का संचालन डॉ मुकेश कुमार ओझा एवं धन्यवाद ज्ञापन राम नरेश महतो ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रभारी मनीष झा, वैदिक उमेश झा, पवन शास्त्री, भास्कर तिवारी, पूनम सिन्हा, आनंद पाण्डेय, अतुल तिवारी, जुही झा, जितेन्द्र तिवारी, अनिता सिंह, बबीता पाण्डेय, ददन द्विवेदी, ध्रुव सिंह, संतोष दूबे, सभापति राय, रुपल आनंद, कल्याणी देवी, शमशेर बहादुर सिंह, दिलीप मिश्रा सहित हजारों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बिहार में 'नीली-श्वेत क्रांति' को नई उड़ान, पटना में खुलेगा एनएफडीबी दफ्तर

केंद्र-राज्य समन्वय से डेयरी, मत्स्य एवं पशुपालन क्षेत्र में विकास को मिलेगी नई दिशा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना में जल्द ही राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एनएफडीबी), हैदराबाद का क्षेत्रीय कार्यालय खुलने जा रहा है। यह निर्णय नई दिल्ली के कृषि भवन में केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया है। माना जा रहा है कि इस क्षेत्रीय कार्यालय से राज्य में मछली पालन और डेयरी विकास को नई गति मिलेगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि पटना में जब तक इस क्षेत्रीय कार्यालय के लिए भवन चिह्नित नहीं हो जाता है तब तक मीठापुर स्थित मत्स्य भवन से इसका संचालन किया जाएगा। इसमें प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, पीएम मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना और मत्स्य पालन एवं एक्वाकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं के सुचारू संचालन पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक का उद्देश्य बिहार में मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी क्षेत्र के समग्र विकास की समीक्षा करना तथा केंद्रीय योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना था। बैठक में बिहार के डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के सचिव शीर्षत कपिल अशोक ने भाग लिया और राज्य में इन क्षेत्रों में हो रही प्रगति का विवरण साझा किया। बैठक के बाद विभाग के सचिव शीर्षत कपिल अशोक ने राज्य में मछली पालन और डेयरी विकास के लिए भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया। उन्होंने मत्स्य पालन विभाग के सचिव डॉ. अभिलक्ष लेखी, संयुक्त सचिव सागर मेहरा, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के सचिव नरेश पाल गंगवार, अपर सचिव वर्षा जोशी, संयुक्त सचिव राम शंकर सिन्हा तथा एनएफडीबी के मुख्य कार्यकारी डॉ. विजय कुमार बेहरा से मुलाकात की है। राज्य में डेयरी और पशुपालन के क्षेत्र में जारी परियोजनाओं की प्रगति, मत्स्य पालन क्षेत्र में बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीकरण, आगामी योजनाओं में गुणोत्तर वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए नई कार्ययोजना तैयार करने जैसे प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा हुई। केंद्र और राज्य सरकार के साझा प्रयासों से बिहार में नीली क्रांति और श्वेत क्रांति को एक नई ऊंचाई मिलेगी जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों की आय में वृद्धि होगी।

खड़गे के खिलाफ अभद्र भाषा के विरोध में कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन, पुतला दहन

असम के मुख्यमंत्री तत्काल सार्वजनिक रूप से माफी मांगे : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा द्वारा कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के विरुद्ध इस्तेमाल की गई अभद्र और आपत्तिजनक भाषा के विरोध में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम, गेट के सामने में बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेसजनों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया तथा असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा का पुतला दहन किया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे साहब देश के एक वरिष्ठ, सम्मानित और लोकप्रिय दलित नेता हैं। उन्होंने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में सामाजिक न्याय, लोकतांत्रिक मूल्यों और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष किया है। ऐसे वरिष्ठ नेता के विरुद्ध असम के मुख्यमंत्री द्वारा इस्तेमाल की गई घटिया और अभद्र भाषा अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण, निंदनीय और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि खड़गे साहब का अपमान केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं है, बल्कि देश के अनुसूचित जाति-जनजाति समाज के करोड़ों लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने जैसा है। कांग्रेस पार्टी इस तरह की मानसिकता और भाषा की कड़ी निंदा करती है तथा मांग करती है कि असम के मुख्यमंत्री तत्काल सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

एनएसयूआई छात्रों के लिए लड़ाई और पढ़ाई के लिए जानी जाती है : जयशंकर प्रसाद यादव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के छात्र इकाई एनएसयूआई की स्थापना दिवस पर प्रदेश मुख्यालय सदाकत आश्रम में एनएसयूआई का ध्वजारोहण करके स्थापना दिवस मनाई गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रदेश कांग्रेस के नेता और एनएसयूआई के पदाधिकारी ने कहा कि देशभर के छात्रों की आवाज सदैव एनएसयूआई उठाती रहेगी। एनएसयूआई के बिहार के प्रदेश अध्यक्ष जयशंकर प्रसाद ने कहा कि एनएसयूआई छात्रों की लड़ाई लड़ती रहेगी जिस तरह पटना विश्वविद्यालय में एनएसयूआई ने अपना परचम लहराया है आगे आने वाले दिनों में बिहार के तमाम विश्वविद्यालय में एनएसयूआई जीत का परचम लहराएगी। ध्वजारोहण कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम, मीडिया के चेयरमैन राजेश राठौर, पटना महानगर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष कुमार आशीष, एनएसयूआई के पटना विश्वविद्यालय के पूर्व प्रत्याशी मनोरंजन कुमार राजा, विशाल यादव, पूनम यादव, ब्रजेश, शिवम, विपिन, निशांत यादव सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसजन मौजूद थे।

कौशल विकास ही उज्ज्वल भविष्य की कुंजी : डॉ. आनंद रंजन झा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जंदाहा (वैशाली)। जंदाहा प्रखंड के प्रसिद्ध शिक्षाविद एवं समाजसेवी डॉ. आनंद रंजन झा ने कहा है कि वर्तमान समय में युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए कौशल विकास अत्यंत आवश्यक हो गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब केवल शैक्षणिक डिग्री के आधार पर सफलता पाना संभव नहीं है, बल्कि तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक प्रशिक्षण ही रोजगार का मजबूत आधार बन चुका है। डॉ. झा ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके द्वारा संचालित कौशल विकास केंद्र में क्षेत्र के सैकड़ों युवाओं को कंप्यूटर शिक्षा, डिजिटल स्किल तथा रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है जिससे वे

आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ सही तरीके से युवाओं तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने इस वर्ष मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट उत्तीर्ण कर चुके छात्रों से विशेष अपील की है कि वे संस्थान में आकर अपना नामांकन कराएं और शीघ्र ही प्रशिक्षण प्रारंभ करें, ताकि समय रहते अपने करियर को सही दिशा दे सकें। डॉ. झा ने आगे बताया कि संस्थान द्वारा समय-समय पर नए प्रशिक्षण कार्यक्रम, सेमिनार एवं जागरूकता अभियान आयोजित किए जाते हैं जिससे अधिक से अधिक युवाओं को जोड़कर उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा सकें। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों को कौशल आधारित शिक्षा की ओर प्रेरित करें। अंत में उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य केवल शिक्षा प्रदान करना नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है जिससे हर युवा आत्मनिर्भर और सशक्त बन सके।

'एक विवाह ऐसा भी' का 14वां संस्करण 21 जून को

जरूरतमंद जोड़ों के लिए निःशुल्क सामूहिक विवाह का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मां वैष्णो देवी सेवा समिति, पटना एवं मां ब्लड सेंटर, पटना के संयुक्त तत्वावधान में सामाजिक सरोकार की प्रेरणादायक पहल 'एक विवाह ऐसा भी' का 14वां संस्करण रविवार आगामी 21 जून 2026 को पटना में आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए संयोजक कन्हैया अग्रवाल कन्नू ने बताया कि यह आयोजन विशेष रूप से उन जरूरतमंद जोड़ों के लिए है जिनका विवाह तय हो चुका है, लेकिन आर्थिक तंगी या उपयुक्त स्थान के अभाव में वे विवाह सम्पन्न नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे जोड़े अपने स्तर से प्रारंभिक वैदिक अथवा पारंपरिक विधियां पूरी करने के बाद निर्धारित तिथि को आयोजन स्थल पर उपस्थित होंगे। आयोजन के दिन वर पक्ष से 12 एवं वधू पक्ष से 12 सदस्य शामिल होंगे जहां बारात सहित शेष सभी वैवाहिक रस्मों का विधिवत एवं सम्मानजनक आयोजन समिति द्वारा कराया जाएगा। इस पुनीत कार्य के लिए किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। इच्छुक जोड़ों को पहले निःशुल्क पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा तथा आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद ही उनका चयन किया जाएगा। मौके पर एम पी जैन ने बताया कि विवाह की पात्रता हेतु वर की आयु 21 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए तथा वधू की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। समिति ने अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवारों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है। इच्छुक व्यक्ति पंजीकरण हेतु मोबाइल सं. 9931158774, 9835093400, 9334105017, 9204719554 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

जैन धर्मावलम्बियों ने मनाया विश्व णमोकार दिवस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विश्व णमोकार दिवस के अवसर पर पटना के श्रीपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सहित मीठापुर, कमलदह, काली बीबी का कटरा, गुराग दिगम्बर सहित सभी दिगम्बर जैन मन्दिरों में णमोकार महामंत्र का पाठ किया गया। एम पी जैन ने बताया कि विश्व णमोकार दिवस प्रतिवर्ष 9 अप्रैल को मनाया जाता है, यह जैन धर्म के सबसे पवित्र और मूल मंत्र - 'णमोकार महामंत्र' के सम्मान में समर्पित है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में शांति, अहिंसा और आत्मशुद्धि का संदेश फैलाना है जिसमें सामूहिक रूप से णमोकार मंत्र का जाप किया जाता है। इसका उद्देश्य वर्तमान अशांत परिस्थितियों में विश्व शांति, सद्भाव, करुणा और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करना है।

सीआईआई के साथ करार से बिहार का डेयरी उद्योग पकड़ेगा रफ्तार

24,248 गांवों में डेयरी सोसाइटी, 8,053 पंचायतों में खुलेंगे 'सुधा केंद्र'

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय उद्योग परिसंघ के सहयोग से अब बिहार के डेयरी उद्योग को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी। बिहार सरकार के मत्स्य, डेयरी एवं पशु संसाधन विभाग के अंतर्गत आने वाले डेयरी निदेशालय ने सीआईआई के साथ एक एमओयू (समझौता ज्ञापन) किया है। इसके साथ ही डेयरी ट्रांसफॉर्मेशन प्रोजेक्ट के तहत डेयरी निदेशालय और सीआईआई के बीच 'प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन पार्टनरशिप' की औपचारिक शुरुआत गुरुवार को हुई। इसको लेकर विभाग के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मत्स्य, डेयरी एवं पशु संसाधन मंत्री सुरेंद्र मेहता ने कहा कि डेयरी निदेशालय और सीआईआई के बीच यह रणनीतिक साझेदारी बिहार के डेयरी विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी। इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य मुख्यमंत्री के 'सात निश्चय' के तहत बिहार डेयरी परिवर्तन पहल को सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि इसका लक्ष्य टिकाऊ डेयरी फार्मिंग को बढ़ावा देना और बाजार आधारित विकास को सुनिश्चित करना है, ताकि किसानों की आय में वास्तविक बढ़ोतरी हो सके। उन्होंने कहा कि हम ऐसी व्यवस्था बना रहे हैं जिससे बिहार में बने दूध के उत्पाद दुनिया भर के बाजारों में अपनी जगह बना सके। साथ ही दूध उत्पादन में वृद्धि सुनिश्चित कर बिहार को डेयरी क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इससे बिहार के डेयरी उद्योग को वैश्विक पहचान मिलेगी और किसानों की आय दोगुनी होगी।

किसानों की आय होगी दोगुनी

इस मौके पर विभाग के सचिव शीर्षत कपिल अशोक ने कहा कि 'सात निश्चय-3' के तहत डेयरी और मत्स्य पालन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राज्य के 24,248 गांवों में डेयरी कोऑपरेटिव सोसाइटी बनाई जाएगी और 8,053 पंचायतों में 'सुधा केंद्र' स्थापित किए जाएंगे।

संपादकीय

दूषित पेयजल- लापरवाही की कीमत चुकाती जनता

पीने का स्वच्छ पानी सबसे बुनियादी जरूरतों में से एक है, जिसके सुरक्षित होने के सवाल पर किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। विडंबना यह है कि देश के अनेक हिस्सों में दूषित पेयजल से उपजे जोखिम के मामले सुर्खियों में आने पर सब कुछ ठीक करने के सरकारी आश्वासन जरूर सामने आते है, लेकिन कुछ समय बाद फिर वैसी ही घटना कहीं और से सामने आ जाती है।गौरतलब है कि जयपुर के सुशीलपुरा इलाके में दूषित पेयजल से पिछले हफ्ते सैकड़ों लोग बीमार हो गए। इनमें बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। लोगों ने उल्टी, दस्त, पेट दर्द, जी मिचलाने और बुखार जैसे लक्षणों की शिकायत की।खबरों के मुताबिक, इलाके में सड़क बनाने के काम के दौरान पानी की भूमिगत पाइपलाइन टूट गई, जिससे पेयजल में सीवर का पानी मिल गया। ऐसा लगता है कि न तो स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति को लेकर सरकार गंभीर है, न ही विकास कार्यों के दौरान इस बात का खयाल रखना जरूरी समझा जाता है कि क्या इसकी वजह से दूसरी गंभीर समस्या पैदा हो सकती है।देश के किसी हिस्से में दूषित पेयजल की वजह से बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने की यह कोई पहली घटना नहीं है। करीब तीन महीने पहले देश के सबसे स्वच्छ माने जाने वाले शहर इंदौर में दूषित पानी पीने की वजह से कई लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों बीमार हो गए। तब यह मामला राष्ट्रीय स्तर पर चिंता का कारण बना था और इसके बाद हर ओर से पेयजल आपूर्ति को सुरक्षित बनाने की मांग उठी थी।हकीकत यह है कि आए दिन देश के किसी हिस्से से दूषित पेयजल की वजह से लोगों के बीमार होने की खबरें आती रहती हैं। सवाल है कि जिस दौर में हर घर में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराने के दावे किए जा रहे हैं, उसमें अक्सर ऐसी घटनाएं सामने क्यों आ रही हैं कि लोगों के घरों में दूषित पेयजल पहुंच रहा है।कभी सीवर का पानी पाइपलाइन में मिल जाता है, तो कभी किसी अन्य कारण से जहरीला पेयजल लोगों तक पहुंचता है। विकास कार्यों के संचालन और तालमेल की हालत यह है कि सड़क की खुदाई करते हुए इस बात को लेकर सावधानी बरतना जरूरी नहीं समझा जाता कि पेयजल की पाइपलाइन को कोई नुकसान न पहुंचे।सरकार के कामकाज में बरती गई लापरवाही की वजह से आम लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित होने की किसी घटना का सबक यह होना चाहिए कि ऐसे हर कदम सख्ती से उठाए जाएं, ताकि भविष्य में वैसा फिर न हो।मगर सच यह है कि जब कोई मामला तूल पकड़ लेता है, तब सरकार जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने और पीड़ितों को मुआवजा देने की घोषणा करती है, लेकिन इसके कुछ समय बाद सब कुछ बदस्तूर चलने लगता है।सरकारी महकमों की लापरवाही और कुप्रबंधन की वजह से जब बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़ते हैं या उनकी जान जाती है, तो निचले स्तर के कुछ कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करके समस्या का हल मान लिया जाता है, जबकि इसके वास्तविक दोषी बचे रह जाते हैं।

विश्व मानचित्र पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वह संकरा जलमार्ग है, जिससे दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में एलएनजी गुजरती है। ईरान द्वारा इस जलमार्ग को प्रभावित करने का अर्थ है, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की गर्दन दबाना। फरवरी 2026 के अंत से शुरू हुए इस युद्ध ने मात्र पांच हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतों को 85 डॉलर से 110 डॉलर के पार पहुंचा दिया है। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 40 प्रतिशत अकेले कतर से पूरा करता है। कतर के रास लाफान एलएनजी प्लांट पर हुए हमलों ने न केवल उत्पादन घटाया है बल्कि भारत के घरेलू चूल्हों तक पहुंचने वाली गैस की कीमतों में आग लगा दी है।

तेल की तलवार और कूटनीति की ढाल- पश्चिम एशिया संकट में भारत की अग्निपरीक्षा

(योगेश कुमार गोयल)

भारत की रणनीतिक स्वायत्तता आज तेल की निर्भरता के कारण परीक्षा की घड़ी में है। तेल की निर्भरता केवल आर्थिक बोझ नहीं बल्कि कूटनीतिक बेड़ियां भी है। भारत को अपने पुराने और रणनीतिक मित्र ईरान का साथ छोड़कर इजरायल और अमेरिकी समर्थित खाड़ी देशों के पाले में खड़े होने पर मजबूर होना पड़ा है।

दशकों पहले युद्ध केवल सीमाओं पर जमीन के टुकड़ों के लिए लड़े जाते थे लेकिन 2026 का यह दौर गवाह है कि आधुनिक युद्ध 'संप्रभुता' से ज्यादा 'संसाधनों' का है। युद्ध की गोलियां, मिसाइलें अब ऊर्जा की पाइपलाइनों और तेल के टैंकरों पर चलती है। पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच छिड़ा यह त्रिकोणीय संघर्ष भी महज जमीन का विवाद नहीं है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा 'ऊर्जा आपूर्ति' पर नियंत्रण की जंग है। भारत के लिए यह संकट केवल पैट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है, जिसने देश के सामने एक अदृश्य 'ऊर्जा लॉकडाउन' का खतरा पैदा कर दिया है। जब संसद में प्रधानमंत्री ने इस संकट की तुलना 'कोरोना काल' की विभीषिका से की तो उनका आशय घर में बंद होने से नहीं बल्कि उस वैश्विक अनिश्चितता से था, जो किसी भी क्षण भारत की विकास दर के पहियों को जाम कर सकती है। यदि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' पर ताला लगता है तो भारत की रगों में दौड़ने वाला 60 प्रतिशत तेल और एलएनजी का प्रवाह थम जाएगा, जो देश को एक भयावह 'ऊर्जा लॉकडाउन' की ओर धकेल सकता है।

होर्मुज की घेराबंदी – विश्व मानचित्र पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वह संकरा जलमार्ग है, जिससे दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में एलएनजी गुजरती है। ईरान द्वारा इस जलमार्ग को प्रभावित करने का अर्थ है, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की गर्दन दबाना। फरवरी 2026 के अंत से शुरू हुए इस युद्ध ने मात्र पांच हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतों को 85 डॉलर से 110 डॉलर के पार पहुंचा दिया है। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 40 प्रतिशत अकेले कतर से पूरा करता है। कतर के रास लाफान एलएनजी प्लांट पर हुए हमलों ने न केवल उत्पादन घटाया है बल्कि भारत के घरेलू चूल्हों तक पहुंचने वाली गैस की कीमतों में आग लगा दी है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर से उछलकर 110 डॉलर प्रति बैरल को छू रही हैं। भारत के लिए गणित सीधा और क्रूर है, कच्चे तेल में 10 डॉलर की हर बढ़ोतरी हमारे चालू खाता घाटे में लगभग 12-15 अरब डॉलर की वृद्धि करती है। यह स्थिति हमें दो टूक शब्दों में चेतावनी दे रही है कि पराई बैसाखियों पर टिकी ऊर्जा सुरक्षा कभी भी धराशायी हो सकती है।

सामरिक पैट्रोलियम भंडार-क्या पर्याप्त है चंद दिनों की सुरक्षा? – ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर भारत की सबसे बड़ी कमजोरी उसका सीमित सामरिक पैट्रोलियम भंडार है। दुनिया के विकसित देश जैसे अमेरिका, जापान और चीन अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए 90 दिनों का 'स्ट्रैटिजिक पेट्रोलियम रिजर्व' रखते हैं, वहीं भारत की स्थिति चिंताजनक है। वर्तमान में हमारे पास विशाखापट्टनम, मंगलुरु और पाडुर में कुल 53.3 लाख टन का भंडार है, जो मुश्किल से 9 दिन की आपूर्ति कर सकता है। हालांकि दूसरे चरण में चंडीखोल और बीकानेर

जैसे स्थानों पर भंडार क्षमता बढ़ाकर इसे 60-65 दिनों तक ले जाने की योजना है लेकिन इसकी गति 'युद्धस्तर' पर नहीं है। हमारे मौजूदा भंडार का करीब 36 प्रतिशत हिस्सा खाली पड़ा है। एक तरफ हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का स्वप्न देख रहे हैं और दूसरी तरफ हमारी ऊर्जा की 'लाइफलाइन' केवल कुछ दिनों के स्टॉक पर टिकी है। यदि आज हमारे पास 90 दिनों का सुरक्षित भंडार होता तो भारत को अपनी विदेश नीति में तटस्थता का नाटक नहीं करना पड़ता बल्कि वह एक सशक्त वैश्विक खिलाड़ी की तरह अपना पक्ष रख सकता था। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य 30 दिनों के लिए बंद हो जाता है और भारत के लिए आपूर्ति बाधित होती है तो भारत की अर्थव्यवस्था 'वेंटिलेटर' पर आ जाएगी। इसलिए चंडीखोल और बीकानेर में प्रस्तावित दूसरे चरण के भंडारों का निर्माण युद्धस्तर पर होना अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है।

कूटनीतिक विवशता और स्वतंत्र विदेश नीति का संकट – भारत की रणनीतिक स्वायत्तता आज तेल की निर्भरता के कारण परीक्षा की घड़ी में है। तेल की निर्भरता केवल आर्थिक बोझ नहीं बल्कि कूटनीतिक बेड़ियां भी है। भारत को अपने पुराने और रणनीतिक मित्र ईरान का साथ छोड़कर इजरायल और अमेरिकी समर्थित खाड़ी देशों के पाले में खड़े होने पर मजबूर होना पड़ा है। यह बदलाव केवल नीतिगत नहीं बल्कि विवशतापूर्ण है। खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा और वहां से आने वाला 'रेमिटेंस' भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसलिए खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीय प्रवासियों के हितों और तेल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ही भारत को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति से समझौता करना पड़ रहा है। जब तक हम ऊर्जा के लिए आयात पर 85 प्रतिशत निर्भर रहेंगे, तब तक हमारी विदेश नीति की चाबी विदेशी राजधानियों के हाथों में रहेगी और वाशिंगटन या तेहरान में होने वाली हर हलचल नई दिल्ली के माथे पर चिंता की लकीरें खींचती रहेगी। यह युद्ध हमें सिखाता है कि सच्ची संप्रभुता केवल सीमाओं की रक्षा में नहीं बल्कि ऊर्जा की आत्मनिर्भरता में निहित है।

अफवाहों का बाजार और सरकारी डैमेज कंट्रोल – युद्ध के बीच भारत में लॉकडाउन की अफवाहों ने पैनिक पैदा किया था। हालांकि, तीन मंत्रियों निर्मला सीतारमण, किरेन रिजिजू और हरदीप पुरी ने स्पष्ट किया कि देश सुरक्षित है। सरकार की ओर से दावा किया जा रहा है कि भारत के पास तेल और गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विविधीकृत स्रोत हैं और पैनिक की कोई आवश्यकता नहीं है लेकिन सतर्कता और ऊर्जा संरक्षण हमारा सामूहिक धर्म है। सरकार का यह स्पष्टीकरण अल्पकालिक राहत तो देता है लेकिन एक दीर्घकालिक प्रश्न भी छोड़ता है कि क्या हम हर संकट के समय केवल डैमेज कंट्रोल ही करते रहेंगे या भविष्य की नींव रखेंगे?

बिजली खपत का बदलता स्वरूप – भारतीय अर्थव्यवस्था में बिजली का 42 प्रतिशत हिस्सा उद्योगों में और 17 प्रतिशत कृषि में उपयोग होता है। जैसे-जैसे शहरीकरण बढ़ रहा है, कार्यालयों और दुकानों (वाणिज्यिक क्षेत्र) में बिजली की मांग बढ़ेगी। हमें कोयला आधारित बिजली (जो अभी भी हमारी रीढ़ है) से हटकर परमाणु, सौर और पवन ऊर्जा की ओर तीव्र गति से मुड़ना होगा। सालाना 143 अरब डॉलर (2025 के आंकड़े) का तेल आयात एक ऐसा घाव है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को भीतर ही भीतर खोखला कर रहा है। सूर्य और पवन के रूप में भारत के पास असीमित प्राकृतिक संसाधन हैं लेकिन उन्हें 'ऊर्जा' में बदलने की इच्छाशक्ति और निवेश की गति अभी भी मंथर है।

भविष्य का रोडमैप- ऊर्जा सुरक्षा ही राष्ट्रीय सुरक्षा – ईरान-इजरायल युद्ध ने भारत के लिए एक कठोर चेतावनी प्रस्तुत की है। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य बाधित होता है तो यह केवल क्षेत्रीय संकट नहीं रहेगा बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए 'आर्थिक प्रलय' का कारण बन सकता है। उर्वरक, ईंधन, सेमीकंडक्टर, हर आपूर्ति श्रृंखला पर इसका गहरा प्रभाव पड़ेगा। ऐसे में भारत को त्वरित, ठोस और दूरदर्शी कदम उठाने होंगे। सबसे पहले, रणनीतिक भंडार का सुदृढ़ीकरण अनिवार्य है। अगले 24 महीनों में कम से कम 90 दिनों का तेल और गैस रिजर्व तैयार करना राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए ताकि किसी भी वैश्विक व्यवधान के समय देश की ऊर्जा आवश्यकताएं प्रभावित न हों। दूसरा, ऊर्जा विविधीकरण पर आक्रामक रणनीति अपनानी होगी। रूस, मध्य एशिया और अफ्रीका जैसे क्षेत्रों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते, पाइपलाइन परियोजनाएं और वैकल्पिक व्यापार मार्ग विकसित करना समय की मांग है। तीसरा, परमाणु ऊर्जा, सौर शक्ति और ग्रीन हाइड्रोजन में निवेश को युद्ध स्तर पर बढ़ाना होगा। ये केवल स्वच्छ ऊर्जा के स्रोत नहीं बल्कि स्थायी ऊर्जा सुरक्षा के स्तंभ हैं। अंततः, यह स्पष्ट है कि वैश्विक शांति हमारे नियंत्रण में नहीं परंतु अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना पूरी तरह हमारे हाथ में है। आत्मनिर्भरता अब केवल नारा नहीं बल्कि अस्तित्व की शर्त बन चुकी है। यदि हम आज निर्णायक कदम नहीं उठाते तो भविष्य का अंधकार हमारी ही निष्क्रियता का परिणाम होगा।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

स्वास्थ्य का विज्ञान, समानता का आधार

(योगेश कुमार गोयल)

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी।

दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें, विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्य-हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन् 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे।

भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है। यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं, जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है, जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए।

वैज्ञानिक उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तकनीक और विज्ञान तभी वास्तविक रूप से सफल माने जाएंगे, जब वे एक गरीब की झोपड़ी तक सुलभ और वहनीय हों। जल जनित रोग, टाइफाइड और कुपोषण जैसी बीमारियां अभी भी हमारे समाज के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं, जो सीधे तौर पर स्वच्छता, शुद्ध पेयजल और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की कमी को दर्शाती हैं। स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को सार्वभौमिक बनाने के लिए विज्ञान के साथ अडिग खड़ा होना और साक्ष्य-आधारित मार्गदर्शन को पूरी निष्ठा से अपनाना ही वह एकमात्र मार्ग है, जो हमें एक स्वस्थ भारत और समृद्ध विश्व की ओर ले जाएगा। आज आवश्यकता केवल उपचार की नहीं बल्कि वैज्ञानिक सोच को अपनी दिनचर्या और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने की है।(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

युद्ध के बावजूद ईरान की हवा साफ, मगर शांति के बावजूद दिल्ली, मुंबई में एक्यूआई खतरनाक स्तर पर

यह स्थिति तब है जब तेहरान और आसपास के क्षेत्रों में तेल भंडार और ऊर्जा ढांचे पर हमलों के कारण धुएं और जहरीली गैसों की आशंका बनी हुई है। सोशल मीडिया पर आठ मार्च की रात तेहरान के ऊपर काले धुएं के घने बादल दिखने के दृश्य सामने आए थे। यहां तक कि कुछ इलाकों में काली वर्षा की भी खबरें आईं, जो तेल भंडार में लगी आग और रासायनिक धुएं का परिणाम मानी जा रही हैं। लोगों ने गले में जलन और आंखों में खुजली की शिकायत की, और प्रशासन ने नागरिकों को घर के भीतर रहने की सलाह दी।

(नीरज कुमार दुबे)

11 मार्च 2026 को भारतीय समयानुसार शाम चार बजे वायु गुणवत्ता मंच एक्यूआई डाट इन के आंकड़ों के अनुसार तेहरान का एक्यूआई लगभग 33 दर्ज किया गया, जबकि उसी समय दिल्ली का एक्यूआई 63 था। दिन के दौरान भी स्थिति इसी तरह रही।

पश्चिम एशिया इस समय युद्ध की आग में झुलस रहा है। लेबनान, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और इजराइल के कई इलाकों में मिसाइल हमले और बमबारी जारी हैं। कई शहरों के ऊपर तेल और धुएं के काले गुबार उठते दिखाई दे रहे हैं। इसके बावजूद एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि इन युद्ध प्रभावित इलाकों की हवा भारत के कई प्रमुख शहरों से कहीं ज्यादा साफ है। वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई के आंकड़े बताते हैं कि युद्ध क्षेत्र में भी हवा का स्तर दिल्ली और मुंबई जैसे भारतीय महानगरों से बेहतर बना हुआ है।

11 मार्च 2026 को भारतीय समयानुसार शाम चार बजे वायु गुणवत्ता मंच एक्यूआई डाट इन के आंकड़ों के अनुसार तेहरान का एक्यूआई लगभग 33 दर्ज किया गया, जबकि उसी समय दिल्ली का एक्यूआई 63 था। दिन के दौरान भी स्थिति इसी तरह रही। दोपहर बारह बजे तेहरान का अधिकतम एक्यूआई 47 रहा, जो अच्छे स्तर में आता है। इसके विपरीत दिल्ली में सुबह आठ बजे एक्यूआई 323 तक पहुंच गया, जो अत्यंत खराब श्रेणी में आता है।

यह स्थिति तब है जब तेहरान और आसपास के क्षेत्रों में तेल भंडार और ऊर्जा ढांचे पर हमलों के कारण धुएं और जहरीली गैसों की आशंका बनी हुई है। सोशल मीडिया पर आठ मार्च की रात तेहरान के ऊपर काले धुएं के घने बादल दिखने के दृश्य सामने आए थे। यहां तक कि कुछ इलाकों में काली वर्षा की भी खबरें आईं, जो तेल भंडार में लगी आग और रासायनिक धुएं का परिणाम मानी जा रही हैं। लोगों ने गले में जलन और आंखों में खुजली की शिकायत की, और प्रशासन ने नागरिकों को घर के भीतर रहने की सलाह दी।

इसके बावजूद वास्तविक समय के आंकड़े बताते हैं कि तेहरान में एक्यूआई अधिकतर समय शून्य से पचास के बीच यानी स्वस्थ श्रेणी में बना रहा। यह तथ्य भारतीय शहरों की वायु गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करता है क्योंकि भारत के कई महानगरों में वायु प्रदूषण लगातार खराब, बहुत खराब या गंभीर श्रेणी में रहता है।

विशेषज्ञों के अनुसार भारत में प्रदूषण की समस्या मुख्य रूप से स्थानीय कारणों से पैदा होती है। सबसे बड़ा कारण वाहनों से निकलने वाला धुआं है। तेजी से बढ़ती निजी गाड़ियों की संख्या नाइट्रोजन ऑक्साइड और सूक्ष्म कणों को बढ़ाती है। यही वजह है कि दिल्ली के साथ-साथ बेंगलुरु, हैदराबाद और लखनऊ जैसे शहर भी समय समय पर खराब हवा से जूझते रहते हैं।

इसके अलावा निर्माण कार्य से उठने वाली धूल, उद्योगों और बिजली संयंत्रों से निकलने वाले धुएं तथा ईंट भट्ठों से उत्सर्जित गैसें भी प्रदूषण को बढ़ाती हैं। डीजल जनरेटर से निकलने वाला धुआं और सड़कों की धूल इस समस्या को और गंभीर बनाते हैं। ग्रामीण इलाकों में खाना पकाने के लिए लकड़ी, गोबर और जैव ईंधन जलाने से भी हवा में प्रदूषण बढ़ता है।

उत्तर भारत में एक और महत्वपूर्ण कारण खेतों में पराली जलाना है। पड़ोसी राज्यों में पराली जलने से धुआं बड़ी मात्रा में दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तक पहुंचता है और सर्दियों में प्रदूषण की स्थिति बेहद खराब कर देता है।

भौगोलिक स्थिति भी दिल्ली में प्रदूषण बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाती है। दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एक तरह के निचले बेसिन में स्थित है। इसके उत्तर में हिमालय, दक्षिण पश्चिम में अरावली पर्वतमाला और दक्षिण में प्रायद्वीपीय पठार हैं। इस कारण प्रदूषक तत्व यहां फंस जाते हैं और आसानी से बाहर नहीं निकल पाते। साथ ही उत्तर पश्चिम से बलूचिस्तान और थार मरुस्थल की ओर से आने वाली धूल भी प्रदूषण को बढ़ाती है।

इसके विपरीत तेहरान, तेल अवीव, बेरूत और दुबई जैसे कई पश्चिम एशियाई शहर समुद्र के नजदीक स्थित हैं या ऐसे क्षेत्रों में हैं जहां हवाएं प्रदूषकों को तेजी से फैलाकर साफ कर देती हैं। समुद्र के किनारे होने के कारण हवा का प्रवाह बेहतर रहता है और प्रदूषण का जमाव कम होता है।

वहीं मुंबई समुद्र किनारे होने के बावजूद प्रदूषण से जूझता है। विशेषज्ञों के अनुसार इसका मुख्य कारण स्थानीय स्रोत हैं, खासकर वाहनों की अत्यधिक संख्या। मुंबई में वाहनों का घनत्व कई शहरों की तुलना में कई गुना ज्यादा है, इसलिए यहां प्रदूषण का स्तर भी ऊंचा बना रहता है।

इसके अलावा, युद्ध से होने वाला प्रदूषण भी एक अलग प्रकृति का होता है। बमबारी या आग लगने से भारी मात्रा में धुआं और जहरीली गैसें निकलती हैं, लेकिन यह प्रदूषण अक्सर अस्थायी होता है। जब आग बुझ जाती है या घटना समाप्त हो जाती है तो उस स्रोत से निकलने वाला प्रदूषण भी रुक जाता है। इसके विपरीत वाहनों, उद्योगों और निर्माण कार्य से निकलने वाला धुआं लगातार हवा में जाता रहता है, जिससे लंबे समय तक प्रदूषण बना रहता है।

हम आपको यह भी बता दें कि दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हाल के दिनों में दिखाई दी गई स्मॉग को लेकर भी कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं कि यह ईरान में तेल रिफाइनरी पर हमलों से जुड़ी हो सकती है। हालांकि मौसम विशेषज्ञों ने इसे खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह स्मॉग दरअसल पश्चिमी हवाओं के साथ आई मरुस्थलीय धूल का परिणाम है।

देखा जाये तो वायु प्रदूषण का स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ता है। लंबे समय तक प्रदूषित हवा में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, हृदय रोग और स्ट्रोक जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बच्चों के फेफड़ों के विकास पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ता है और फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। एक हालिया वैश्विक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2022 में भारत में लगभग सत्रह लाख अठारह हजार लोगों की मौत वायु प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों के कारण हुई।

युद्ध क्षेत्र में उठने वाला धुआं भले ही डरावना दिखाई दे, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार भारत के शहरों में फैला स्थायी प्रदूषण कहीं ज्यादा खतरनाक है। यह धीरे धीरे लोगों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है और एक तरह से अदृश्य हत्यारा बन जाता है।

बहरहाल, इस पूरी स्थिति से एक स्पष्ट संदेश मिलता है कि भारत में प्रदूषण से निपटने के लिए वाहनों के उत्सर्जन, उद्योगों के धुएं, निर्माण धूल और पराली जलाने जैसी समस्याओं पर सख्त नियंत्रण जरूरी है। जब तक इन स्रोतों को प्रभावी तरीके से नियंत्रित नहीं किया जाएगा, तब तक देश के शहरों में स्वच्छ हवा का सपना अधूरा ही रहेगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जिले में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता : डीएम

समीक्षा बैठक में डीएम ने बैकलॉग कम करने का दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेगूसराय। समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में डीएम श्रीकांत शस्त्री ने जिले में एलपीजी, पेट्रोल एवं डीजल की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था तथा उपभोक्ताओं को समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने के संबंध में तेल विपणन कंपनियों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिले में गैस वितरण की वर्तमान स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में बताया गया कि जिले में कुल 67 वितरकों के पास 24,104 सिलेंडरों का स्टॉक उपलब्ध है तथा औसतन 4.8 दिनों का बैकलॉग पाया गया है। विशेष रूप से एचपीसीएल में 6.3 दिन तथा बीपीसीएल में 4.5 दिन का बैकलॉग दर्ज किए जाने पर जिला पदाधिकारी ने इसे कम करने के लिए दोनों कंपनियों के प्रतिनिधियों को निदेश दिया। उन्होंने संबंधित कंपनियों को निर्देश दिया कि वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए बैकलॉग को शीघ्र कम किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा सके।बैठक में यह भी बताया गया कि 08 अप्रैल 2026 को कुल 12,457 बुकिंग के विरुद्ध 11,478 डिलीवरी की गई। इस पर जिला पदाधिकारी ने कंपनियों को आपूर्ति और वितरण के बीच संतुलन बनाए रखने तथा मांग के अनुरूप आपूर्ति बढ़ाने के निर्देश दिए। जिला पदाधिकारी ने विशेष रूप से एचपीसीएल के कम स्टॉक (1,862) पर कंपनी के प्रतिनिधियों को आपूर्ति श्रृंखला में सुधार करने तथा आवश्यकतानुसार अतिरिक्त स्टॉक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही सभी वितरकों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि होम डिलीवरी व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा उपभोक्ताओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए। बैठक में वर्तमान समय में कृषि कार्य के मद्देनज़र कटनी एवं रोपनी के कारण डीजल की बढ़ती मांग को देखते हुए पेट्रोल एवं डीजल की खपत की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि बेगूसराय जिले में आईओसीएल के 46, एचपीसीएल के 23 तथा बीपीसीएल के 22 पेट्रोल पंप संचालित हैं। समीक्षा के क्रम में यह पाया गया कि विगत दिनों में पेट्रोल की मांग में मार्च माह के प्रारंभ की अपेक्षा कमी आई है। जबकि डीजल की मांग में थोड़ी वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार डीजल की मांग में वृद्धि कृषि क्षेत्र में मौसम के अनुरूप सामान्य है। यह समय कटाई एवं रोपनी के लिए अनुकूल होने के कारण प्रत्येक वर्ष इस अवधि में किसानों द्वारा डीजल की मांग बढ़ जाती है। कुछ पेट्रोल पंपों पर किसानों को डीजल उपलब्ध नहीं होने की सूचना पर जिला पदाधिकारी ने सभी कंपनियों के प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन द्वारा जारी मार्गदर्शिका एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए किसानों को 20 लीटर तक डीजल ड्रम अथवा गैलन में उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी, अनुमंडल पदाधिकारी सदर अनिल कुमार, सिविल सर्जन डॉ अशोक कुमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी रंजीत कुमार सहित इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड तथा हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रतिनिधियों के साथ संबंधित विभागीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

गर्भवतियों की हुई स्वास्थ्य जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नावकोठी। प्रखण्ड क्षेत्र में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत गुरुवार को पीएचसी में विशेष जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। शिविर में कुल 54 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान चिकित्सकों द्वारा महिलाओं का वजन, ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन सहित अन्य आवश्यक जांच की गई। जांच के क्रम में एक गर्भवती महिला एनीमिया से ग्रसित पाई गई, जिसे चिकित्सकों ने आवश्यक दवा उपलब्ध कराते हुए विशेष रूप से पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी।चिकित्सा अधिकारी डॉ. हिमांशु कुमार ने कहा कि गर्भावस्था के दौरान नियमित स्वास्थ्य जांच अत्यंत आवश्यक है। इससे मां और गर्भ में पल रहे शिशु के स्वास्थ्य की स्थिति का सही आकलन किया जा सकता है। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को प्रतिमाह स्वास्थ्य जांच कराने, चिकित्सकों द्वारा दी गई दवाओं का नियमित सेवन करने तथा संतुलित एवं पौष्टिक भोजन लेने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं को अपने भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियां, दाल, दूध, फल, अंडा तथा आयरन व प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए, जिससे शरीर में खून की कमी न हो और मां तथा शिशु दोनों स्वस्थ रह सकें। साथ ही समय-समय पर टीकाकरण कराने और स्वास्थ्यकर्मियों के संपर्क में रहने की भी सलाह दी। डॉक्टर ने गर्भवती महिलाओं को महीने महीने नियमित जांच करने की भी सलाह दी। इस मौके पर डॉ. नीतीन कुमार, एलटी पंकज जोशी, सीएचसी ओ. राजा, प्रियदर्शनी, सुभानी कुमारी, जुली कुमारी तथा एएनएम शालिनी, रीणा, बेबी, मंचन,सीमा सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

पैक्स नामांकन के अंतिम दिन दो प्रत्याशियों ने भरे पर्चे

नावकोठी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड के चार पैक्सों में होने वाले मतदान के लिए अंतिम दिन गुरूवार को अध्यक्ष पद हेतु 2 तथा प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य पदों हेतु 21 अभ्यर्थियों ने निर्वाची पदाधिकारी के समक्ष नामजदगी का पर्चा दाखिल किया। निर्वाची पदाधिकारी सह बीडीओ राहुल रंजन ने बताया कि विष्णुपुर पैक्स के अध्यक्ष पद पर संतोष साहु ने तथा पहसारा पूर्वी पैक्स के अध्यक्ष पद पर संजय कुमार ने नामजदगी का पर्चा दाखिल किया। वही पहसारा पूर्वी पैक्स के प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य पद पर अतिपिछड़ा वर्ग कोटि से अनिता देवी व चंद्रदेव पंडित, पिछड़ा वर्ग से मनोज महतो, रेणु यादव, सामान्य कोटि से व्यवहार यादव, देवेंद्र कुमार पूनम देवी, आभा देवी, मंजू देवी ने नामजदगी का पर्चा दाखिल किया। वही विष्णुपुर पैक्स में प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य पद पर अनुसूचित जाति कोटि से मंजू देवी, सुवेश्वर पासवान, अतिपिछड़ा वर्ग कोटि से रणवीर कुमार, पिछड़ा वर्ग कोटि से मोती पोद्दार, सामान्य कोटि से किरण देवी, पवन कुमार सहाय, मो अब्बास, महेश साह, पहसारा पश्चिमी पैक्स में ओम प्रकाश कुमार ने नामजदगी का पर्चा दाखिल किया। प्रखंड परिसर में समर्थकों की भीड़ काफी मात्रा में थी। नामजदगी के बाद समर्थकों ने अभ्यर्थियों को फूल, माला से भर दिया। मौके पर प्रखंड निर्वाची पदाधिकारी सह बीडीओ राहुल रंजन, नाजिर मो मुर्तजा अंसारी, विभाकर कुमार, धर्मशील कुमार, रविन्द्र कुमार आदि भारी संख्या में समर्थक मौजूद थे ।

हेमनपुर में लगी आग से मची अफरा-तफरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बखरी। प्रखंड के हेमनपुर गांव स्थित चौर खड़ही में गुरुवार को अचानक आग लग गई। आग तेजी से फैल रही थी। जिससे आसपास के खेतों में लगी फसल के बर्बाद होने का खतरा उत्पन्न हो गया। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना डायल 112 एवं अग्निशमन विभाग को दी। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंच गई और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड की टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई और संयुक्त प्रयास से आग को पूरी तरह बुझा लिया गया। समय पर पहुंची दोनों टीमों की तत्परता के कारण एक बड़ा हादसा टल गया और सैकड़ों बीघा में लगी गेहूं की फसल को नुकसान होने से बचा लिया गया। यदि समय पर कार्रवाई नहीं होती तो भारी आर्थिक क्षति हो सकती थी। घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन और अग्निशमन विभाग की तत्परता की सराहना की। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। जिसकी जांच की जा रही है।

कार्यशाला के माध्यम से दी गई जानकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नावकोठी। प्रखंड के बीआरसी भवन में सभी प्रधानाध्यापकों की एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला की बैठक आयोजित की गई। प्रारंभिक विद्यालयों में बच्चों की भाषायी दक्षता एवं संख्यात्मक ज्ञान में अभिवृद्धि को लेकर विभागीय कसरत शुरू है। भाषायी दक्षता एवं संख्यात्मक ज्ञान में बच्चों का दक्ष होना जरूरी है। यह प्रारंभिक विद्यालयों के बच्चों की गुणवत्ता सुधार का प्रयास है। बच्चों की भाषायी दक्षता एवं संख्यात्मक ज्ञान में वृद्धि के लिए विद्यालय में समय सारिणी में भी पहली दो घंटी भाषा एवं गणित रखने का निर्देश दिया गया है। इसके लिए शिक्षकों का उन्मुखीकरण कार्यशाला शुरू कर दिया गया है। गुरुवार को बीआरसी में प्रखंड विकास अधिकारी सह प्रखंड शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में शिक्षकों का एक दिवसीय उन्मूलन कार्यशाला का आयोजन किया गया। शिक्षक ट्रेनर कुमुद रंजन, संजीत कुमार ने शिक्षा विभाग के द्वारा जारी मॉड्यूल एवं शेड्यूल के अनुसार एफ एल एन के तहत कक्षा 4, 5, 6 के बच्चों का भाषायी दक्षता एवं संख्यात्मक ज्ञान पर आधारित प्रथम जांच करते हुए कक्षा में पिछड़े बच्चों को दो माह के अन्दर सभी बच्चों को भाषायी कौशल एवं संख्यात्मक ज्ञान में दक्ष किये जाने की तकनीक पर जोर दिया गया। इसका अनुश्रवण जिलास्तरीय टीम करेगी तथा संकुल स्तरीय गठित अनुश्रवण समिति अकादमिक अनुश्रवण सह अनुसमर्थन करेंगे। प्रत्येक विद्यालय से इसके लिए दो दो नोडल शिक्षक नामित किये गये हैं। बच्चों को भाषा एवं गणित में उपचारात्मक शिक्षण के माध्यम बच्चों को खेल खेल में पढ़ाया जाएगा। मौके पर प्रधानाध्यापक राजेश कुमार, राम सुजान सिंह, शंभू महतो, मनोज मिश्र, कंचन कुमारी, रिया वैश्य, शिवानी टंडन, हरे राम रजक, नरोत्तम त्रिवेदी, कुमार कृष्ण, रमण कुमार, रोहित कुमार, पूनम कुमारी आदि मौजूद थे।

गेंहू कटनी के प्रयोग का सहायक निदेशक ने लिया जायजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेगूसराय। बिहार राज्य फसल सहायता योजना के अंतर्गत गेहूँ के कटनी प्रयोग का निरीक्षण गुरुवार को खोदावंदपुर प्रखण्ड के फफौत पंचायत में किया गया।उक्त कटनी प्रयोग का निरीक्षण दुर्गेश रंजन, सहायक निदेशक, अर्थ एवं सांख्यिकीय निदेशालय, पटना द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कटनी प्रयोग की प्रक्रिया, माप-तौल की शुद्धता एवं निर्धारित मानकों के अनुपालन का गहन अवलोकन किया तथा संबंधित कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अनुकूल चंद्र राय, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी शत्रुध्न राम एवं अभय कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी मिथलेश बिहारी वर्मा, डाटा एंट्री ऑपरेटर रामनंदन कुमार एवं रोहित कुमार भगत, किसान सलाहकार रघुनंदन महतो सहित अन्य जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। कटनी प्रयोग 10 गुणा 5 मीटर के निर्धारित क्षेत्रफल में वैज्ञानिक पद्धति से संपादित किया गया। जिसमें गेहूँ के दाने का कुल वजन 21.300 किलोग्राम प्राप्त हुआ। इस प्राप्त वजन के आधार पर फसल की उपज दर का आकलन करते हुए लगभग 42 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उत्पादन का अनुमान लगाया गया। ज्ञात हो कि इस प्रकार के कटनी प्रयोग राज्य सरकार द्वारा निर्धारित वैज्ञानिक विधियों के अनुसार किए जाते हैं। जिससे वास्तविक उत्पादन का सटीक आकलन संभव हो सके। जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी कटनी प्रयोग निर्धारित मानकों के अनुरूप पारदर्शी ढंग से संपादित हों, ताकि किसानों के हितों की रक्षा की जा सके तथा योजनाओं का लाभ सही लाभार्थियों तक पहुंच सके।

एनएसएस का सात दिवसीय शिविर संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरौनी। एपीएसएम कॉलेज में गुरुवार को एनएसएस की सात दिवसीय शिविर सम्पन्न हुई।समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफ़ेसर अमरेश शांडिल्य के द्वारा दीप-प्रज्वलन कर किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्रो मुकेश कुमार, प्रधानाचार्य, ए पी एसएम कॉलेज तथा मंच संचालन प्रो रामागर प्रसाद, कार्यक्रम पदाधिकारी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ एनएनएस गीत से हुआ। सात दिवसीय विशेष शिविर का प्रतिवेदन, कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो रामागर प्रसाद के द्वारा प्रस्तुत किया गया और स्वयंसेवकों के कार्यों की विशेषकर उनके अनुशासित व्यवहार, सहयोग, सृजनात्मकता, धैर्य, स्वालंबन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, समाज सेवा, सफाई अभियान, डिजिटल जागरूकता आदि की सराहना की गई। स्वयंसेवकों में वैभव कुमार और निधि झा ने फीडबैक प्रस्तुत किया और स्वयंसेवकों तथा उनके शिविरीय कार्यों की सराहना की गई।मुख्य अतिथि प्रोफ़ेसर श्री शांडिल्य, डॉ मुकेश कुमार के द्वारा अवसर पर महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। उन्होंने स्वयंसेवकों को पर्यावरण संरक्षण के लिए स्वयंसेवकों को प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्रा एवं स्वयंसेवक शालिनी कुमारी, निधि झा और रिंकी कुमारी ने नृत्य प्रस्तुत की। खुशी कुमारी के नारी सशक्तिकरण पर प्रेरणादायक भाषण दिय्या रूपा कुमारी ने नारी सशक्तिकरण पर कविता प्रस्तुत की। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बिहार का लोकनृत्य जट-जटिन शालिनी और रिंकी की सुन्दर प्रस्तुति ने सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अध्यक्षीय भाषण में महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ मुकेश कुमार ने स्वयंसेवकों के कार्यों की खूब प्रशंसा की तथा शिविरीय समाजोपयोगी कार्यों को अपने जीवन में अपनाने की शिक्षा दी। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुशील कुमार ने किया। मौके पर महाविद्यालय के शिक्षकों में डॉ लव कुमार, डॉ आशुतोष आनंद, डॉ नन्देश्वर कुमार, डॉ सत्यभामा, डॉ.नेहा कुमारी, डॉ. भारती कुमारी, डॉ रीता कुमारी, डॉ राघवेन्द्र कुमार, डॉ. रामबचन कुमार, डॉ रामकृष्ण ठाकुर, डॉ ध्रुव देव कुमार आदि तथा स्वयंसेवकों में वैभव, विकाश, रिंकी, हरिओम, रूपा, रूचि, मीनाक्षी, निधि, गुड़िया, अमीषा, आशीष, छोटी, खुशी, खुशी मिश्रा, कल्याणी, निशा, लक्ष्मी, आरती, कमल, अनुकेश, करिश्मा, रौशन, बिकी, सचिन, रूची, अर्पिता, दिव्यम आदि उपस्थित थे। समारोह का समापन राष्ट्र-गान से हुआ।

पोषण पखवारा का उद्देश्य कुपोषण के विरुद्ध जन जागरुकता

जिले के सभी 3360 आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्रथम दिन जागरूकता रैलियों एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रमों का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेगूसराय। जिले में गुरुवार को पोषण पखवाड़ा का औपचारिक शुभारंभ जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री के मार्गदर्शन में किया गया। समेकित बाल विकास परियोजना कार्यालय के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान को स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग तथा जीविका के सहयोग से व्यापक जन-अभियान का स्वरूप दिया जा रहा है। अभियान के प्रथम दिन जिले के सभी 3360 आंगनबाड़ी केंद्रों पर जागरूकता रैलियों एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कुपोषण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा बच्चों, किशोरियों एवं गर्भवती महिलाओं के समग्र स्वास्थ्य एवं पोषण को सुनिश्चित करना है। इस वर्ष पोषण पखवाड़ा को केवल आहार तक सीमित न रखते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। इसके अंतर्गत पांच प्रमुख आयामों को अभियान का आधार बनाया गया है। पहला, पोषण (स्थानीय एवं मौसमी आहार) के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं एवं शिशुओं के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध मौसमी फल-सब्जियों एवं संतुलित आहार के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। दूसरा, संवाद (रिश्तों की गर्माहट) के माध्यम से अभिभावकों को बच्चों के साथ नियमित संवाद और गुणवत्तापूर्ण समय बिताने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जिससे उनके मानसिक एवं भावनात्मक विकास को बल मिल सके। तीसरा, शिक्षा (खेल-खेल में सीखना) के तहत बच्चों को खेल, गतिविधियों और रंग-बिरंगे शिक्षण सामग्री के माध्यम से सीखने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। चौथा, डिजिटल डिटॉक्स (तकनीक से दूरी) के अंतर्गत बच्चों को मोबाइल एवं टीवी के अत्यधिक उपयोग से दूर रखते हुए उन्हें खेलकूद, रचनात्मक गतिविधियों और सामाजिक सहभागिता की ओर प्रेरित किया जा रहा है। पाँचवां, सशक्तीकरण (आधुनिक आंगनवाड़ी) के माध्यम से जिले के आंगनवाड़ी केंद्रों को आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित कर उन्हें प्रभावी लर्निंग सेंटर के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।इस अवसर पर जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आईसीडीएस) ने कहा कि पोषण पखवाड़ा का उद्देश्य केवल शारीरिक कुपोषण को समाप्त करना ही नहीं, बल्कि बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास को भी सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि इस बार अभियान के दौरान विशेष रूप से डिजिटल डिटॉक्स और परिवारिक संवाद जैसे विषयों पर घर-घर जाकर अभिभावकों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों को आधुनिक शिक्षण संसाधनों से लैस कर उन्हें बच्चों के समग्र विकास के केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।आज प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत स्वास्थ्य संस्थानों पर आई गर्भवती महिलाओं को पोषण के प्रति जागरूक करते हुए शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही जीविका दीदियों, स्वयंसेवी संगठनों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से गांव-गांव में 'पोषण चौपाल' का आयोजन किया जा रहा है।

भागलपुर में चोरी गए 41 मोबाइल फोन संबंधित धारकों वापस किए

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। राज्य पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिले में चोरी या खोये मोबाइल फोन की बरामदगी हेतु चलाये गये ऑपरेशन मुस्कान के तहत कुल 41 फोन बरामद कर आज संबंधित मोबाइल फोन धारकों को सुपुर्द किया गया है। भागलपुर के वरीय पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव ने गुरुवार को यहां बताया कि इस अभियान के तहत जिले के विभिन्न हिस्सों में चोरी या खोये मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए नगर पुलिस अधीक्षक के निगरानी और पुलिस उपाधीक्षक (साइबर) की अगुवाई में विशेष टीम ने तकनीकी अनुसंधान के जरिए कुल 41 मोबाइल फोन को बरामद किया है। जिसकी कीमत करीब नौ लाख रुपए आंकी गई है।

उन्होंने बताया कि उक्त सभी मोबाइल फोन के वास्तविक धारकों को साइबर थाना में बुलाकर उन्हें मोबाइल फोन सुपुर्द किया गया। जिससे उन लोगों में काफी खुशी देखी गई। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर जिले भर में ऑपरेशन मुस्कान चलाया जा रहा है और इसके तहत चोरी या खोये हुए मोबाइल फोन की बरामदगी हेतु विशेष टीम कार्य कर रही है।

विटनेस डिपोजिशन सेंटर के लिए डीएम ने किया स्थल निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। जिला व सत्र न्यायाधीश, भागलपुर के पत्र के आलोक में भागलपुर व्यवहार न्यायालय परिसर में वल्नरेबल विटनेस डिपोजिशन सेंटर के निर्माण हेतु जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी ने आज न्यायालय परिसर के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान बार लाइब्रेरी के नीचे के स्थल को फिलहाल चिह्नित किया गया है। नगर निगम के द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र दिए जाने पर इस स्थल पर वलनरेबल विटनेस डिपोजिशन सेंटर का निर्माण कराया जाएगा। मौके पर सहायक समाहर्ता जतिन कुमार, अपर समाहर्ता दिनेश राम एवं जिला विधि शाखा के प्रभारी पदाधिकारी मीनाक्षी कुमारी मौजूद थे।

बिजली पोल से टकराया ट्रक, आपूर्ति ठप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बीहट। बरौनी प्रखण्ड क्षेत्र में गुरुबार की सुबह एक अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से बिजली का पोल और तार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना के कारण क्षेत्र के एक बड़े हिस्से में घंटों बिजली गुल रही। जिससे स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही सहायक विद्युत अभियंता विष्णुकांत ने मामले को गंभीरता से लिया। उनके निर्देश पर कनीय अभियंता मुन्ना कुमार बिजली मिस्त्रियों की टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुँचे। युद्धस्त मरम्मत कार्य शुरू किया गया ताकि बिजली आपूर्ति को जल्द से जल्दबहाल किया जा सके। ट्रक की जोरदार ठोकर से पोल टूटने और तार गिरने के कारण एक मुख्य ट्रांसफार्मर से जुड़ी विद्युत सेवा पूरी तरह ठप हो गई थी। लगभग 7 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त पोल को बदला गया और तारों को दुरुस्त कर बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से चालू की गई।मौके पर मौजूद टीम बिजली व्यवस्था को बहाल करने में विभाग के कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर मुख्य रूप से दीपक कुमार, सूर्यकांत दुबे अमित कुमार, मानव बल रामकुमार, चंदन कुमार एवं अन्य उपस्थित थे। विभाग ने सूचित किया कि सूचना मिलते ही टीम को काम पर लगा दिया गया था। फिलहाल क्षेत्र में बिजली व्यवस्था सामान्य है और उपभोक्ताओं को हो रही असुविधा को दूर कर लिया गया है।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय चक्का में दीक्षांत समारोह का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नावकोठी। प्रखण्ड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय चक्का में दीक्षांत समारोह का आयोजन गुरूवार को किया गया। इसका उद्घाटन प्रधानाध्यापक शंभू महतो, वरीय शिक्षक राजेश रमण ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। कार्यक्रम का संचालन शुभम कुमार ने किया। इसमें अष्टम वर्ग के उत्तीर्ण एवं प्राईमरी शिक्षा पूर्ण करने वाले 54 बच्चे को उपाधियाँ प्रदान की गई। विद्यालय प्रांगण में मोर्टार बोर्ड और गाउन पहने बच्चे सजे मंच और उत्साहित अभिभावकों की मौजूदगी का दृश्य किसी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह का एहसास करा रहा था। सरकारी स्कूल में इस तरह का कार्यक्रम बहुत कम ही देखने को मिलता है। कार्यक्रम की शुरुआत वर्ग अष्टम की छात्रा सोनम कुमारी द्वारा स्वागत गान से हुई। अष्टम के छात्र, छात्राओं द्वारा नाट्य रूपांतरण भी प्रस्तुत किया गया। जिसमें सृष्टि अनन्या, जूली, अभिलाषा, रानी, गीता सोनम एवं अन्य प्रतिभागी कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। विद्यालय के पूर्व छात्रा रीतिका एवं रानी द्वारा कविता की प्रस्तुति भी की गई। सचिव नीता देवी ने बच्चों को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन ग्रामीण के द्वारा ही कराकर गांव की सामाजिक परंपरा और जुड़ाव को भी जीवंत रखा गया। मौके पर शिक्षक शत्रुघ्न कुमार, प्रियदर्शन कुमार, साधना कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, सिकंदर सहनी, संजीत कुमार, देवकांत राय एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में वृद्ध की मौत

बीहट। जीरो माइल सहायक थाना क्षेत्र के रुंगटा पेट्रोल पंप गोलंबर के समीप बुधवार की रात्रि अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक 50 वर्षीय वृद्ध व्यक्ति की मौत हो गई। घटना एनएच-31 स्थित रुंगटा पेट्रोल पंप के पास की है। मृतक वृद्ध व्यक्ति सड़क पार कर रहे थे। तभी जीरो माइल की दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वृद्ध पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही जीरोमाइल सहायक थाना की पुलिस मौके पर पहुँची। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

नियमों के अनुसार, शव को अगले 72 घंटों के लिए सुरक्षित रखा गया है ताकि उनके परिजनों का पता लगाया जा सके।पुलिस फिलहाल आसपास के लोगों और सीसीटीवी फुटेज के जरिए मृतक की शिनाख्त करने और टक्कर मार कर भागने वाले वाहन का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

दिसंबर में आएगा एनएसई का आईपीओ

डीआरएचपी साइज और बैंकर्स की पूरी डिटेल

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के आईपीओ को लेकर एक बड़ी खबर आ रही है। एनएसई अपने को दिसंबर 2026 के अंत तक लाने का लक्ष्य रखा है। इस ऐतिहासिक आईपीओ को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं और यह भारतीय शेयर बाजार की अब तक की सबसे बड़े से एक हो सकता है। हालांकि,

एनएसई की ओर से अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सटीक जानकारी के लिए कंपनी के रेगुलेटरी फाइलिंग का इंतजार करें। सूत्रों के हवाले से बताया है कि एनएसई जून 2026 के अंत से पहले अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस सेबी के पास दाखिल कर सकता है। हालांकि, एक्सचेंज की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। अपने आईपीओ को सफल बनाने के लिए एनएसई ने 20 मर्चेंट बैंकरों को नियुक्त किया है। यह किसी भी भारतीय पब्लिक इश्यू के लिए अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। इसके अलावा, रेगुलेटरी, डॉक्यूमेंटेशन और कंप्लायंस से जुड़े मामलों के लिए 8 लॉ फर्म भी चुनी गई हैं। एनएसई की आईपीओ समिति, जिसके चेयरमैन श्रीनिवास हैं, ने एक फेयर प्रोसेस के तहत इन नियुक्तियों को मंजूरी दी। एनएसई आईपीओ क्यों है महत्वपूर्ण इसकी कई वजहे हैं। देश का सबसे बड़ा एक्सचेंज है और भारत में ट्रेडिंग वॉल्यूम के लिहाज से नंबर-1 है। कई सालों से रेगुलेटरी मंजूरी और कानूनी मामलों के चलते यह आईपीओ टाला जाता रहा है। यह निवेशकों के लिए सुनहरा मौका है।

एक्सचेंज के शेयर खरीदने का यह पहली बार मौका होगा, जिसमें देश-विदेश के बड़े निवेशक अपनी दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

एनएसई के आईपीओ पर क्या कह रहे मार्केट एक्सपर्ट्स्न

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि हस्थ्र का इंडियन कैपिटल मार्केट के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा। 20 मर्चेंट बैंकरों की मौजूदगी इस बात का संकेत है कि एक्सचेंज इस इश्यू को हर पहलू से चाक-चौबंद बनाना चाहता है। हालांकि, निवेशकों को सेबी की मंजूरी और बाजार की स्थितियों पर भी नजर रखनी चाहिए।

कितती हिस्सेदारी बिकेगी और कितना होगा इश्यू साइज

पहले जारी रिपोर्ट्स के अनुसार, एनएसई अपने आईपीओ के जरिए ऑफर-फॉर-सेल के तहत 4-5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रहा है। इस रूट से मौजूदा शेयरहोल्डर्स अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे, कंपनी को नया फंड नहीं मिलेगा। अनुमान है कि इस इश्यू का साइज 20,000 करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है, जो इसे देश के सबसे में शुमार कर देगा।

24 से सीधे 35 पर पहुंचा स्टॉक

मात्र 10 दिन में करीब 50 प्रतिशत तक उछले ईवी कंपनी के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक व्हीकल सेक्टर में तेजी के बीच ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों ने हाल के दिनों में शानदार वापसी की है। 30 मार्च के बाद से स्टॉक में आई तेजी ने निवेशकों का ध्यान फिर से इस कंपनी की ओर खींच लिया है। आंकड़ों पर नजर डालें तो 30 मार्च को ओला इलेक्ट्रिक का शेयर 23.98 पर खुला था, जबकि 9 अप्रैल को यह 30.30 पर ओपन हुआ और तेजी पकड़ते हुए 35.30 तक पहुंच गया। आइए जरा विस्तार से इसकी रैली को समझते हैं।

47 प्रतिशत की जबरदस्त ग्रोथ: अगर इस पूरे मूवमेंट को प्रतिशत में देखें, तो 23.98 से 35.30 तक का उछाल करीब 47 प्रतिशत की जबरदस्त ग्रोथ को दर्शाता है, यानी महज कुछ ही दिनों में निवेशकों को लगभग आधा रिटर्न मिल गया, जो किसी भी शॉर्ट टर्म रैली के लिहाज से काफी मजबूत माना जाता है।

9 अप्रैल को जबरदस्त तेजी: ओला इलेक्ट्रिक के शेयर में आज 9 अप्रैल 2026 को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। खबर लिखे जाने तक यह शेयर करीब 15.33 प्रतिशत उछलकर 34.91 पर कारोबार कर रहा था। दिनभर की ट्रेडिंग

में स्टॉक ने मजबूत खरीदारी दिखाई, जिससे साफ है कि निवेशकों का भरोसा एक बार फिर इस ईवी कंपनी पर बढ़ रहा है।

इस मूवमेंट की बड़ी वजह: आपको बता दें कि मार्च 2026 में ओला इलेक्ट्रिक की बिक्री में जबरदस्त उछाल देखा गया है। कंपनी की बिक्री में 150 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि देखने को मिली है। पिछले महीने कंपनी की 10,117 गाड़ियां बिकीं। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण सर्विस ऑपरेशन्स में सुधार है। इसके चलते कंपनी को पिछले महीने के आखिरी में हर दिन 1,000 से ज्यादा ऑर्डर मिला है। इस तेजी के पीछे कंपनी की हालिया घोषणाएं और ईवी सेक्टर में बढ़ती उम्मीदें बड़ी वजह मानी जा रही हैं। खासकर कंपनी की नई बैटरी टेक्नोलॉजी और प्रोडक्शन अपडेट ने बाजार में पॉजिटिव सेंटिमेंट बनाया है। इसके अलावा पहले आई भारी गिरावट के बाद इस स्टॉक में बाउंस बैक की स्थिति भी देखने को मिल रही है, जिससे ट्रेडर्स और शॉर्ट टर्म निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है।

हालांकि, यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि इतनी तेज रैली के बाद स्टॉक में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि इस तरह की तेजी के बाद मुनाफावसूली भी देखने को मिल सकती है। ओला इलेक्ट्रिक का यह प्रदर्शन दिखाता है कि सही खबर और बाजार के मूड के साथ स्टॉक कितनी तेजी से ऊपर जा सकता है। लेकिन, निवेशकों को हमेशा जोखिम को ध्यान में रखते हुए ही फैसला लेना चाहिए।

सीजफायर से क्रिप्टो मार्केट में रौनक, बिटकॉइन 3 हफ्ते के हाई पर

नईदिल्ली, एजेंसी। ईरान-अमेरिका युद्ध में सीजफायर के बाद बिटकॉइन की कीमतें तीन हफ्ते के हाई पर पहुंच गई हैं। न्यूयॉर्क ट्रेडिंग में बिटकॉइन 5 प्रतिशत चढ़कर 72,841 डॉलर तक पहुंच गया, जो 18 मार्च के बाद सबसे ऊंचा स्तर है। हालांकि, बाद में इसमें हल्की मुनाफावसूली भी देखने को मिली। तेजी सिर्फ बिटकॉइन तक सीमित नहीं रही। ईथेरियम भी 7.5 प्रतिशत उछलकर 2,273 डॉलर तक पहुंच गया। यानी पूरे क्रिप्टो मार्केट में निवेशकों का भरोसा लौटा है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर हमले रोकने के फैसले ने ग्लोबल मार्केट में पॉजिटिव माहौल बना दिया। इसके बाद शेयर बाजारों में तेजी आई और कच्चे तेल की कीमतें गिरकर 95 डॉलर से नीचे आ गईं। होर्मूज स्ट्रेट के फिर से खुलने की उम्मीद ने निवेशकों का डर कम किया, जिससे जोखिम वाले ऐसेट्स जैसे क्रिप्टो में खरीदारी बढ़ी। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यह तेजी स्थायी नहीं भी हो सकती। अगर सीजफायर टूटता है, तो बिटकॉइन फिर से गिरकर 66,000 डॉलर तक जा सकता है। युद्ध शुरू होने के बाद से बिटकॉइन 60,000 से 75,000 डॉलर के बीच ही झूल रहा है। तेजी ने उन ट्रेडर्स को नुकसान पहुंचाया, जो गिरावट पर दांव लगा रहे थे। डेटा के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में 250 मिलियन डॉलर से ज्यादा की शॉर्ट पोजीशन खत्म हो गई।

हम विश्व युद्ध के दौर में हैं, निवेशक रे डालियो ने दी चेतावनी, जोखिम को कम आंक रहे बाजार

नईदिल्ली, एजेंसी। जाने-माने निवेशक रे डालियो ने चेतावनी दी है। उनके अनुसार, ग्लोबल मार्केट युद्ध के आने वाले जोखिमों को शायद कम आंक रहे हैं। हाल के भू-राजनीतिक घटनाक्रम एक लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष की ओर इशारा करते हैं। ये विश्व व्यवस्था को नया रूप दे सकता है। इसके चलते एसेट की कीमतों पर दबाव पड़ने की आशंका है।

रे डालिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर किया है। डालियो ने कहा कि निवेशक का फोकस ईरान संघर्ष जैसी शॉर्ट-टर्म की घटनाओं पर बहुत ज्यादा हैं। वहीं, वे गहरे संरचनात्मक बदलावों को नजरअंदाज कर रहे हैं। उन्होंने लिखा, 'बाजार यह मानकर चल रहे हैं कि यह युद्ध ज्यादा समय तक नहीं चलेगा। जब यह खत्म होगा तो हम फिर से सामान्य स्थिति में लौट आएंगे। यह धारणा गलत साबित हो सकती है।' इसे डालयिो ने बिना किसी औपचारिक घोषणा के 'क्लासिक वर्ल्ड वॉर के डायनेमिक' बताया है। शेयर बाजार के लिए इसका मतलब यह है कि जोखिम का माहौल उम्मीद से ज्यादा समय तक बना रह सकता है। डालियो ने ऐतिहासिक पैटर्नों की ओर इशारा किया। इनसे पता चलता है कि भू-राजनीतिक विभाजन, बढ़ते कर्ज और बदलते गठबंधनों वाले दौर अक्सर वित्तीय बाजारों में अस्थिरता और भविष्य में कमजोर रिटर्न के साथ

मेल खाते हैं।

जाने-माने निवेशक ने कहा कि मौजूदा दौर पहले के दौर जैसा ही है, जैसे कि प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध से पहले के वर्ष, जब तनाव धीरे-धीरे बढ़ा था। फिर आखिरकार बड़े संघर्षों में बदल गया। उन्होंने कहा, 'हम लड़ाई शुरू होने से पहले के चरण से लड़ाई वाले चरण की ओर ट्रांजिशन के दौर में हैं।' साथ ही यह भी चेतावनी दी कि इसकी कोई सटीक समय-सीमा नहीं है। लेकिन, संकेत बढ़ते तनाव की ओर इशारा कर रहे हैं। रे डालियो ने नतीजों को निर्धारित करने में गठबंधनों के महत्व को भी हाईलाइट किया। उनके अनुसार, चीन और रूस जैसे देश ईरान और अन्य सहयोगियों के साथ तेजी से जुड़ रहे हैं। वहीं, अमेरिका और उसके सहयोगी विरोधी गुट बना रहे हैं। कूटनीतिक कार्यों और आर्थिक संबंधों में दिखाई देने वाले ये गठबंधन भू-राजनीतिक नतीजों और बाजार की दिशा दोनों को प्रभावित करेंगे। एनर्जी डायनेमिक्स एक और महत्वपूर्ण फैक्टर है। हालांकि, होर्मुज स्ट्रेट जैसे प्रमुख मार्गों में आने वाली बाधाएं ग्लोबल अस्थिरता को बढ़ा सकती हैं। लेकिन, डालियो ने कहा कि कुछ देश दूसरों की तुलना में बेहतर स्थिति में हैं। अमेरिका को एनर्जी एक्सपोर्टर होने का फायदा मिलता है।

अमेरिका की बढ़ी रही हैं मुश्कलिें

एक मुख्य चिंता प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में अमेरिका पर पड़ने वाला दबाव है। डालियो ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका के पास वर्तमान में दर्जनों देशों में सैकड़ों सैन्य अड्डे हैं। उसे कई मोर्चों पर अपनी प्रतिबद्धताएं निभानी पड़ रही हैं। इससे उसके संसाधनों पर जरूरत से ज्यादा बोझ पड़ने का खतरा बना हुआ है। ऐतिहासिक रूप से ऐसी स्थितियों ने प्रमुख शक्तियों को कमजोर किया है। ग्लोबल हाइआर्की यानी ग्लोबल पदानुक्रम को बदल दिया है।

चांदी के भाव 2 प्रतिशत टूटे, सोना भी दबाव में

नईदिल्ली, एजेंसी। कमोडिटी मार्केट में गुरुवार, 9 अप्रैल को सोना और चांदी दोनों में कमजोरी देखने को मिली। स्न्न्न्ष्ठ पर चांदी करीब 2 प्रतिशत गिरकर 2,35,133 प्रति किलो पर आ गई, जबकि सोना 0.7 प्रतिशत यानी 1,129 टूटकर 2,39,918 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इंटरनेशनल मार्केट में भी यही ट्रेंड देखने को मिला। स्पॉट सिल्वर 73.83 डॉलर प्रति औंस पर फिसल गई, जबकि सोना 4,715 डॉलर प्रति औंस के आसपास स्थिर, लेकिन दबाव में रहा।

सोना-चांदी के भाव में गिरावट की सबसे बड़ी वजह अमेरिका और ईरान के बीच घोषित युद्धविराम पर बढ़ती अनिश्चितता है। हालात, पूरी तरह शांत नहीं हैं। इजरायल द्वारा लेबनान में बड़े हमले और ईरान की चेतावनी ने बाजार की चिंता बढ़ा दी है। इसके अलावा होर्मुज स्ट्रेट अब भी पूरी तरह सामान्य नहीं हुआ है, जिससे ग्लोबल सप्लाई को लेकर डर बना हुआ है।

कच्चे तेल की कीमतों में फिर से तेजी देखने को मिली है। ब्रेंट और क्रूड दोनों 97 प्रति बैरल के ऊपर कारोबार कर रहे हैं। तेल

कच्चे तेल की कीमतों में फिर से तेजी

महंगा होने से महंगाई बढ़ने का खतरा बढ़ता है, जिससे केंद्रीय बैंक ब्याज दरें ऊंची रख सकते हैं। यही वजह है कि सोना और चांदी जैसे बिना ब्याज वाले निवेश दबाव में आ जाते हैं।

डॉलर और फेड की नीति का असर: डॉलर इंडेक्स में स्थिरता भी कीमती धातुओं पर दबाव बना रही है। मजबूत डॉलर से सोना-चांदी महंगे हो जाते हैं, जिससे उनकी मांग कम होती है। वहीं, फेडरल रिजर्व के संकेत भी बाजार को प्रभावित कर रहे हैं। अगर महंगाई उम्मीद से ज्यादा रहती है, तो ब्याज दरों में कटौती टल सकती है या बढ़ोतरी भी हो सकती है।

निवेशकों की नजर अहम डेटा पर: बाजार अब अमेरिकी महंगाई डेटा और जॉब्लेस क्लेम्स पर टिकी है। ये आंकड़े तय करेंगे कि आगे फेड की नीति क्या रहेगी और सोना-चांदी का रुख किस दिशा में जाएगा।

क्या यह खरीदारी का सही समय है: मौजूदा हालात में बाजार पूरी तरह खबरों पर आधारित है। ऐसे में जल्दबाजी में बड़े निवेश से बचना बेहतर माना जा रहा है। गिरावट के दौरान धीरे-धीरे निवेश करना समझदारी हो सकती है। खासकर चांदी में ज्यादा उतार-चढ़ाव होता है, इसलिए इसमें निवेश करते समय अतिरिक्त सावधानी जरूरी है। ऑगमोंट में रिसर्च हेड, रेनीशा चैनानी के अनुसार तकनीकी स्तर अभी भी पॉजिटिव संकेत दे रहे हैं। चांदी 76.5 के ऊपर मजबूत ब्रेकआउट दे सकती है, जहां से 82-87 तक जाने की संभावना है। वहीं, सोना 4,800 के ऊपर टिकता है तो 5,000 तक की तेजी दिखा सकता है।

पड़ोसी देशों में पेट्रोल-डीजल 128 प्रतिशत तक महंगा

नईदिल्ली, एजेंसी। ईरान युद्ध के बाद जब कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ीं, तो इसका असर दुनिया के अधिकतर देशों पर पड़ा। पड़ोसी म्यांमार में डीजल के रेट में 128.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई तो पेट्रोल का दाम 93.9 प्रतिशत बढ़ गया, लेकिन भारत एक दिलचस्प स्थिति में है। आज भी दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये लीटर है। एक तरफ यह दुनिया का बड़ा तेल आयातक देश है, वहीं दूसरी तरफ यहां सरकार कीमतों को पूरी तरह बाजार पर नहीं छोड़ती। यही कारण है कि वैश्विक उछाल के बावजूद भारत में फिलहाल पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर दिखाई दे रही हैं।

म्यांमार से पाकिस्तान तक पेट्रोल-डीजल हुआ महंगा

ग्लोबल पेट्रोल प्राइसेज डॉट कॉम के 6 अप्रैल तक के जारी आंकड़ों के मुताबिक पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने वाले टॉप-10 देशों में म्यांमार, फिलीपींस, मलेशिया, कंबोडिया, पाकिस्तान, लाओस, जिमबाब्वे, यूएई, वियतनाम और पनामा हैं। यहां युद्ध के बाद से पेट्रोल 38.5 प्रतिशत से लेकर 93.9 प्रतिशत महंगा हुआ है। जबकि, डीजल के

दाम में 38.8 प्रतिशत से 169.5 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है।

युद्ध के बाद से पेट्रोल के दाम बढ़ाने वाले टॉप-10 देश: म्यांमार 93.9 प्रतिशत, फिलीपींस 68.7 प्रतिशत, मलेशिया 52.4 प्रतिशत, कंबोडिया 49.4 प्रतिशत, पाकिस्तान 46.6 प्रतिशत, लाओस 45.6 प्रतिशत, जिमबाब्वे 42.9 प्रतिशत, यूएई 40.8 प्रतिशत, वियतनाम 39.0 प्रतिशत, पनामा 38.5 प्रतिशत

युद्ध के बाद से डीजल के दाम बढ़ाने वाले टॉप-10 देश

1. लाओस 169.5 प्रतिशत
2. वियतनाम 141.8 प्रतिशत
3. म्यांमार 128.5 प्रतिशत
4. फिलीपींस 128.0 प्रतिशत
5. कंबोडिया 118.7 प्रतिशत
6. मलेशिया 101.3 प्रतिशत
7. पाकिस्तान 88.7 प्रतिशत
8. यूएई 86.1 प्रतिशत
9. लेबनान 76.7 प्रतिशत
10. न्यूजीलैंड 76.3 प्रतिशत

डीए के ऐलान में हो रही देरी, 1.2 करोड़ कर्मचारियों की नजर सरकार के फैसले पर

नईदिल्ली, एजेंसी। जनवरी-जून 2026 के महंगाई भत्ते बढ़ोतरी का इंतजार इस बार लंबा हो गया है। अप्रैल शुरू होने के बावजूद सरकार ने अभी तक कोई घोषणा नहीं की है। पिछले 10 सालों के

ट्रेंड को देखें तो जनवरी साइकिल का आमतौर पर मार्च तक घोषित हो जाता था, लेकिन 2026 में पहली बार ऐसा हुआ है कि मार्च गुजर गया और फैसला नहीं आया। इस देरी के चलते 1.2 करोड़ से ज्यादा केंद्रीय कर्मचारी और पेंशनर्स अब सरकार के अगले कदम पर नजर बनाए हुए हैं। वजह से नहीं, बल्कि प्रक्रियात्मक कारणों से हो रही है। डीए अब 60 प्रतिशत के करीब पहुंच रहा है, इसलिए वित्तीय मंजूरी और कैलकुलेशन में ज्यादा सावधानी बरती जा रही है। इसके अलावा 1 जनवरी 2026 से लागू हो रहे 8वें वेतन आयोग के ट्रांजिशन का भी असर इस टाइमिंग पर पड़ रहा है। सरकार इस बार डीए ऐलान को नए वित्तीय वर्ष (2026-27) के साथ जोड़कर जारी कर सकती है। फिलहाल केंद्रीय कर्मचारियों को 58 प्रतिशत डीए मिल रहा है। इस बार करीब 2 प्रतिशत बढ़ोतरी की उम्मीद है, जिससे बढ़कर 60 प्रतिशत हो सकता है। यह एक महत्वपूर्ण स्तर माना जाता है और 7वें वेतन आयोग के बाद का पहला बड़ा बदलाव भी होगा। इस देरी से कर्मचारियों के अधिकारों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। डीए बढ़ोतरी का मूल नियम वही है, महंगाई के आधार पर साल में दो बार संशोधन। यानी जब भी घोषणा होगी, डीए 1 जनवरी 2026 से लागू माना जाएगा और कर्मचारियों को पूरा एरियर मिलेगा। हालांकि, एरियर मिल जाएगा, लेकिन देरी का असर फिलहाल कर्मचारियों की जेब पर पड़ रहा है। कर्मचारी अभी पुरानी सैलरी के आधार पर बढ़ती महंगाई का सामना कर रहे हैं, जिससे खर्च और सेविंग प्लानिंग पर दबाव बढ़ रहा है। उदाहरण के तौर पर, अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी 56,100 है, तो जनवरी से मार्च तक का एरियर करीब 6,700 से 7,000 तक हो सकता है।

विश्व बैंक ने बढ़ा दिया ग्रोथ का अनुमान, दे दी शाबाशी

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर होते ही भारत के लिए गुड न्यूज आई है। विश्व बैंक ने बुधवार को भारत के ग्रोथ के अनुमानों को बढ़ा दिया है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए ऐसा किया गया है। उसने पिछले अक्टूबर को भारत के विकास अनुमान को 6.3 प्रतिशत रखा था। अब इसे बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। इसका कारण मजबूत घरेलू मांग और निर्यात में शानदार प्रदर्शन बताया गया है। हालांकि, विश्व बैंक ने यह भी कहा कि मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष से पैदा हुई मुश्किलों के कारण पिछले वर्षों की तुलना में विकास की रफ्तार थोड़ी धीमी रहने की उम्मीद है। गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) में कटौती से वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में उपभोक्ता मांग को बढ़ावा मिलने की संभावना है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की ऊंची कीमतें महंगाई बढ़ा सकती हैं। साथ ही इसके चलते परिवारों की खर्च करने की क्षमता भी सीमित होने का डर है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'भारत में मजबूत मांग, खाने-पीने की चीजों की कीमतों का सामान्य होना और ऊर्जा की बढ़ती कीमतें वित्त वर्ष 2026-27 में महंगाई को ऊपर ले जा सकती हैं।' बढ़ती अनिश्चितता और उत्पादन लागत में बढ़ोतरी के कारण निवेश में भी धीमी रफ्तार से बढ़ोतरी की संभावना है। भले ही भारत के निर्यात को अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) जैसे बाजारों तक बेहतर पहुंच से फायदा मिल सकता है।

पूरे दक्षिण एशिया के लिए अनुमान घटाया

लंबे समय में मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से व्यापार में बढ़ोतरी को सहारा मिलने की उम्मीद है। विश्व बैंक ने इस बात पर जोर दिया कि ईयू और ब्रिटेन के साथ भारत के स्न्न्न्न सभी आय वर्गों के लोगों के बीच उपभोग और वास्तविक आय को बढ़ा सकते हैं। पूरे दक्षिण एशिया में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 2025 के 7 प्रतिशत से घटकर 2026 में 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसका मुख्य कारण वैश्विक ऊर्जा बाजारों में आई रुकावटें हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2025 में उम्मीद से ज्यादा मजबूत विकास दर का मुख्य श्रेय भारत की घरेलू मांग और श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में आई तेजी को जाता है। औद्योगिक नीतियों के मामले में दक्षिण एशिया की मिली-जुली सफलता का एक कारण इस क्षेत्र के कुछ देशों में नीतियों को लागू करने की सीमित क्षमता, वित्तीय गुंजाइश और बाजार का छोटा आकार होना है।

फ्रांजिस्का ओन्सॉर्गे, मुख्य अर्थशास्त्री, विश्व बैंक समूह (दक्षिण एशिया)

इस अल्पकालिक मंदी के बावजूद क्षेत्र के अन्य उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से आगे निकलने का अनुमान है। इसमें भारत विकास का मुख्य इंजन बना रहेगा। मजबूत घरेलू मांग, टैरिफ में कटौती और हाल ही में हुए व्यापार समझौते इस अनुमान के प्रमुख आधार हैं। विश्व बैंक के दक्षिण एशिया के उपाध्यक्ष जोहान्स जुट ने कहा, 'मुश्किल वैश्विक माहौल के बावजूद दक्षिण एशिया के विकास की संभावनाएं मजबूत बनी हुई हैं।' उन्होंने विकास को बनाए रखने, रोजगार पैदा करने और मजबूती बढ़ाने के लिए नीतिगत सुधारों की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में सुधार, व्यापार में रुकावटें हटाना, कारोबार के लिए अनुकूल माहौल बनाना और निजी पूंजी जुटाना जैसे कदम बहुत अहम होंगे।

यामी गौतम ने इस बात को लेकर की सारा अर्जुन की तारीफ

फिल्म 'धुरंधर 2' की कामयाबी से आदित्य धर के साथ उनकी पत्नी यामी गौतम भी खुश हैं। उन्होंने 'धुरंधर 2' की लीड एक्ट्रेस सारा अर्जुन की तारीफ की है। उन्होंने युवा अभिनेत्री के अभिनय और लगन की जमकर सराहना की है। आइए देखते हैं कि यामी ने सारा अर्जुन के बारे में क्या कहा?

सारा अर्जुन की पोस्ट में क्या है?

हाल ही में सारा अर्जुन ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने फिल्म के सेट के पीछे की तस्वीरें शेयर की। एक लंबे नोट में, उन्होंने आदित्य धर, प्रोडक्शन हाउस, कॉस्ट्यूम डिजाइनरों, कास्टिंग डायरेक्टर, एडिटर, सिनेमैटोग्राफर और फिल्म पर काम करने वाले हर व्यक्ति के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपनी पोस्ट का समापन इन शब्दों के साथ किया, 'एक्टर पोस्टर पर दिखने वाले चेहरे होते हैं, लेकिन आप इस सिनेमा की रीढ़ हैं। धुरंधर की पूरी टीम का धन्यवाद।' इस पोस्ट पर यामी गौतम ने कमेंट किया। उन्होंने सारा की तारीफ की। उन्होंने

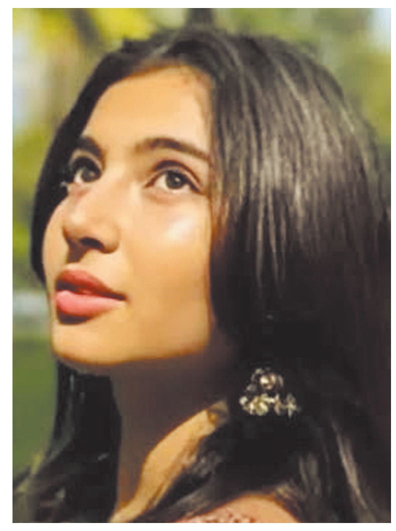

लिखा 'तुम ही आज और कल हो, सारा... तुमने जो किया है, उस पर मुझे बहुत गर्व है।' इस पोस्ट पर सारा अर्जुन ने रिप्लाई करते हुए लिखा 'आभार जताने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं।'

आदित्य धर ने किया रिप्लाई

सारा की पोस्ट पर कमेंट करते हुए आदित्य धर ने लिखा 'जिस तरह से आप चीजों को महसूस करती हैं, उसमें एक हिम्मत है। जिस तरह से आप दुनिया को दिखाती हैं, उसमें गरिमा है। इस सफर पर भरोसा करने के लिए और ईमानदारी के साथ डटे रहने के लिए आपका धन्यवाद।' एकता कपूर ने बताई 'भूत बंगला' के टलने की असली वजह, 'धुरंधर: द रिवेंज' को लेकर कही ये बात

'धुरंधर 2' में सारा का किरदार

'धुरंधर 2' में जहां रणवीर सिंह ने हमजा अली का किरदार निभाया है। वहीं सारा अर्जुन ने इसमें उनकी पत्नी यलीना का किरदार निभाया है। इसमें संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, आर माधवन और राकेश बेदी भी अहम किरदारों में हैं।

'बॉर्डर 2' के बाद फिर एक्शन पैक फिल्म की शूटिंग में लगे सनी देओल

'बॉर्डर 2' जैसी दमदार फिल्म की सफलता के बाद सनी देओल अगली फिल्म की तैयारियों में लग चुके हैं। वे फिलहाल इस फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। उन्होंने मुंबई का शूटिंग शेड्यूल पूरा कर लिया है और अब वे गोआ में बचे हुए सीन शूट करेंगे। इस फिल्म में उनके साथ कुछ और खास कलाकार शामिल होंगे।

फिल्म की कहानी

फिल्म की कहानी गोवा में फैले एक क्राइम सिंडिकेट के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें सनी देओल एक पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे, जो इस गैंग को खत्म करने की कोशिश करता है। इसलिए फिल्म के सबसे बड़े एक्शन सीन भी यहीं प्लान किए गए हैं।

ये होगी फिल्म की कास्ट

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल 'एंटनी' फिल्म में नजर आने वाले हैं। ये एक एक्शन फिल्म होगी। फिल्म में सनी देओल के साथ ज्योतिका और विजय वर्मा भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे, जिसमें विजय वर्मा विलेन का किरदार निभा रहे हैं। 'एंटनी' खास इसलिए भी है क्योंकि यह पहली बार है जब प्रोड्यूसर फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी सनी देओल के साथ काम कर रहे हैं।

अब गोवा में होगी शूटिंग

बता दें कि उन्होंने फिल्म के लिए मुंबई शेड्यूल पूरा कर लिया है। अब वह अगले शेड्यूल के लिए गोवा जा रहे हैं, जहां वह डायरेक्टर बालाजी गणेश के निर्देशन में जबरदस्त एक्शन सीन शूट करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, गोवा में लगभग एक महीने का लंबा शेड्यूल होगा, जो फिल्म के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। यहां फिल्म के बड़े-बड़े एक्शन सीक्वेंस शूट किए जाएंगे, जो कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे।
फिल्म में होंगे दमदार एक्शन सीन
एक बड़े एक्शन सीन में तेज रफ्तार से गाड़ियों का पीछा करना दिखाया जाएगा, जो गोवा की सड़कों पर शूट होगा। इसके बाद समुद्र किनारे जोरदार फाइट सीन भी देखने को मिलेगा। सूत्रों के मुताबिक बताया कि टीम एक नाइट शूट की भी तैयारी कर रही है, जिसमें धमाके और खतरनाक स्टंट्स होंगे। खास बात यह है कि सनी देओल इन एक्शन सीन का बड़ा हिस्सा खुद करते नजर आएंगे।

वर्दी पहनते ही रीढ़ की हड्डी को अकड़ मिल जाती है

एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर सुर्खियों में हैं। इसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस बीच हाल ही में एक्टर ने क्विज रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में सेनाधिकारी की भूमिका अदा करने का अनुभव शेयर किया। उन्होंने सेना की वर्दी पहनने पर कुछ ऐसा कहा, जिसने लोगों का दिल जीत लिया है।
अक्षय ने एक सेनाअधिकारी की वर्दी पहनने के बाद भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक रूप से होने वाले बदलाव का जिक्र किया। अक्षय कुमार ने कहा, 'एक बात मैं सब से जरूर कहना चाहूंगा कि जब आदमी वर्दी पहनता है ना, अपने आप रीढ़ की हड्डी को एक अकड़ मिल जाती है। मुझे नहीं पता क्या है? आप सूट पहनो, अकड़ नहीं मिलेगी। लेकिन, जब आप वर्दी पहनते हो, रीढ़ की हड्डी में पता नहीं कहां से वो जोश आता है...तड़ाक कर के सीधी हो जाती है'।

'रुस्तम' का अनुभव किया साझा

अक्षय कुमार ने सेना के अधिकारी की भूमिका निभाने को लेकर कहा कि किसी भूमिका के लिए वर्दी पहनने से भी मुद्रा और माइंडसेट में बदलाव आता है। उन्होंने आगे कहा, 'जैसा मैं 'रुस्तम' फिल्म के अंदर खड़ा था, मुझे नहीं लगता मैं हमेशा ऐसा खड़ा हो सकता हूं। वो नकली वर्दी थी, लेकिन वर्दी की बात ही अलग होती है'। बता दें कि अक्षय ने फिल्म 'रुस्तम' में नेवी ऑफिसर की भूमिका अदा की। इस फिल्म में अपने प्रदर्शन के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था।

कब रिलीज होगी 'भूत बंगला'

अक्षय ने फिल्म से जुड़ी कुछ लाइनें सुनाते हुए कहा, 'मेरी वर्दी मेरी आदत है, जैसे सांस लेना। अपने देश की रक्षा करना, ये झिझक के बिना, निस्वार्थ अपना फर्ज निभाना। मुझे अभी भी सारी लाइनें याद हैं'।
बात करें अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' की तो यह फिल्म 16 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

हमारे यहां हिंदुस्तान में कभी हुनर की कद्र नहीं की जाती

मनोज बाजपेयी बीते दिनों इंटरनैशनल फिल्म फेस्टिवल दिल्ली के एक सेशन में शामिल हुए, तो पुराने दिनों को भी याद किया, जब 18 साल की उम्र में वह बिहार के अपने गांव से एक्टिंग सीखने के लिए राष?ट्रीय राधानी आए थे। वह संघर्ष, अनिश्चितता और इंडस्ट्री में 32 साल लंबा समय बिताने, जिसके बारे में वह सोचते थे कि यहां पर स्टार्स को ही तवज्जो मिलती है। उनका मानना है कि यह इंडस्ट्री, साथ ही मीडिया और दर्शक भी फिल्म स्टार्स के पीछे पागल हैं और कई टैलंटेड एक्टर्स को समय पर उनका हक नहीं देते।

2012 में जब आप 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के प्रीमियर के लिए Cannes में थे, तब आपने कहा था कि इंडियन मीडिया हमारी बात नहीं करता। अब आप क्या सोचते हैं?

हमारे हिंदुस्तान में टैलंट को कभी सेलिब्रेट ही नहीं किया गया। आप किस चीज को सेलिब्रेट कर रहे हैं? आज अगर आप सोशल मीडिया पर जाइए, तो जो फिल्म हिट हो रही है, उनकी परफॉर्मेंस की चर्चा नहीं होती। डायरेक्टर के ब्रिलियंट क्राफ्ट की चर्चा नहीं होती। कौन से एक्टर ने कितना बढ़िया काम किया, उसकी बात नहीं होती है। हम बात क्या करते हैं? आज 100 करोड़ पार कर गया, कल 150 करोड़ हो जाएगा, कोई दूसरा कहता है, नहीं 200 हो जाएगा। फिल्में नंबर्स के तौर पर सेलिब्रेट होती हैं या फिर बात होती है कि उस ऐक्टर का हेयरस्टाइल कितना बढ़िया है, उसने कौन से डिजाइनर की ड्रेस पहनी है। हम लोग फिल्मों के बारे में या किसी भी काम को लेकर, हम ना टैलंट की बात करते हैं, ना क्राफ्ट की बात करते हैं। हमने अपने आपको एक दर्शक के तौर पर, एक मीडिया के तौर पर उसी दायरे में रखा है।

फिल्म की पहचान अगर पैसे से होती है, तो कलाकार की पहचान भी उस पैसे से होती है कि वह कितनी फीस मांग रहा है? क्या अब भी वही चल रहा है या कुछ बदला है?

एक हीरो ने बहुत अच्छी बात मुझसे कही थी। मैं नाम नहीं लूंगा। मैंने उससे कहा- भाई आप बहुत सिक्यॉर एक्टर हो यार। तो उन्होंने कहा कि यार बहुत सीधी सी बात है। तू बहुत बढ़िया काम कर रहा है। लेकिन अगर फिल्म हिट हो गई तो तेरे 400 रुपये बढ़ेंगे और मेरे 4 लाख रुपये बढ़ेंगे। तो आप समझ सकते हैं कि हम कहां पर हैं! इसी सिस्टम से लड़ाई करते हुए मुझे इतने साल हो गए हैं। और मैं बड़े फख्र के साथ कहता हूं कि बहुत सारी फिल्में, बहुत बड़ी-बड़ी फिल्में मेरे पास आईं और मैंने नहीं कीं, क्योंकि जो सेकेंड्री रोल्स कर रहे हैं, उनकी सेकेंड क्लास सिटीजन की पदवी है, चाहे वह सुविधा के स्तर पर हो, चाहे पैसे के स्तर पर। लेकिन इसी से मेरी लड़ाई थी। इसलिए मैंने कोशिश यही की कि पहले तो मैं करूं ही नहीं मल्टी-स्टारर, क्योंकि यह बेइज्जती सा लगता है।

अवॉर्ड कंट्रोवर्सी पर राजपाल यादव ने तोड़ी चुप्पी

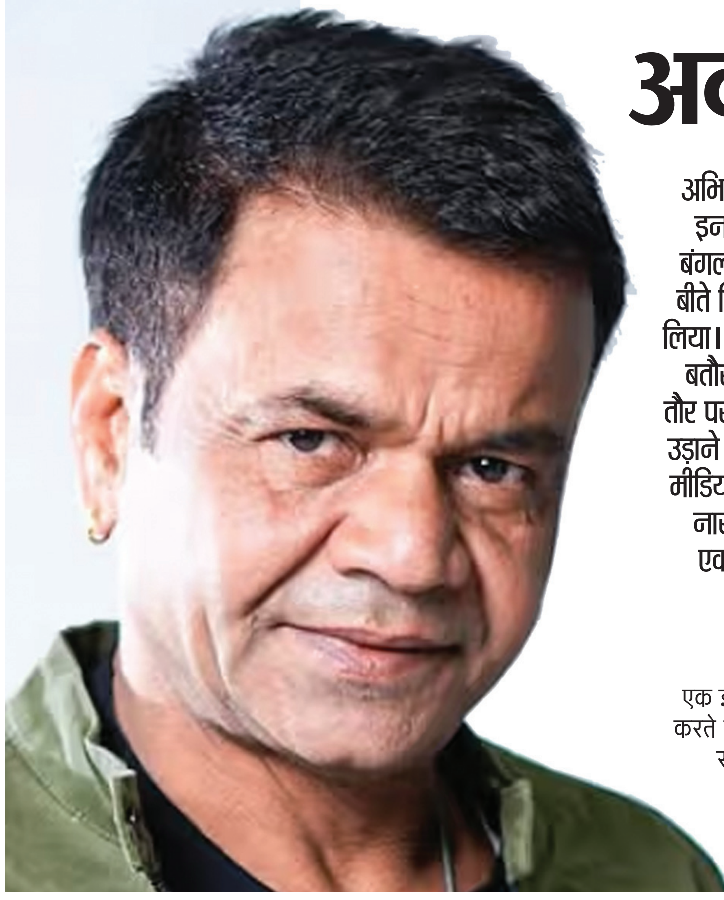

अभिनेता और कॉमेडियन राजपाल यादव इन दिनों अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच बीते दिनों उन्होंने एक अवॉर्ड शो में हिस्सा लिया। यहां जाकिर खान और सौरभ द्विवेदी बतौर होस्ट मौजूद थे। इसी दौरान कथित तौर पर होस्ट ने राजपाल यादव का मजाक उड़ाने वाली टिप्पणी की। इसे लेकर सोशल मीडिया पर राजपाल यादव के फैंस के बीच नाराजगी देखी जा रही है, जिस पर खुद एक्टर ने चुप्पी तोड़ी है। साथ ही फैंस से एक अपील की है।

राजपाल यादव ने क्या कहा?

एक इवेंट में होस्ट ने डॉलर और रुपये पर बात करते हुए राजपाल यादव से कहा था, 'डॉलर या रुपया कितना भी ऊपर-नीचे हो, आपको कर्ज तो उतना ही देना है, जितना बाकी है'। इस दौरान राजपाल यादव ने हंसते हुए रिएक्शन दिया था और कोई नाराजगी जाहिर नहीं की थी। मगर, राजपाल यादव के फैंस को यह बात बुरी लगी और सोशल मीडिया पर इस विषय पर विरोध किया जाने लगा।

फैंस से की ट्रोल न करने की अपील

मालमा बढ़ता देख राजपाल यादव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने फैंस से अपील की है कि दोनों होस्ट को कुछ न कहा जाए। एक्टर ने कहा है, 'दुनिया में युद्ध है, इकोनॉमी है, सब ऊपर-नीचे चल रहा है। इसमें आम आदमी को पिसना पड़ता है। उसी के हिसाब से स्क्रिप्ट बनाने का प्रयास किया। फिल्मों में भी कभी-कभी ऐसी स्क्रिप्ट बनाने का प्रयास होता है, लेकिन वह सही तरीके से ऑडियंस तक नहीं पहुंचता'।

जाकिर खान बोले- 'लव यू भाई'

राजपाल ने आगे जाकिर खान और सौरभ द्विवेदी को अपना जिगरी दोस्त बताते हुए लिखा है कि उनका दिल मत दुखाइए। वे दोनों मेरे छोटे भाई जैसे हैं। उन्होंने हमेशा सम्मान किया है। व्यर्थ में इनकी निंदा करके दिल मत दुखाइए। इनका दिल दुखाने से मेरा दिल दुखेगा। राजपाल यादव के इस पोस्ट पर जाकिर खान और सौरभ ने भी टिप्पणी की है और एक्टर का आभार जताया है।

क्या है मामला?

राजपाल यादव चेक बाउंस से जुड़े एक मामले को लेकर काफी समय से सुर्खियों में हैं। उन्होंने एक फिल्म के निर्माण के लिए गए लोन लिया था। इसे वे चुका नहीं पाए। उन्होंने कंपनी को जो चेक दिए थे कथित तौर पर वे भी बाउंस हो गए थे। बीते दिनों अभिनेता ने तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण किया था। बाद में वे अंतरिम जमानत पर बाहर आ गए थे। राजपाल यादव को आर्थिक संकट में कई फिल्मी सितारों ने सहयोग किया है। बीते गुरुवार 02 अप्रैल को इस मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी। हाई कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।

परिणीति चोपड़ा की नई पारी शुरू 'मॉम टॉक्स' शो की होस्ट बनीं

परिणीति चोपड़ा ने अपने करियर में एक नया और खास चैप्टर जोड़ते हुए टॉक शो होस्ट के रूप में शुरुआत कर दी है। उनके इस नए सफर पर पति और सांसद राघव चड्ढा ने भी सोशल मीडिया पर इमोशनल नोट शेयर कर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। परिणीति ने हाल ही में अपने टॉक शो 'मॉम टॉक्स' का टीजर जारी किया है। यह शो मातृत्व, प्रेग्नेंसी और बच्चों की परवरिश से जुड़े उन पहलुओं पर आधारित है, जिन पर अक्सर खुलकर बात नहीं की जाती। खास बात यह है कि यह परिणीति का पहला टॉक शो है, जिसमें वह होस्ट की भूमिका में नजर आएंगी।

किंग कोहली से तुलना पर भड़के बाबर आजम, बोली ये बड़ी बात

पेशावर (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम का एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है. जिसमें वो पत्रकार से कोहली से तुलना करने से रोक रहे है और साथ में ये भी कह रहे हैं कि मैं ने भी बहुत से मैच फिनिश किए हैं। दरअसल बाबर आजम की ये वीडियो पीएसएल 2026 के मैच (हैदराबाद किंग्समेन बनाम पेशावर जालमी) के बाद की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस की है. उस मैच में जालमी ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया और हैदराबाद किंग्समेन को 145 के मामूली टोटल पर रोक दिया. लक्ष्य का पीछा करते हुए, बाबर ने 37 गेंदों पर 43 रन बनाकर पारी को संभाला, लेकिन मैच फिनिश करने से पहले ही आउट हो गए. उसके बाद बाबर की टीम ने आखिरी गेंद पर जीत हासिल की।

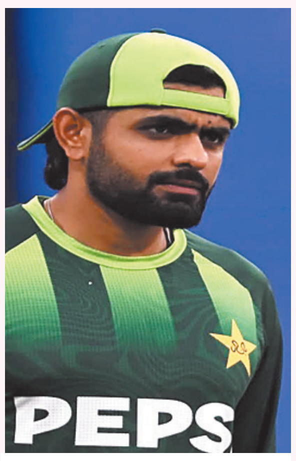

विराट से तुलना पर भड़के बाबर

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक पत्रकार ने बाबर से उनकी फिनिशिंग काबिलियत को लेकर हो रही चर्चा के बारे में पूछा, और उनकी तुलना भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली से की। पत्रकार ने पूछा, आपसे बहुत उम्मीदें हैं, आप इनिंग को आगे बढ़ाते हैं लेकिन गेम फिनिश नहीं करते. आपकी तुलना अक्सर विराट कोहली से की जाती है, क्या आपको लगता है कि यह तुलना सही है? हालांकि, बाबर ने सवाल को बीच में ही रोकते हुए तुलना को तुरंत बंद कर दिया. बाबर ने कहा, खत्म कर दें आप, जिस वजह से आप सवाल

पेशावर जालमी का प्रदर्शन

पाकिस्तान सुपर लीग के 11वें सीजन में बाबर आजम की टीम पेशावर जालमी ने अब तक शानदार खेल का प्रदर्शन किया है. तीन मैच में दो जीत और एक मैच रद्द होने से वो 5 अंको के साथ पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर हैं. जबकि मुल्तान सुल्तान पांच मैच के बाद 8 अंको के साथ पहले स्थान पर है, वहीं कराची किंग और इस्लामाबाद यूनाइटेड दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं।

आईपीएल 2026 के बीच अफगानिस्तान को बड़ा झटका

दिग्गज स्पिनर भारत टेस्ट से हो सकते हैं बाहर

नईदिल्ली (एजेंसी)। राशिद खान के भारत के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट से बाहर रहने की संभावना ने अफगानिस्तान टीम को बड़ा झटका दिया है। जून में खेले जाने वाले इस मुकाबले से पहले राशिद ने खुद साफ संकेत दे दिए हैं कि वह इस मैच में शायद हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

डॉक्टर की सलाह बनी बड़ी वजह– राशिद खान ने खुलासा किया कि उनकी पीठ की चोट (बैक इंजरी) को लेकर डॉक्टर ने उन्हें साफ तौर पर रेड–बॉल क्रिकेट से दूर रहने की सलाह दी है। लगातार लंबे स्पेल फेंकने से उनकी चोट बढ़ सकती है, जिससे उनके करियर पर भी असर पड़ सकता है।

राशिद खान का बड़ा बयान– राशिद ने अपने फैसले पर खुलकर कहा, रेड–बॉल क्रिकेट मेरे लिए थोड़ा मुश्किल है क्योंकि डॉक्टर ने साफ कहा है कि इससे दूर रहो। मैंने पहले भी खेला, लेकिन सर्जरी के बाद जब मैंने 67 ओवर डाले तो डॉक्टर हैरान रह गए। उन्होंने कहा कि अगर लंबा करियर चाहिए तो इस फॉर्मेट से दूरी बनानी होगी।

टेस्ट क्रिकेट में सीमित भागीदारी

अफगानिस्तान के टेस्ट खेलने वाला देश बनने के बाद से राशिद ने इस फॉर्मेट में बहुत कम मैच खेले हैं। उन्होंने संकेत दिया कि वह साल में एक टेस्ट तक ही खुद को सीमित रख सकते हैं, क्योंकि लगातार लंबे स्पेल उनके शरीर पर ज्यादा दबाव डालते हैं।

अब एक दिवसीय वर्ल्ड कप पर फोकस– राशिद खान का मुख्य ध्यान अब व्हाइट–बॉल क्रिकेट पर है, खासकर 2027 वनडे वर्ल्ड कप पर। भारत के खिलाफ होने वाली एक दिवसीय सीरीज में उनके खेलने की पूरी संभावना है।

चोट और वापसी की कहानी

राशिद खान पिछले कुछ समय से पीठ की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं, जिसके चलते उन्हें 2023 में सर्जरी करानी पड़ी थी। 2025 में उन्होंने टेस्ट में शानदार वापसी करते हुए 11 विकेट लिए, लेकिन फिर से चोट उभर आई। अब फिटनेस को ध्यान में रखते हुए वह अपने वर्कलोड को नियंत्रित कर रहे हैं।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप

कोटा की बेटी अरुंधति ने जीता गोल्ड

कजाकिस्तान की टॉप बॉक्सर को 4-1 से हराया

कोटा (एजेंसी)। मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में 28 मार्च से बॉक्सिंग की एशियन चैंपियनशिप शुरू हुई थी. इसमें भारतीय बॉक्सिंग टीम में कोटा की बॉक्सर अरुंधति चौधरी भी शामिल है, जिसने गुरुवार को गोल्डन पंच मारा. अरुंधति ने फाइनल मुकाबला खेलते हुए 4-1 से अपने प्रतिद्वंद्वी कजाकिस्तान की टॉप बॉक्सर बकित सेइडिश को हराया.

अरुंधति के शुरुआती कोच कोटा महाबली स्पोर्ट्स एकेडमी कोटा के अशोक गौतम ने बताया कि पूरी तरह से तीन राउंड में एक तरफा मुकाबले जैसा ही रहा है और पूरे मुकाबले में प्रतिद्वंदी बॉक्सर बकित सेइडिश पर भारी रही है. अरुंधति ने सीनियर वर्ग में 70 किलोग्राम भार वर्ग में खेलते हुए स्वर्ण पदक जीता है. बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया से लेकर कई लोगों ने उसे बधाई दी है।

कोटा की बॉक्सर अरुंधति के पिता और जिला मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष सुरेश चौधरी ने कहा कि उन्हें बेटी पर गर्व है. वह लगातार भारत का नाम ऊंचा कर रही है. आने वाले दिनों में वह ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम में भी भारत का प्रतिनिधित्व करेगी और भारत को यहां भी गोल्ड मेडल दिलाएगी. उनकी मां सुनीता चौधरी ने भी खुशी जताई है. अपनी बेटी के बारे में कहा है कि वह हमारा ही नहीं, कोटा और राजस्थान का नाम ऊंचा कर रही है. इसके पहले अरुंधति ने सेमी फाइनल मुकाबले में उज्बेकिस्तान की बॉक्सर ओयसिया थिरोव को 4-1 के अंतर से मात दी थी।

सीनियर वर्ग में अरुंधति का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह दूसरा बड़ा मुकाबला है. इससे पूर्व में वह वर्ल्ड कप 2025 नवंबर में स्वर्ण पदक जीत चुकी है. इसके पहले अरुंधति जूनियर का यूथ वर्ग के अंदर कई बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीत चुकी है. इसमें यूथ वर्ल्ड चैंपियनशिप, नेशन कप सर्बिया, फीमेल बॉक्स कप आयरलैंड, जूनियर एशियाई चैंपियनशिप, इंटरनेशनल मेमोरियल कप यूक्रेन, बोक्सएम कप, यूथ एशियाई चैंपियनशिप मंगोलिया, अट्रैक्टिव पर्ल मॉन्टेंगरो, यूथ वर्ल्ड चैंपियनशिप पोलैंड, स्ट्रेंजर कप बुल्गारिया में पदक जीत चुकी है. जबकि एशियन गेम 2022 में पार्टिसिपेट किया. साथ ही भारत में आयोजित वर्ल्ड कप 2026 में गोल्ड मेडल जीता है. इसके साथ जूनियर एशियाई बेस्ट बॉक्सर भी रही है।

अरुंधति मंगोलिया में है. उनके पिता सुरेश चौधरी ने अरुंधती से ईटीवी भारत की वीडियो कॉल पर बातचीत करवाई, जिसमें अरुंधति ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं कि मैं अच्छा परफॉर्म कर पाई हूं. इसके लिए बॉक्सिंग फेडरेशन, कोच अशोक गौतम व उनके पेरेंट्स का धन्यवाद है. पूरे भारत के लोगों का जिन्होंने मदद की और उन्हें आगे बढ़ाने की प्रार्थना की है. उनका अगला टारगेट ग्लॉसगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम है. उन्होंने लड़कियों के लिए कहा कि सपने देखने में कोई कंजूसी नहीं करनी चाहिए. सपना देखेंगे तो वह जरूर पूरे होंगे. सपने देखने की हिम्मत करनी चाहिए। अरुंधति चौधरी ने कहा कि मैं 3 महीने से घर नहीं आई हूं. अभी एक महीना से विदेश में हूं और मुझे घर आना है. घर का खाना खाना है. विदेश में एक महीने में भारत जैसा खाना नहीं मिला है. घर

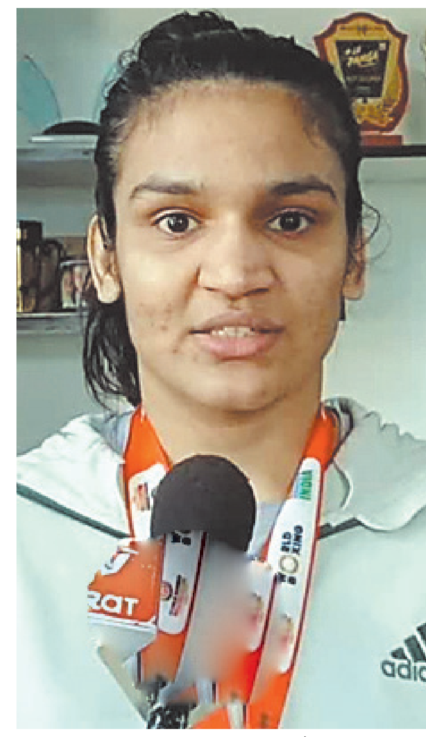

में अपनी मां के हाथ की सब्जी और रोटी खानी है. इसके साथ ही मां और पूरे परिवार से उन्हें प्यार लेना है, फिर वापस कॉमनवेल्थ की तैयारी में जाना है।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप

लक्ष्य के बाद सिंधु भी टूर्नामेंट से हुई बाहर

भारत को लगा बड़ा झटका

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के दो स्टार शटलर 'लक्ष्य सेन' और 'पीवी सिंधु' का बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 में सफर खत्म हो गया. चीन के निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट सेंटर में खेली जा रही चैंपियनशिप में आज (गुरुवार, 9 अप्रैल) राउंड ऑफ 16 में सिंधू को वर्ल्ड की नंबर दो वांग झी यी से हार का सामना करना पड़ा. वांग झी ने सिंधु को सीधे गेम में 21-18, 21-8 से हरा दिया, जिससे टूर्नामेंट में उनका सफर खत्म हो गया।

सिंधु ने पहले गेम में कड़ा मुकाबला किया. जिसकी वजह से वो 18 पॉइंट तक बराबरी पर रहीं लेकिन उसके बाद वो कुछ रैलियों को अपने पक्ष में नहीं कर पाई.

जिससे उन्हें पहला गेम 18-21 से हारना पड़ा. लेकिन, दूसरे गेम में वांग पूरी तरह से अपना दबदबा बनाई रखीं, सिंधु को आगे ही नहीं निकलने दी. जिसकी वजह से वो दूसरे गेम को भी बड़े अंतर 21-8 से अपने नाम करने में सफल रहीं।

लक्ष्य सेन पहले दौर में ही हारे

सिंधू के बाहर होने से सिंगल्स मुकाबलों में भारत के लिए चैंपियनशिप में मुश्किलें और बढ़ गई हैं. इससे पहले टूर्नामेंट में लक्ष्य सेन को पहले ही दौर में हांगकांग के ली चेउक यियू के हाथों हार का सामना करना पड़ा था. लक्ष्य, जो ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के बाद इस टूर्नामेंट में उतरे थे, 41 मिनट चले मुकाबले में 12–21, 19–21 से हार गए।

दूसरे शटलरों से भारत को उम्मीद

दोनों स्टार शटलर के जल्दी बाहर हो जाने से सिंगल्स कैटेगरी में भारत की उम्मीदों को झटका लगा है. हालांकि, भारत का प्रतिनिधित्व अभी भी दूसरी कैटेगरी में राउंड ऑफ 16 में बना हुआ है। मेंस सिंगल्स में एच.एस. प्रणॉय का मुकाबला वेंग होंग यांग से होगा, जबकि मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी का सामना चेन तांग जी और तोह ई वेई से होगा। विमेंस डबल्स में, ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का मुकाबला आज बाद में यूकी फुकुशिमा और मायु मात्सुमोतो से होगा, वहीं वुमेंस सिंगल्स में आकर्षी कश्यप भी

बेंगलुरु और राजस्थान के मुकाबले में शीर्षक्रम के बल्लेबाजों पर रहेगी नजरें

गुवाहाटी (एजेंसी)। यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी से मिल रही आक्रामक शुरूआत के साथ राजस्थान रॉयल्स शुक्रवार को यहां गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ आईपीएल के मैच में अपना दबदबा कायम रखना चाहेगी जबकि आरसीबी की उम्मीदें फॉर्म में चल रहे देवदत्त पडिक्कल पर टिकी होंगी।

दो साल पहले टी20 क्रिकेट से विदा लेने के बावजूद आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के प्रदर्शन में कमी नहीं आई है। उनके मार्गदर्शन में आरसीबी ने संतुलित शीर्षक्रम तैयार कर लिया है और पिछले मैच में फिल साल्ट ने भी उम्दा पारी खेली थी। तीसरे नंबर पर उतर रहे पडिक्कल ने घरेलू क्रिकेट का अपना फॉर्म कायम रखते हुए संतुलित आक्रामकता के साथ बल्लेबाजी की है।

आईपीएल में अपने पदार्पण सत्र में आरसीबी के लिए 473 रन बनाने वाले पडिक्कल बाद में राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स के साथ उस सफलता को दोहरा नहीं सके थे। पिछले सत्र में वह आरसीबी में लौटे और पहली बार उसे आईपीएल खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

एक रन से मैच जीतने के बाद शुभमन को मिली बड़ी सजा

गिल पर 12 लाख का लगा जुर्माना

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज करना गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल पर भारी पड़ गया. मैच के बाद उनपर स्लो ओव रेट की वजह से 12 लाख का जुर्माना ठोक दिया गया।

आईपीएल ने एक बयान जारी करके कहा, गुजरात टाइटन्स (जीटी) के कप्तान शुभमन गिल पर जुर्माना लगाया गया है, क्योंकि उनकी टीम ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 14वें मैच के दौरान धीमी ओवर-रेट बनाए रखी।

बयान में आगे कहा गया, चूंकि आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यह इस सीजन में उनकी टीम का पहला अपराध था. जिसकी वजह से गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इससे पहले, पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर आईपीएल 2026 में धीमी ओवर-रेट के लिए दो बार जुर्माना लगाया जा चुका है. पहले 12 लाख और दूसरी बार 24 लाख का जुर्माना लगा। गुजरात ने दिल्ली के सामने जीत के लिए 210 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था. जिसमें गिल, जोस बटलर और वॉशिंगटन सुंदर की तिकड़ी ने अर्धशतक लगा. जावब में दिल्ली की टीम 209 रन ही बना सकी. जिसमें केएल राहुल 92 रन बनाकर गलत समय पर आउट हो गए, जबकि मिलर 40 रन बनाकर नाबाद रहे।

दिल्ली मैच जीतने के बहुत करीब था. उनको आखिरी दो गेंदों पर दो रनों की जरूरत थी, लेकिन आखिरी गेंद पर कुलदीप यादव के रन-आउट होने से मुकाबला तज्ञ के पक्ष में चला गया.गेंदबाजी में, राशिद खान ने शानदार

प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में केवल 17 रन खर्च करके 3 अहम विकेट लिए. जिसमें समीर रिजवी का भी विकेट शामिल है।

इस शानदार प्रदर्शन की वजह से राशिद खान को प्लेयर ऑफ दि मैच का अवॉर्ड दिया गया. इस जीत के साथ गुजरात ने अंक तालिका में अपना खाता खोला और वो अब तीन मैच के बाद छठे नंबर पर पहुंच गए हैं।

दो गेंद पर दो रन नहीं बना सकी दिल्ली

दिल्ली को जीत के लिए आखिरी ओवर में 13 रनों की जरूरत थी. शुरू की 4 गेंदों पर ही मिलर ने एक छक्का, एक चौका और एक सिंगल लेकर 11 रन बना लिए थे. जहां से ये लगने लगा था की ये मैच दिल्ली अब नहीं हार सकती, आखिरी दो गेदों पर दो रनों की ही जरूरत थी, लेकिन पांचवी गेंद पर डेविड मिलर का कुलदीप यादव को सिंगल लेने से रोकना टीम पर भारी पड़ गया क्योंकि वो फिर आखिरी गेंद पर वो दो रन नहीं बना सके. प्रसिद्ध कृष्णा की स्लोवर बाउंसर को मिलर ने मिस कर दिया, बाकी का काम विकेट के पीछे से जोस बटलर ने कर दिया. जिससे वो एक रन भी नहीं बना पाए, और दिल्ली 210 रनों के विशाल लक्ष्य से एक रन पीछे रह गई।

बीसीसीआई का सख्त एक्शन

आईपीएल में बेंच खिलाड़ियों पर लगे कड़े नियम

नईदिल्ली (एजेंसी)। बोर्ड आफ कंट्रोल क्रिकेट इन इंडिया 2026 के लिए कड़े और विस्तृत नियम लागू कर दिए हैं। खासतौर पर बेंच (न खेलने वाले) खिलाड़ियों के लिए नए प्रोटोकॉल ने डगआउट को एक तरह का हाई सिक्योरिटी ज़ोन बना दिया है। अब खिलाड़ियों की हर गतिविधि पर प्रशासनिक नजर रहेगी।

- **एलईडी बोर्ड के पास बैठने-खड़े होने पर सख्त रोक**– नई गाइडलाइंस के अनुसार, बेंच खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ अब मैदान के किनारे लगे स्क्ष्ष्ठ विज्ञापन बोर्ड्स के सामने न तो बैठ सकते हैं और न ही खड़े हो सकते हैं। इस फैसले के पीछे मुख्य कारण स्पॉन्सर के उपकरणों की सुरक्षा है, क्योंकि पहले कई बार वॉर्म-अप या प्रैक्टिस के दौरान इन बोर्ड्स को नुकसान पहुंचा था।
- **सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों के लिए तय की गई खास जगह**– अब सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों की गतिविधियों को पूरी तरह व्यवस्थित करने के लिए उनकी बैठने की जगह पहले से निर्धारित की जाएगी। स्पॉन्सर टीम मैदान पर खास मार्किंग करेगी, जहां खिलाड़ियों को बैठना अनिवार्य होगा। इसके अलावा पानी या टॉवल ले जाने जैसे साधारण काम भी अब तय नियमों के तहत ही किए जाएंगे, जिससे मैदान पर अनुशासन बना रहे।
- **टीम बस से ही यात्रा अनिवार्य**– बोर्ड आफ कंट्रोल फार क्रिकेट इंडिया ने खिलाड़ियों के ट्रैवल सिस्टम को भी सख्त बना दिया है।

अब हर खिलाड़ी को प्रैक्टिस और मैच के लिए केवल टीम बस से ही यात्रा करनी होगी और निजी गाड़ियों के इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। हालांकि टीमों को सुविधा के लिए दो बैच में यात्रा की अनुमति है, लेकिन बस का इस्तेमाल हर हाल में अनिवार्य रहेगा।

- **मैच डे पर प्रैक्टिस पूरी तरह बैन**– मैच वाले दिन अब किसी भी टीम को मुख्य पिच या मैदान का उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी और फिटनेस टेस्ट भी मैदान पर नहीं किए जा सकेंगे। वहीं नॉन-मैच डे पर भी नियम सख्त कर दिए गए हैं, जहां केवल दो नेट्स और एक साइड विकेट पर ही प्रैक्टिस की इजाजत होगी। ओपन नेट्स को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है ताकि सभी टीमों के बीच संतुलन बना रहे।
- **परिवार और दोस्तों पर भी सख्ती**– नए नियमों के तहत खिलाड़ियों के परिवार और दोस्तों की पहुंच भी सीमित कर दी गई है। अब वे टीम बस में यात्रा नहीं कर सकेंगे और उन्हें स्टेडियम में सिर्फ हॉस्पिटैलिटी एरिया तक ही अनुमति मिलेगी। ड्रेसिंग रूम में प्रवेश केवल अधिकृत स्टाफ और खिलाड़ियों को ही मिलेगा, जिससे टीम का माहौल अधिक सुरक्षित और प्रोफेशनल बना रहे।
- **ऑरेंज और पर्पल कैप पहनना जरूरी**– ब्रॉडकास्ट विजिबिलिटी को बेहतर बनाने के लिए बीसीसीआई ने ऑरेंज और पर्पल कैप से जुड़े नियम भी लागू किए हैं।

संक्षिप्त समाचार

आलीशान कोठियां जमींदोज... दिल्ली के सैनिक फार्म में जमकर गरजा डीडीए का बुलडोजर

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली स्थित सैनिक फार्म में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ

डीडीए ने एक बार फिर बुलडोजर कार्रवाई शुरू की है। वहीं, लोगों के विरोध को देखते हुए आस-पास भारी संख्या में पुलिस बल तैनात की गई है। डीडीए की जमीन पर बने अवैध ढांचों को गिराने के लिए रात में ही तीन बुलडोजर पहुंचे थे। इसके बाद गुरुवार सुबह पुलिस बल के पहुंचते ही टीम ने डब्ल्यू 22/27 पर अतिक्रमण हटाने का काम शुरू कर दिया। इससे पहले दिसंबर में डीडीए ने सात से अधिक बुलडोजरों का इस्तेमाल कर 20-25 साल पुरानी और डीडीए की जमीन पर बनी कथित अवैध आलीशान कोठियों को जमींदोज किया था।

दिल्ली के इस इलाके में दो दिन पानी की सप्लाई रहेगी बाधित, जल बोर्ड ने बताई वजह

बाहरी दिल्ली, एजेंसी। अंडरग्राउंड रिजरवायर और बूस्टर पंपिंग स्टेशन की वार्षिक सफाई (फ्लशिंग) के चलते 10 और 11 अप्रैल को मंगोलपुरी क्षेत्र के कुछ इलाकों में पानी की सप्लाई प्रभावित रहेगी। 10 अप्रैल को दिल्ली जलबोर्ड के इस कार्य से मंगोलपुर कलां गांव, मुबारकपुर गांव और कराला गांव में जलापूर्ति बाधित रहेगी। वहीं, 11 अप्रैल को मंगोलपुर कलां गांव में पानी की सप्लाई प्रभावित रहेगी। दिल्ली जल बोर्ड ने क्षेत्र के निवासियों से अपील की है कि वे अपनी आवश्यकता के अनुसार पहले से पर्याप्त पानी जमा कर लें, ताकि असुविधा से बचा जा सके।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे: सबापुर-करावल नगर सर्विस रोड पर नहीं लगेगा टोल

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन 14 अप्रैल को होने जा रहा है। इसके साथ ही, हाईवे पर टोल वसूली भी शुरू हो जाएगी। इस एक्सप्रेसवे के जरिए, ह।ढ्ढ ने खजूरी पुश्ता पर होने वाले लंबे समय से चले आ रहे ट्रैफिक जाम की समस्या को सफलतापूर्वक खत्म कर दिया है। उद्घाटन से पहले एनएचआई ने सबापुर गांव और उसके आस-पास के इलाकों में रहने वाले स्थानीय लोगों को टोल शुल्क के मामले में राहत भी दी है। यह राहत देते हुए, एनएचआई ने सर्विस रोड पर टोल न लगाने का फैसला किया है। एनएचआई ने हाईवे पर लोनी बॉर्डर पर एक टोल प्लाज़ा बनाया है। उम्मीद है कि यह कुछ ही

दिनों में चालू हो जाएगा। एक बार खुलने के बाद, वाहन चालक इस हाईवे के रास्ते सीधे अक्षरधाम से देहरादून तक जा सकेंगे। सबापुर गांव और आस-पास के इलाकों के लोगों को अभी करावल नगर इलाके तक पहुँचने के लिए बॉर्डर पर सर्विस लेन के रास्ते यू-टर्न लेना पड़ता है। लोगों को डर था कि एनएचआई सर्विस रोड पर भी टोल वसूली शुरू कर देगा। नतीजतन, टोल के मुद्दे को लेकर लोगों में गहरी चिंता थी। उन्हें इस बात का डर सता रहा था कि अगर एनएचआई ने सर्विस लेन पर टोल लगा दिया, तो उनकी कमाई का एक बड़ा हिस्सा टोल टैक्स में ही चला जाएगा। लोगों ने तो विरोध प्रदर्शन की तैयारी भी शुरू कर दी थी; हालाँकि, ऐसे विरोध प्रदर्शन होने से पहले ही, एनएचआई ने साफ कर दिया कि वह सर्विस रोड पर कोई टोल नहीं लगाएगा। फिर भी, लोनी से दिल्ली की ओर जाने वाले रास्ते पर करावल नगर के पास पहले से ही एक नगर निगम का टोल बूथ मौजूद है।

जीएसटी विभाग में बड़े अधिकारियों की अनुपस्थिति, सीएम रेखा गुप्ता ने किया औचक निरीक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सत्ता संभालते समय करीब एक साल पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों का वर्क कल्चर बदलने की जो बात कही थी, दिल्ली बिक्री एवं कर विभाग (स्टेट जीएसटी) के अधिकारियों ने उसे हवा में उड़ा दिया है। सीएम ने बुधवार को जब इस विभाग के मुख्यालय का औचक निरीक्षण किया तो वहां कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद नहीं थे। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही निर्देश जारी किए कि जो भी स्टाफ अनुपस्थित है, उन्हें तुरंत कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए। उन्होंने सभी कर्मचारियों और अधिकारियों की उपस्थिति का अपडेट मांगा और बायोमेट्रिक आधार पर पिछले एक महीने का रिकार्ड तत्काल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए ताकि जिम्मेदारी तय की जा सके। उन्होंने संकेत दिए हैं कि कई अन्य विभागों के भी इसी तरह औचक निरीक्षण जारी रहेंगे और लापरवाह अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने कई वरिष्ठ अधिकारियों के अनुपस्थित पाए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनुशासन केवल निचले कर्मचारियों के लिए नहीं, बल्कि आयुक्त और विशेष आयुक्त स्तर तक हर अधिकारी पर समान रूप से लागू है। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को

बायोमेट्रिक सिस्टम का गंभीरता से पालन करने के लिए कहा है। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान करदाताओं और आम नागरिकों से सीधे संवाद कर फीडबैक लिया। जिसमें जनता ने विभाग में फैले भ्रष्टाचार और काम रोकने की प्रथा के बारे में उन्हें जानकारी दी है। लोगों ने बताया कि न ही अधिकारी और न ही निरीक्षक मिलते हैं, बगैर पैसे यहां काम नहीं होता है। सीएम ने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाते हुए दो टूक कहा कि जनसेवा में देरी या लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं होगी और इसके लिए सीधे जिम्मेदारी तय की जाएगी। जन-शिकायत निवारण व्यवस्था पर भी मुख्यमंत्री ने सख्त निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की बैठकों के कारण नागरिकों के काम लंबित रहना अस्वीकार्य है। सभी लंबित मामलों की साप्ताहिक समीक्षा की जाए, शिकायत निवारण प्रक्रिया को सरल और तेज बनाया जाए तथा सेवाओं में किसी भी प्रकार की देरी के लिए संबंधित अधिकारी की स्पष्ट जवाबदेही तय की जाए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दोहराया कि दिल्ली सरकार लापरवाही, अनियमितता व भ्रष्टाचार आदि किसी भी मामले जीरो टालरेंस नीति पर काम कर रही है। कार्यालय परिसर के निरीक्षण में मुख्यमंत्री ने बुनियादी ढांचे और सुरक्षा व्यवस्थाओं को बेहतर करने के भी निर्देश दिए।

युवती बनकर ठगी करने वाले 2 अफ्रीकी गिरफ्तार, सोशल मीडिया पर युवाओं को बनाते थे निशाना

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। दो अफ्रीकी नागरिक घूमने के लिए भारत आए। दक्षिणी दिल्ली में किराये पर घर लेकर ठगी का धंधा करने लगे। सोशल मीडिया पर खुद को महिला बताकर युवकों को अपने प्रेम के जाल में फंसाकर उनसे रकम ठगने लगे। पूर्वी जिला पुलिस ने ठगी के मामले में दो अफ्रीकी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान बेमाह व सोलोमन के रूप में हुई है। इनके पास से ठगी में इस्तेमाल छह मोबाइल व दो पासपोर्ट बरामद किए हैं। 12 लोगों से यह 50 लाख रुपये की ठगी कर चुके हैं। वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी यह दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे थे। जिला पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार रावल ने बताया कि एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज शिकायतों से संदिग्ध म्यूल बैंक खातों की जानकारी जुटाई गई। जांच के दौरान कई बैंक खातों को साइबर ठगी से जुड़ा पाया गया। इसके बाद केस दर्ज किया गया। वहीं, टेक्निकल सर्विलांस और स्थानीय सूचना के आधार पर दक्षिणी दिल्ली से दो विदेशी ठगों को गिरफ्तार किया। इनके पास से जब्त मोबाइल की जांच में पीड़ितों के साथ की गई चैट, एयरपोर्ट से जुड़ी तस्वीरें और ठगी में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों की जानकारी मिली है। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने बताया की सोशल मीडिया पर खुद को महिला बताकर भारतीय युवाओं से संपर्क करते थे। वे पीड़ितों से दोस्ती कर भावनात्मक रिश्ता बनाते और फिर यह कहकर झांसा देते कि वे भारत आ रही हैं।

नरेला में एमसीडी सफाईकर्मी की निर्मम हत्या, बाइक से पेट्रोल चोरी रोकने पर बाप-बेटों ने मार डाला

बाहरी दिल्ली, एजेंसी। नरेला थाना क्षेत्र में बाइक से पेट्रोल चोरी करने का विरोध करने पर बाप व दो बेटों ने संविदा पर काम करने वाले एक एमसीडी कर्मचारी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। नरेला थाना पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर फरार आरोपितों का पता लगा रही है। मृतक की पहचान 50 वर्षीय राजेंद्र के रूप में हुई है। पीड़ित परिवार ने जल्द से जल्द आरोपितों की गिरफ्तारी और सख्त सजा की मांग की है। जानकारी के मुताबिक राजेंद्र अपनी पत्नी कमलेश, तीन बेटे और एक बेटी के साथ नरेला स्थित बांकनेर गांव में रहते थे। नरेला एमसीडी जोन में 26 वर्ष से संविदा

पर सफाईकर्मी थे। मृतक के राजेंद्र के बेटे रोहित ने बताया कि 30 मार्च को पड़ोस में जागरण था। जहां कई लोग बाइक से आए थे। उन्होंने बाइक उनके घर सामने खड़ी कर दी थी। तभी घर के सामने ही रहने कृष्ण और उनके दो बेटे हनी और गोलू आए और बाइक से तेल चोरी करने लगे। उन्होंने तेल चोरी करने से उन्हें मना किया। तभी वे सभी बाइक में आग लगाने की बात करने लगे। रोहित का आरोप है कि विरोध करने पर वे सभी हमारे घर में घुस गए। डंडो से पिता, माता, भाई और उनके बहन पर हमला कर दिया। इस दौरान वे सभी पिता को घर से बाहर लाकर डंडों से पिटाई करने लगे। अधमरा होने के बाद सभी फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पिता, माता, बहन और भाई को राजा हरिश्चंद्र लेकर गए। जहां इलाज के बाद माता, भाई और बहन को छुट्टी दे दी गई।
वहीं, 31 मार्च को पिता की हालत बिगड़ने पर उन्हें लोक नायक अस्पताल के लिए रेफल कर दिया। जहां इलाज के दौरान आठ अप्रैल को उन्होंने दम तोड़ दिया।

बाजार में बिक रहा केमिकल और कार्बाइड से पकाया गया केला, पपीता और आम; खाने से पहले ऐसे करें पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। गर्मी के मौसम ने दस्तक दे दी है। मौसम करवटें ले रहा है। बारिश हो रही है। तेज हवा के चलते आम के बौर झड़ रहे हैं। आम के बगीचों के मालिक नुकसान की बात कह रहे हैं। मगर बाजार में पके आम की खेप आने लगी है। ऐसे में आम खाने के शौकीनों को सतर्क रहना होगा। कारण, यह मौसम का नहीं केमिकल का कमाल है। यही नहीं केले और पपीते का भी कुछ यही हाल है। हर मौसम का एक फल होता है। मौसम के अनुसार, फल की आवक होने पर उसका दाम संतुलित रहता हे। मगर मुनाफाखोर उसी फल को समय से पहले बाजार में लाकर दो से तीन गुनी कमाई करते हैं। आम के साथ भी यही हो रहा है।

बाजार में आम ठेलों पर दिखने लगे हैं। मगर उनकी चमक बनावटी है। उनमें कोई सुगंध नहीं हैं। आंखों के करीब आने उसे लाने पर जलन सी महसूस होती है। केमिकल से पकाये गए इन आमों को खाकर जाने अंजाने में लोग बीमारी के करीब जा रहे हैं। दरअसल, कई व्यापारी कैल्शियम कार्बाइड जैसे खतरनाक रसायनों की मदद से आमों को कुदरत के तय किए गए समय से पहले पका देते हैं। मगर ये फल अंदर से कच्चे और जहरीले रहते हैं। कई पीढ़ियों से आम के बाग का काम करने वाले गणेश पाल कहते हैं कि कार्बाइड से पकाये गए आम मुनाफा भले ही ज्यादा दे देते हैं लेकिन यह लोगों को बीमार बना सकता है। उन्होंने बताया कि केमिकल से तैयार आम का रंग एक समान चमकीला पीला होता है। एक सवाल के जवाब में वे बताते हैं कि सतह पर काले धब्बे या सफेद पाउडर का परत दिखती रहती है। वहीं, प्राकृतिक रूप

से पके आम में हरा-पीला रंग का मिश्रण होता है। उसकी खुशबू ही उसकी गुणवत्ता बता देती है।

केले और पपीते के साथ भी केमिकल का 'खेल'-गणेश केले के बारहमासी व्यापार के बारे में भी बताते हैं कि बाजार में जगह-जगह मिल रहे केले भी केमिकल की मदद से तैयार किये जाते हैं। गोदामों में किसी फैक्ट्री की तर्ज पर कच्चे केले को पकाकर पीला करने का काम किया जाता है। यह केले मात्र 24 से 36 घंटे के अंदर पक जाते हैं। वे बाजार में हाथों हाथ खरीदे जाते हैं। मगर इन केलों की परख होती है रेफ्रीजरेटर में रखने पर। ऐसे केले फ्रीज में रखने के बाद एक ही रात में काले पड़ जाते हैं। वहीं, पपीता का फल भी कार्बाइड की मदद से समय से पहले पकाकर बाजार में बड़ी संख्या में बेचा जाता है। लोग अंजाने में लीवर की सुरक्षा के लिए खाये जाने वाले पपीते से ही लीवर को बीमार कर रहे हैं।

व्यापारी गणेश बताते हैं कि कच्चे आमों को कैल्शियम कार्बाइड के छोटे टुकड़ों के बीच बंद करके रखा जाता है। नमी के संपर्क में आते ही यह तेज रसायन एसिटिलीन गैस छोड़ता है, जो फलों को तेजी से पकाने का काम करता है।

प्राकृतिक रूप से पके आम पानी में डूब जाते हैं। केमिकल वाले अक्सर तैरते रहते हैं। कागज पर रगड़ने पर काला दाग बने तो वह आम नकली है। आंखों के सामने लाने पर अगर काले दानों से सड़े, जले हुए या रसायन की गंध आए तो उसे न खाएं। चावल के दानों से रगड़ने पर अगर काले निशान पड़ जाएं तो कार्बाइड से पके होने की पुष्टि हो जाती है। वहीं, ऐसे फलों को खाने से होने वाले नुकसान के बारे में डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव बताते हैं कि केमिकल से तैयार किये गए आम खाने से लिवर और किडनी को नुकसान हो सकता है। डॉ. के अनुसार, पेटदर्द, उल्टी और त्वचा में जलन हो सकती है। लंबे समय तक खाने से लीवर, किडनी पर बुरा असर पड़ता है और कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। पहले तो प्रयास करें कि ऐसे आम से दूर रहेंगे। यदि खरीदने का मन हो चुका है तो विश्वसनीय दुकान से ही खरीदें। फल को बेकिंग सोडा मिले पानी में 10 से 15 मिनट तक भिगोकर रखने के बाद खाएं।

संयुक्त राष्ट्र में भारत को मिली चार अहम जिम्मेदारियां, सतत विकास प्रणाली में निभाएंगे बड़ी भूमिका

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत को बड़ी कूटनीतिक सफलता मिली है। भारत ने आर्थिक और सामाजिक परिषद से जुड़े चार अहम निकायों के चुनाव में निर्विरोध जीत हासिल की है। इन सभी चुनावों में भारत का चयन सर्वसम्मति से हुआ, जो वैश्विक मंच पर उसकी मजबूत स्थिति को दर्शाता है। इन चुनावों में भारत को विकास के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आयोग, गैर-सरकारी संगठनों की समिति और कार्यक्रम एवं समन्वय समिति में चुना गया है। इसके साथ ही, भारत की वरिष्ठ राजनयिक रहीं प्रीति सरन को

आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों की समिति में फिर से चुना गया है। वह इससे पहले इस समिति के सत्र की अध्यक्षता भी कर चुकी हैं। प्रीति सरन का 36 वर्षों का लंबा कूटनीतिक अनुभव रहा है, जिसमें उन्होंने वियतनाम में भारत की राजदूत के रूप में सेवा दी, साथ ही टोरंटो, जेनेवा, ढाका, काहिरा और मॉस्को जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर भी तैनाती संभाली। सीईएससीआर में 18 स्वतंत्र विशेषज्ञ शामिल होते हैं, जो आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय समझौते के पालन की निगरानी करते हैं। यह समिति भोजन, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, पानी और स्वच्छता जैसे बुनियादी अधिकारों से जुड़े मामलों पर नजर रखती है।

अमेरिका में जाति विवाद गहराया: भारतीय और हिंदू समुदाय को निशाना बनाने का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जाति आधारित भेदभाव को लेकर विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कैलिफोर्निया की नागरिक अधिकार नियामक एजेंसी के खिलाफ नौवीं सर्किट अपील न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। संगठन का आरोप है कि एजेंसी ने गलत तरीके से जाति को हिंदू धर्म से जोड़ते हुए भारतीय और दक्षिण एशियाई समुदायों को निशाना बनाया है। 6 अप्रैल को दाखिल जवाबी याचिका में एचएएफ ने अदालत से अनुरोध किया है कि निचली अदालत द्वारा उसके मुकदमे को खारिज करने में जिन प्रक्रियात्मक बाधाओं का हवाला दिया गया था, उन्हें हटाया जाए। संगठन का कहना है कि जिला अदालत ने उसके दावों के मूल मुद्दों पर विचार किए बिना ही मामला खारिज कर दिया।

यह पूरा विवाद कैलिफोर्निया नागरिक अधिकार विभाग द्वारा सिस्को सिस्टम्स और उसके दो प्रबंधकों के खिलाफ दर्ज शिकायत से जुड़ा है। इस शिकायत में जाति के आधार पर भेदभाव के आरोप लगाए गए थे और यह कार्रवाई कैलिफोर्निया के फेयर एम्प्लॉयमेंट एंड हाउसिंग एक्ट के तहत की गई थी। सीआरडी ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि उसने सिस्को और उसके पूर्व प्रबंधकों के खिलाफ जाति-आधारित

भेदभाव का मामला दर्ज किया है।

एचएएफ का आरोप है कि सीआरडी ने अपनी कार्रवाई में जाति को हिंदू धर्म और भारतीय मूल के कर्मचारियों से जोड़ने की कोशिश की। संगठन के मुताबिक, एजेंसी की शिकायत में जाति शब्द का बार-बार इस्तेमाल किया गया और यह धारणा बनाई गई कि भारतीय कर्मचारियों के बीच जाति-आधारित भेदभाव होता है, जिसे कंपनी को रोकना चाहिए था। संगठन ने यह भी कहा कि एजेंसी की प्रस्तुति भारतीयों और हिंदुओं के बारे में नस्लवादी और तथ्यहीन धारणाओं पर आधारित है। एचएएफ ने सीआरडी के एक पुराने बयान का हवाला दिया, जिसमें भारत की जाति व्यवस्था को कठोर हिंदू सामाजिक और धार्मिक पदानुक्रम बताया गया था।

अमेरिका-ईरान संघर्ष विराम में जीत किसकी पूर्व राजनयिक बोले- युद्ध का कोई विजेता नहीं

कजाक्सितान, एजेंसी। पूर्व राजनयिक अशोक सज्जनहार ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए अस्थायी युद्धविराम पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि ऐसे किसी भी अस्थायी समझौते की स्थिति में, सभी पक्ष अपनी जीत का दावा करते हैं। उन्होंने कहा कि इस युद्ध विराम में भी यही देखने को मिला है, जहां ईरान, अमेरिका और यहां तक कि इस्राइल भी अपनी जीत का दावा कर रहा है, जबकि वास्तव में युद्ध का कोई स्पष्ट विजेता नहीं है। उन्होंने आगे कहा शामिल सभी पक्ष निश्चित रूप से यह कहेंगे कि वे जीते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय, पर्यवेक्षकों, विश्लेषकों और टिप्पणीकारों के लिए यह देखना बाकी है कि वास्तव में स्थिति क्या है। जहां तक युद्धों का सवाल है, उनमें कोई विजेता नहीं होता। इस बीच, नेपाल ने दो-सप्ताह के युद्धविराम समझौते का स्वागत किया है। नेपाल सरकार ने इसे पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की दिशा में एक रचनात्मक कदम बताया है और बातचीत, कूटनीति तथा मतभेदों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए अवसर प्रदान करने वाला बताया है। नेपाल सरकार ने एक बयान में कहा नेपाल इस विकास को क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम के रूप में देखता है, साथ ही विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के पक्ष में अपने निरंतर रुख को दोहराता है। सरकार संघर्ष के मानवीय परिणामों पर भी चिंता व्यक्त करती है और नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर देती है।

समझौते तक अमेरिकी सेना ईरान में रहेगी', ट्रंप का अल्टीमेटम; लेबनान पर फिर बरसे बम

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में पिछले एक महीने से ज्यादा समय से जारी हिंसक संघर्ष ने आज एक निर्णायक मोड़ ले लिया है। अमेरिका और ईरान ने दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति जताई है, जिसमें दोनों पक्षों ने लड़ाई रोकने और होर्मुज को खुला रखने का वादा किया है। ऐसे में अब बातचीत का अगला दौर इस्लामाबाद में होगा। इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से एक विशेष टीम भेजी जा रही है। इस टीम का नेतृत्व खुद जेडी वेंस करेंगे। हालांकि लेबनान को लेकर स्थिति अभी भी तनावपूर्ण है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंपने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक बयान देते हुए कहा कि अमेरिका की सैन्य ताकत ईरान और उसके आस-पास तब तक मौजूद रहेगी जब तक असल समझौते का पूर्ण पालन नहीं हो जाता। ट्रंप ने कहा इसमें अमेरिकी जहाज, विमान और सैनिक शामिल होंगे, साथ ही अतिरिक्त गोला-बारूद, हथियार और वह सब कुछ जो दुश्मन के कमजोर किए गए ढांचे को पूरी तरह नष्ट करने के लिए जरूरी हो। राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि समझौते का पालन किसी भी कारण से नहीं हुआ, तो कार्रवाई बड़ी, मजबूत और ऐसी होगी जो किसी ने पहले कभी नहीं देखी। ट्रंप ने आगे कहा यह लंबे समय पहले तय हुआ था और सभी झूठी बातें और बयानबाजी के बावजूद कोई परमाणु हथियार नहीं होंगे और होर्मुज जलडमरूमध्य

पूरी तरह सुरक्षित और खुला रहेगा। इस्राइली सेना ने जानकारी दी है कि लेबनान की ओर से उत्तरी इस्राइल की दिशा में दागे गए एक रॉकेट को सफलतापूर्वक हवा में ही रोक दिया गया। इस हमले के बाद गलील क्षेत्र में हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बज उठे, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब इस्राइल ने हाल ही में लेबनान पर अब तक के सबसे बड़े हमलों में से एक को अंजाम दिया है। इन हमलों में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हुए हैं। अमेरिका और ईरान के दो हफ्तों के युद्धविराम के बावजूद, इस्राइली सेनाओं ने लेबनान में अब तक के सबसे भयंकर दिन में कम से कम 254 लोगों की हत्या की। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका और इस्राइल ने समझौते की शर्तों का उल्लंघन किया और कहा कि लेबनान युद्धविराम में शामिल नहीं है। व्हाइट हाउस ने ईरान के 10-बिंदु प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जबकि ट्रंप ने इसे वार्ता के लिए ठीक माना था।

गाजा में इस्राइली ड्रोन हमले में अल जज़ीरा पत्रकार मोहम्मद विशाह की मौत हो गई। ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड नौसेना ने समुद्री खानों से बचने के लिए नए पारगमन मार्ग घोषित किए, ताकि होर्मुज जलडमरूमध्य युद्धविराम के तहत खोलने का वादा पूरा किया जा सके। इस्राइली सेना ने एक बार फिर बेरूत के दक्षिणी इलाकों पर हमला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हमला शहर के दक्षिणी उपनगरों में किया गया। इसके अलावा इस्राइल ने दक्षिणी लेबनान के कई कस्बों सफाद अल-बत्तिख, माजदल सेलेम, चाकरा और खेरबेत सेलेम पर भी बमबारी की है। हालांकि अभी हमलों में हुए नुकसान और हताहतों की पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। स्थिति को लेकर लगातार अपडेट का इंतजार किया जा रहा है।

ईसीआरकेयू के महामंत्री का धनबाद दौरा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के महामंत्री कॉम एस एन पी श्रीवास्तव ने गुरुवार को धनबाद मंडल का दौरा किया। इस मौके पर उनके साथ ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री सह एआईआरएफ वर्किंग कमिटी मेम्बर मो ज्याऊद्दीन, पूर्व केन्द्रीय पदाधिकारी बी के सिंह, राजेश कुमार, एआईआरएफ के जोनल सेक्रेटरी ओ पी शर्मा, केन्द्रीय कोषाध्यक्ष मिथिलेश कुमार, केन्द्रीय संगठन मंत्री नेताजी सुभाष सहित कई शाखाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कॉम श्रीवास्तव ने वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी अशोक कुमार से औपचारिक मुलाकात की तथा पिछले दिनों जारी किए गए लोको पायलट के स्थानांतरण आदेश पर चर्चा कर रनिंग कर्मचारियों को होने वाली समस्याओं से अवगत कराया। इस विषय पर ईसीआरकेयू का पक्ष रखते हुए उन्होंने कहा कि रनिंग कर्मचारियों के अथक परिश्रम के प्रतिफल से आज धनबाद मंडल ने भारतीय रेलवे में अपना महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने अनुरोध किया कि इन मेहनतकश साथियों के व्यापक हितों की रक्षा को प्रशासन अपनी प्राथमिकता दे। इस संबंध में वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी ने सकारात्मक आश्वासन दिया है। इसके बाद कॉम श्रीवास्तव ने मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्रा से मुलाकात की।

इस मौके पर बरकाकाना में सब्सिडाइज्ड होस्टल का निर्माण कराने, पतरातु रेलवे अस्पताल को अपग्रेड करने, फफराकुंड, मिचार्धूरी, खुलदिल रोड, महदैया आदि स्टेशनों और वहां की कालोनियों में पेयजल आपूर्ति की समस्या का समाधान करने, बरवाडीह में केन्द्रीय विद्यालय के स्थापना कराने, धनबाद मंडल में विभिन्न प्रमुख रेलवे कालोनियों के जर्जर आवासों को दुरुस्त करने सहित कई मुद्दों पर मंडल रेल प्रबंधक का ध्यान आकर्षित कराया गया। मंडल रेल प्रबंधक ने गंभीरता से सभी विषयों को सुना तथा आवश्यक कार्रवाई करने के प्रति प्रशासनिक प्रतिबद्धता जताई। इस कार्यक्रम के तहत ईसीआरकेयू धनबाद टू के अध्यक्ष सह मिडिया प्रभारी एन के खवास, विश्वजीत,परमेश्वर कुमार धनबाद शाखा वन के संयुक्त सचिव पिंटु कुमार, रंजीत यादव,भानु प्रकाश बरकाकाना शाखा सचिव महेंद्र प्रसाद महतो, पाथरडीह शाखा सचिव बी के साव, अमित शेखर सिंह,मुकेश कुमार, एस के विश्वकर्मा,चन्द्रपुरा शाखा अध्यक्ष ए के तिवारी,धनबाद लाईन शाखा के सचिव जीतेन्द्र कुमार,चंद्र शेखर, दिलीप कुमार,सुरेन्द्र चौहान, अमरजीत कुमार,प्रीतम कुमार, प्रशांत बनर्जी और विमान मंडल उपस्थित रहे।

बीएसएल में सेल-दर्पण पहल के तहत भूमिका निर्धारण एवं डेटा संकलन का शुभारंभ

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सेल में संगठनात्मक कार्यकुशलता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए एचआर ट्रांसफॉर्मेशन परियोजना 'सेल दर्पण' के अंतर्गत केपीए की भूमिका निर्धारण एवं डेटा संकलन प्रक्रिया की शुरूआत की गई है। इस पहल के तहत आज बोकारो इस्पात संयंत्र में इसका शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन उपस्थित थे। उनके साथ अधिशासी निदेशक, विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक, विभागाध्यक्षों सहित माइंस, एसआरयू एवं कोलियरी से जुड़े एचआर अधिकारी, कॉर्पोरेट-एचआर से एमडी रिजवान तथा बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस पहल का उद्देश्य एक सुदृढ़, पारदर्शी एवं सिस्टम-आधारित प्रदर्शन प्रबंधन ढांचा विकसित करना है, जिससे संयंत्र में बेहतर प्रदर्शन तथा सतत विकास सुनिश्चित किया जा सके। ज्ञातव्य है कि यह परियोजना बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) के सहयोग से संचालित की जा रही है। 'सेल दर्पण' पहल के माध्यम से बोकारो इस्पात संयंत्र आधुनिक एचआर प्रणालियों को अपनाते हुए डेटा-आधारित कार्यसंस्कृति को बढ़ावा देने तथा समग्र संगठनात्मक उत्कृष्टता प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है। इस पहल के अंतर्गत विभागवार भूमिकाओं, केपीए एवं तकनीकी दक्षताओं को परिभाषित किया गया है, जिसे अब व्यवस्थित रूप से लागू करने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। इस परियोजना के सफल क्रियान्वयन हेतु एक 'दर्पण टीम' का गठन किया गया है, जो विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए डेटा संकलन एवं उसके सत्यापन प्रक्रिया को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाएगी। इस पहल के माध्यम से अधिकारियों की भूमिकाओं एवं जिम्मेदारियों को स्पष्ट किया जाएगा, जिससे उत्तरदायित्व की भावना सुदृढ़ होगी तथा व्यक्तिगत प्रदर्शन को संगठनात्मक लक्ष्यों के साथ बेहतर रूप से जोड़ा जा सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

उत्पाद विभाग ने नकली विदेशी शराब फैक्ट्री का किया उद्भेदन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सहायक आयुक्त उत्पाद, बोकारो के निदेर्शानुसार गुप्त सूचना के आधार पर बोकारो जिला अंतर्गत सियालजोड़ी ओ.पी. थाना क्षेत्र के मूनदनिया बस्ती में छापामारी अभियान चलाया गया। कार्रवाई के

दौरान चारदीवारी से घिरे एक एस्बेस्टस निर्मित मकान में संचालित नकली विदेशी शराब बनाने वाली अवैध फैक्ट्री का उद्भेदन किया गया। छापामारी के दौरान उक्त स्थल से भारी मात्रा में तैयार विदेशी शराब के साथ-साथ नकली शराब निर्माण में प्रयुक्त सामग्री जैसे खाली बोतलें, विभिन्न ब्रांड के स्टीकर, ढक्कन, कारमेल एवं पंचिंग मशीन आदि बरामद किए गए। इस मामले में पचौड़ा बस्ती, थाना हरला निवासी अभियुक्त इरफान अंसारी (पिता झ्र वारिश अंसारी) की संलिप्तता पाई गई है। अभियुक्त के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। उल्लेखनीय है कि अभियुक्त के विरुद्ध पूर्व में भी उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, बोकारो में मामले दर्ज हैं, जिससे उसकी अवैध गतिविधियों में संलिप्तता की पुष्टि होती है। इस सफल छापामारी अभियान का नेतृत्व विनय कुमार सिंह (प्रशिक्षु निरीक्षक, उत्पाद) द्वारा किया गया। टीम में सन्नी विवेक तिर्की (अवर निरीक्षक, तेनुघाट), अमित कुमार गुप्ता (अवर निरीक्षक, सदर अंचल), महेश दास (अवर निरीक्षक, चंद्रपुरा सह बेरमो अंचल) एवं अधीनस्थ उत्पाद बल के जवान शामिल थे।

चंपई सोरेन बोकारो स्टील प्लांट के विस्थापितों के आंदोलन का नेतृत्व करेंगे

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट के विस्थापितों के आंदोलन को जन आंदोलन बनाने को लेकर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने बिगुल फूंक दिया है। बोकारो पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने आज नया मोड़ स्थित बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर इसकी शुरूआत की। इस दौरान विस्थापित सहित भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत किया। चंपई सोरेन ने कहा कि इस जन आंदोलन को विस्थापितो के बैनर तले ही लड़ा जाएगा। विस्थापित ही इसकी अगुवाई करेंगे। मैं जन आंदोलन का नेतृत्व करूंगा। उन्होंने कहा कि विस्थापितों के समर्थन में लाखों लाख लोग बोकारो स्टील निर्माण के बाद खाली पड़े जमीन पर हल जोतने का काम करेंगे। हम विस्थापितों के साथ विचार विमर्श कर इसकी रूपरेखा तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की भी जवाब देही विस्थापितों के प्रति है। बोकारो की धरती से ही नेता आंदोलन करने का काम करते रहे और आज राज्य का नेतृत्व भी कर रहे हैं, लेकिन विस्थापितों को न्याय नहीं मिला। भूमि अधिग्रहण में नियम है कि 5 साल तक अगर जमीन का उपयोग नहीं होगा तो उसे विस्थापितों को वापस किया जाएगा, लेकिन 60 वर्ष बीत जाने के बाद भी आज तक विस्थापितों को न्याय नहीं मिला।

ब्लास्ट फर्नेस के कर्मचारियों की समस्याओं पर यूनियन ने की चर्चा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस में विभागीय कमिटी की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता विभागीय अध्यक्ष अशोक सोरेन ने की। संचालन शाखा सचिव अरविंद कुमार ने किया। बैठक मे विभागीय समस्याओ पर विशेष रूप से चर्चा की गई। प्लांट मे सुरक्षा, इसेंटिव रिवॉर्ड ,विभाग में डस्ट धूल ठेका मजदूरों को मिनिमम वेज तथा सभी को सुरक्षा सामग्री उपलब्ध कराना आदि विषयों पर चर्चा हुई। महामंत्री विनोद कुमार ने बताया कि स्टील फेडरेशन के दो दिवसीय कार्यसमिति बैठक 28- 29 मार्च को राउरकेला में संपन्न हुआ जिसमें एनपीएस ईपीएस 95, पीएफ, ग्रेच्युटी और अधूरे वेज रिवीजन तथा आगामी रिवीजन समय से हो इन सभी विषयों पर गहन चिंतन और चर्चा किया गया। महामंत्री विनोद कुमार ने ब्लास्ट फर्नेस की बैठक में अपने कार्यकताओं को बताया को जल्द ही सीजीएम और उच्च अधिकारियों से बैठक कर समस्याओं का समाधान कराया जाएगा और ऐसा नहीं होने पर मजदूर हित जोर दार आंदोलन किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से यूनियन के कोषाध्यक्ष कृष्णा प्रसाद केवट, मंत्री आशीष कुमार, तथा विभागीय पदाधिकारी धर्मेंद्र बेहरा,राजेश कुमार महतो,विवेक कुमार, हुबलाल मुर्मू, चंदन महथा दिवाकर दास रवि दिगार, संतोष शुक्ला, विनोद बिहारी लाल, रोशन टोप्पो, एस दत्ता, भोलू गोप आदि उपस्थित रहे।

एशियन लॉन बॉल चैंपियनशिप में बोकारो के खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन

रेशमा कुमारी ने रजत, सौरभ सिंह ने स्वर्ण पदक जीतकर बढ़ाया मान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में गुरुवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बताया कि नई दिल्ली में आयोजित 17वीं एशियन लॉन बॉल चैंपियनशिप 2026 में बोकारो जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले एवं देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। भारतीय टीम का हिस्सा बनकर प्रतियोगिता में भाग लेने वाली बोकारो (चंदनकियारी) की प्रतिभाशाली खिलाड़ी रेशमा कुमारी ने फाइनल मुकाबले में अद्वितीय खेल कौशल, संतुलन एवं एकाग्रता का प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अर्जित किया। उनके इस प्रदर्शन ने महिला खिलाड़ियों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। इसी प्रकार, जिले के उभरते खिलाड़ी सौरभ सिंह ने अपने उत्कृष्ट कौशल, रणनीतिक सोच एवं धैर्यपूर्ण खेल का परिचय देते हुए फाइनल मुकाबले में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल बोकारो बल्कि पूरे देश को गौरवान्वित किया है। उपायुक्त ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता जिले के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है तथा खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

दुकानों पर लगे तम्बाकू उत्पाद के विज्ञापन सम्बंधित पोस्टर को हटाया गया : जिला परामर्शी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद के निर्देशन एवं थाना प्रभारी सेक्टर 6 संगीता कुमारी के सहयोग से सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम के तहत जिला छापामारी दल के सदस्य मो. असलम के द्वारा सेक्टर-6 डी0ए0वी0 स्कूल, क्रिसेंट पब्लिक स्कूल, डीपीएस सेक्टर 5, चिन्मया स्कूल, अय्यप्पा स्कूल व चीराचास पुल के निकट कुल लगभग 53 दुकानों की जांच की गई, जिसमें कोटपा कानून उल्लंघन की स्थिति में कुल 13 प्रतिष्ठानो/व्यक्तियों का चालान काटकर 3100/ रू अर्थदन्ड की वसूली की गई। थाना प्रभारी सेक्टर 6 के अनुसार बताया गया कि युवाओ को नशा से दूर रखने हेतु कोटपा-2003 के विभिन्न धाराओं के अनुपालन हेतु आज अभियान चलाया गया है, जिसमें विशेषकर देखा गया है कि स्कूल के 100 गज के दायरे में कोई ऐसा दुकान तो नही है जो तम्बाकू उत्पाद बेच रहा है। जिन दुकानों पर तम्बाकू उत्पाद से सम्बन्धित विज्ञापन का पोस्टर लगा था उसको हटवाया गया है और उन्हें सख्त निर्देश दिया गया है कि कि अपने दुकानों पर विज्ञापन वाला पोस्टर न लगाये अन्यथा कोटपा-2003 की धारा 5 के तहत चालान की जायेगी जिसमें उल्लंघनकर्ता वाले दुकारदार को 1000 का जुमार्ना या दो वर्ष का कारावास अथवा दोनो हो सकता है और सप्लाईकर्ता को 5000 का जुमार्ना या 5 वर्ष का कारावास अथवा दोनो हो सकता है। तो भविष्य में ऐसी गलती न हो इसके लिये सभी दुकानदार तैयार रहें और कोटपा के सभी कानून का पालन करे। जिला परामर्शी मो असलम द्वारा बताया गया कि लगातार शिकायत आ रही थी कि चिन्मया स्कूल के सामने कमल भरायटी दुकान में तम्बाकू उत्पाद की बिक्री हो रही है। आज छापामारी के दौरान दुकान के अन्दर तम्बाकू उत्पाद बेचते हुए पकड़ा गया जिसे कोटपा 2003 की धारा 6बी के तहत चालान किया गया साथ ही भविष्य में स्कूल के 100 मीटर के दायरे में तम्बाकू उत्पाद न बेचने हेतु आगाह किया गया। जिला परामर्शी मो असलम तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम बोकारो के द्वारा सभी बोकारो वासी से अनुरोध किया गया कि खुले/सार्वजनिक स्थान (सार्वजनिक स्थान यानी ऐसी जगह जहां दो आदमी बिना रोक टोक के आसानी से आ जा सके) में धुम्रपान का सेवन न करें। यदि खुले में धुम्रपान का सेवन करते हुए पकड़ा गया तो कोटपा-2003 की धारा 4 के तहत कार्रवाई की जायेगी और सभी दुकानदार से अपील है कोटपा-2003 की धारा-7 की उपधारा (2) के अनुसरण के तहत झारखण्ड राज्य में विनिर्दिष्ट चेतावनी (कैंसर वाला चित्र) के बिना किसी भी प्रकार के तम्बाकू उत्पाद/सिगरेट/खुली सिगरेट की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध है। उक्त अधिनियम की धारा-7 की उपधारा-2 का उल्लंघन कोटपा-2003 की धारा 20 के अन्तर्गत दन्डनीय अपराध है। इस लिये सभी दुकानदारो को चेतावनी दी जाती है कि सिंगल सिगरेट की विक्री न करें अन्यथा कोटपा-2003 की धारा 7 के तहत कार्रवाई की जायेगी।

बीएसएल के आई एण्ड ए विभाग में सुझाव मेला का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के आईएण्डए विभाग द्वारा आज 'सुझाव मेला' का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक (आई एण्ड ए एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्युनिकेशन) शरत चंद्र पात्रा द्वारा की गई. इस पहल का मुख्य उद्देश्य विभाग के कार्मिकों को नवाचार और रचनात्मक विचारों के माध्यम से परिचालन में सुधार हेतु प्रेरित करना है. इस अवसर पर महाप्रबंधक (आई एण्ड ए) पी. के. मिश्रा, उप महाप्रबंधक (आईएण्डए) राजीव सोनी, आईईडी विभाग से वरीय प्रबंधक प्रीति प्रिया सहित आई एण्ड ए एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्युनिकेशन विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे. कार्यक्रम का सुचारु संचालन सहायक महाप्रबंधक (आई एण्ड ए) श्री हरीश कुमार पाल द्वारा किया गया. सुझाव मेले के दौरान कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और कुल 150 से अधिक बहुमूल्य सुझाव प्राप्त हुए. कार्यक्रम के अंत में सभी सुझाव कर्ताओं को मुख्य महाप्रबंधक (आई एण्ड ए एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्युनिकेशन) द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. यह आयोजन टीम वर्क और संगठनात्मक विकास के प्रति बोकारो इस्पात संयंत्र की सकारात्मक कार्यसंस्कृति को रेखांकित करता है. कर्मचारियों के ये अभिनव सुझाव न केवल कार्यस्थल की उत्पादकता बढ़ाने में सहायक होंगे, बल्कि निरंतर सुधार की दिशा में संयंत्र की तकनीकी उत्कृष्टता को भी मजबूती प्रदान करेंगे।

चार साल बाद घर लौटा गुरवा, मां की दुआ और प्रयासों ने रचा चमत्कार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कभी उम्मीद लगभग खत्म हो चुकी थी, लेकिन एक मां की दुआ और लगातार प्रयासों ने आखिर चमत्कार कर ही दिया। करीब 4 साल से अपने परिवार से बिछड़ा गुरवा जब अपने घर लौटा, तो उसे देखते ही पूरे परिवार की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। घर का माहौल मानो त्योहार में बदल गया। यह भावुक कर देने वाली कहानी सहयोग विलेज, चास स्थित बालगृह से सामने आई है, जहां गुरवा पिछले कई वर्षों से रह रहा था। बाल कल्याण समिति, जिला बाल संरक्षण इकाई, सहयोग विलेज, यूनिसेफ और सेंटर फॉर चाइल्ड राइट्स, के संयुक्त प्रयासों ने इस मुश्किल कार्य को संभव बना दिया। जानकारी के अनुसार, लगभग 20 वर्षीय गुरवा वर्ष 2022 में पिंड्राजोरा इलाके में भटकते हुए मिला था। गांव वालों ने उसे पुलिस को सौंपा, जहां से आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उसे बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति के निर्देश पर उसे बालगृह में आश्रय दिया गया। गुरवा मानसिक रूप से कमजोर था और अपने घर-परिवार के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे पाता था। यही कारण था कि उसकी पहचान करना और परिवार तक पहुंचना एक बड़ी चुनौती बन गया। इस दौरान उसका लगातार इलाज कराया गया, जिससे उसकी स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हुआ। आधार कार्ड बनाने की कई बार कोशिश की गई, लेकिन हर बार कोई न कोई समस्या सामने आती रही। बाद में पता चला कि उसका आधार पहले से बना हुआ है, लेकिन उसकी जानकारी उपलब्ध नहीं थी। अंततः यूनिसेफ और सेंटर फॉर चाइल्ड राइट्स, के सहयोग से आधार से जुड़ी जानकारी प्राप्त हुई और उसी के आधार पर गुरवा के घर का पता चल सका। जिला बाल संरक्षण इकाई ने भी हार नहीं मानी। अखबारों में सूचना प्रकाशित की गई, ऑनलाइन पोर्टल पर जानकारी साझा की गई और हर संभव प्रयास किया गया। लंबे इंतजार और अथक मेहनत के बाद आखिरकार गुरवा को उसके परिवार के सुपुर्द कर दिया गया। गुरवा की मां ने भावुक होकर कहा, वो बारात गया था और लौटते समय कहीं खो गया। हमें लगा अब शायद कभी नहीं मिलेगा लेकिन आज वो हमारे सामने है। इससे बड़ी खुशी कोई नहीं हो सकती। बाल कल्याण समिति, बोकारो की अध्यक्ष लीलावती देवी ने कहा कि यह केवल एक बच्चे की घर वापसी नहीं, बल्कि उम्मीद, धैर्य और निरंतर प्रयासों की जीत है। यह कहानी साबित करती है कि सच्चे प्रयासों से बिछड़े अपने भी एक दिन जरूर मिल जाते हैं।

चंद्रपुरा में स्कूल बस और ट्रैक में टक्कर, एक दर्जन बच्चे घायल

उपायुक्त ने बीजीएच पहुंचकर घायल बच्चों का जाना हाल, जताई संवेदनशीलता

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चंद्रपुरा थाना क्षेत्र में आज दुखद घटना घटी। भंडारीदह स्थित बीआरएल डी ए वी पब्लिक स्कूल की बस राजाबेड़ा के निकट ट्रक की चपेट में आ गई। लगभग एक दर्जन बच्चे घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल 6 बच्चों को बोकारो जेनरल स्कूल में भर्ती कराया गया। दो तीन बच्चों को सिर में गंभीर चोट लगी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त अजय नाथ झा नेबीजीएच पहुंच कर सड़क दुर्घटना में घायल बच्चों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। अस्पताल पहुंचते ही उपायुक्त सीधे वार्ड में गए और एक-एक कर सभी घायल बच्चों से बातचीत की। उन्होंने बच्चों का हौसला बढ़ाया, उन्हें ढांढस बंधाया तथा शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। बच्चों के परिजनों से भी मुलाकात कर उन्हें हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

चिकित्सकों को बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

उपायुक्त ने मौके पर उपस्थित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों से बच्चों के उपचार की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी घायलों को उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए तथा उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों के इलाज में आवश्यक सभी संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे और जिला प्रशासन लगातार इस पर नजर बनाए हुए है।

अन्य मरीजों से भी डीसी-डीडीसी ने किया संवाद

अस्पताल निरीक्षण के दौरान उपायुक्त अजय नाथ झा एवं उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने वार्ड में भर्ती अन्य मरीजों से भी मुलाकात की। उन्होंने मरीजों का हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने मरीजों एवं उनके परिजनों से बातचीत कर अस्पताल में दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में फीडबैक लिया।

जिला कोषागार का डीसी व डीडीसी ने किया निरीक्षण

वित्तीय अनुशासन पर सख्ती, गड़बड़ी मिलने पर कड़ी कार्रवाई की दी चेतावनी

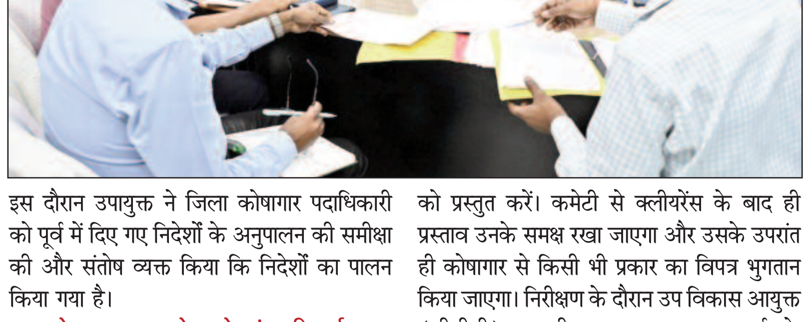

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुरुवार को उपायुक्त अजय नाथ झा एवं उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने जिला कोषागार का निरीक्षण कर वित्तीय कार्यों की समीक्षा की और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वित्तीय कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वर्ष में दो बार अनिवार्य होगा निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने निर्देश दिया कि प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अक्टूबर एवं अप्रैल माह में डीसी के द्वारा कोषागार का अनिवार्य निरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने जिला स्थापना शाखा को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि निरीक्षण के बाद ही संबंधित माह का वेतन निर्गत किया जाएगा।

गड़बड़ी पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

उपायुक्त ने जिला एवं राज्यवासियों को आश्वस्त किया कि वित्तीय व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी स्तर पर गड़बड़ी पाई जाती है, तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा

इस दौरान उपायुक्त ने जिला कोषागार पदाधिकारी को पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा की और संतोष व्यक्त किया कि निर्देशों का पालन किया गया है।

वेतन भुगतान से पहले जांच अनिवार्य

उन्होंने कहा कि सभी डीडीओ को निर्देशित किया कि वित्तीय वर्ष 2023-24, 2024-25 एवं 2025-26 के वेतन मद की जांच कर गठित कमेटी को प्रस्तुत करें। कमेटी से क्लीयरेंस के बाद ही प्रस्ताव उनके समक्ष रखा जाएगा और उसके उपरांत ही कोषागार से किसी भी प्रकार का विपत्र भुगतान किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, नोडल पदाधिकारी पंकज दुबे, जिला कोषागार पदाधिकारी गुलाब चंद उरांव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बोकारो व हजारीबाग ट्रेजरी घोटाला में भानु प्रताप शाही और ढुल्लू महतो ने राज्य सरकार को घेरा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के बाद हजारीबाग में ट्रेजरी से हुए करोड़ों रुपये की अवैध निकासी के मामले को लेकर भाजपा ने राज्य सरकार पर जोरदार हमला बोला है। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष भानु प्रताप शाही ने इस पूरे मामले को चारा घोटाले से भी बड़ा बताते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। बोकारो पहुंचे भानु प्रताप शाही ने कहा कि एजी की रिपोर्ट में करीब 11 हजार करोड़ रुपये की गड़बड़ी की आशंका जताई गई है। अब इस मामले की परतें खुलनी शुरू हो गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन के संरक्षण में इस तरह के घोटाले को अंजाम दिया गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस मामले की जांच सीबीआई से कराई जाएगी। वहीं धनबाद के भाजपा सांसद ढुल्लू महतो ने भी राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बोकारो जिले में इससे भी बड़ा घोटाला चल रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल

फोन नंबर- 9431145865 8210783623

आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655

E-mail- nbtimesbihar@gmail.com